मदरलैण्ड वॉइस की मुहिम

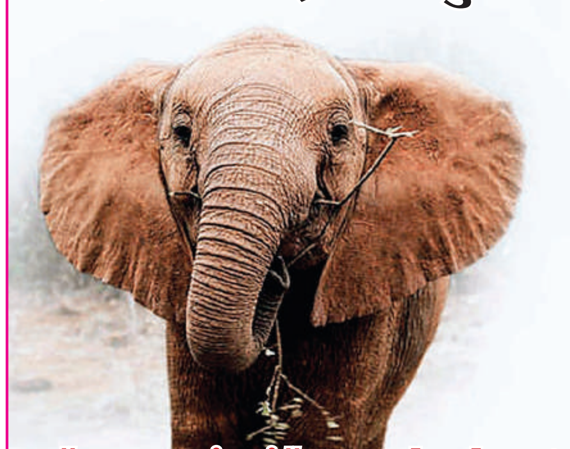

#savegajraj#saveelephant

वर्ष : 3 अंक: 187 मूल्य : 4 रू.

RNI No. -DELHIN/2019/78266

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस

बुधवार, 2 मार्च 2022

राष्ट्र प्रेमियों का दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली से प्रकाशित एवं जयपुर, लुधियाना, चंडीगढ़, पटना, रायपुर, देहरादून, शिमला में प्रसारित

भारत की प्रतिष्ठा बनानी है तो इसकी प्राचीनता और सच्चाई को स्थापित करना होगा: मोहन भागवत

नई दिल्ली, एजेंसी। पौराणिक नदी सरस्वती के अस्तित्व पर दिल्ली में आयोजित पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि अगर हमें भारत की प्रतिष्ठा बनानी है तो इसकी प्राचीनता और सच्चाई को प्राचीन काल से आज तक स्थापित करना होगा। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि लोग भरोसा करेंगे लेकिन विद्वानों को साबित करना होगा। इसका उल्लेख नई पीढ़ी की पाठ्यपुस्तकों में साक्ष्य के साथ किया जाना चाहिए। बातें सबूत के साथ बतानी पड़ती हैं। उन्होंने कहा कि जब हम राम सेतु की बात करते थे तो लोग इसे गप्प समझते थे लेकिन सबूत सामने आया।

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि लोगों का एक वर्ग है जो यह मानता है कि सरस्वती नदी थी और आज भी मौजूद है। लेकिन हमारी नई पीढ़ी सबूत मांगती है। इसकी वजह ये है कि हमारी शिक्षा प्रणाली आस्था को बढ़ावा नहीं देती है। यह देखना होगा कि यह नई शिक्षा नीति के साथ कितना बदलाव होता है। लेकिन इतने सालों से चली आ रही व्यवस्था छात्रों को हर चीज पर सवाल उठाने के लिए प्रेरित करती है। उन्हें हमारी विरासत पर विश्वास नहीं करने के लिए मजबूर करती है।

पूर्व मानव संसाधन विकास मंत्री और भाजपा नेता मुरली मनोहर जोशी ने कहा कि मुझे आश्चर्य होता है कि कैसे लोगों का एक वर्ग भारत के समृद्ध इतिहास और अतीत के अस्तित्व पर सवाल उठाने की कोशिश करता है। जोशी ने कहा ने कहा कि मुझ पर कई आरोप होंगे कि मैं सभी को संस्कृत सिखाने की कोशिश कर रहा था। तथाकथित बुद्धिजीवियों के एक वर्ग ने हमेशा हमारे इतिहास और सांस्कृतिक विरासत को खराब करने की कोशिश की।

यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले 3 दिनों में 26 उड़ानें संचालित करेगी सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत सरकार यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले तीन दिन में 26 उड़ानें संचालित करेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में एक उच्चस्तरीय बैठक में यह फैसला किया गया। बैठक के बाद सरकार ने कहा कि यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए अगले तीन दिनों में 26 उड़ानें संचालित की जाएंगी। रूस के हमलों से बेहाल यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार ने ऑपरेशन गंगा के तहत कोशिशें तेज कर दी हैं। सरकार की ओर से दी गई जानकारी में कहा गया है कि अगले तीन दिनों में 26 उड़ानें भरी जाएंगी और इसके जरिये भारतीयों को यूक्रेन के पड़ोसी देश रोमानिया, पोलैंड या हंगरी से वापस लाया जाएगा।

इससे पहले, रोमानिया में भारतीय दूतावास ने साफ किया है कि यूक्रेन से आने के बाद रोमानिया से विशेष उड़ान लेने के लिए किसी भारतीय को वीजा की जरूरत नहीं है। भारतीय दूतावास का कहना है कि हमें यूक्रेन से निकासी के बाद रोमानिया में अभी शरण लेने वाले भारतीय छात्रों से कुछ सवाल मिले हैं कि क्या कुछ दिनों के बाद वीजा की जरूरत के मद्देनजर वे वहां से बाहर नहीं निकल सकेंगे।

भारत युद्धग्रस्त देश में फंसे अपने नागरिकों को 27 फरवरी से रोमानिया और हंगरी के रास्ते स्वदेश ला रहा है। रोमानिया और हंगरी यूक्रेन के पड़ोसी देश हैं। यूक्रेन में करीब 14 हजार भारतीय फंसे हैं, जिनमें से अधिकतर छात्र हैं।

शिक्षा को एक ऐसे मिशन के रूप में देखा जाना चाहिए: नायडु

नई दिल्ली, एजेंसी। उपराष्ट्रपति एम.वेंकैया नायडु ने आज बच्चों को भारतीय संस्कृति और विरासत पर जोर देने वाली मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करने का आह्वान किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि शिक्षा केवल डिग्री और प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए ही नहीं, बल्कि ह्यसशक्तिकरण, ज्ञान और रोजगार के लिए भी है। शिक्षा के व्यावसायीकरण की निंदा करते हुए श्री नायडु ने कहा कि पुराने जमाने में शिक्षा और चिकित्सा को एक मिशन के रूप में माना जाता था। शिक्षा को सामाजिक रूप से जागरूक और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करना चाहिए जो समाज और देश की समग्र भलाई के लिए निस्वार्थ भाव से प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि अगर आप स्वयं से ही प्यार करते हैं तो आपको कोई भी याद नहीं रखेगा, लेकिन अगर आप दूसरों की भलाई के लिए जीते हैं तो आप अमर हो जाएंगे, और दूसरे लोगों की स्मृति में भी लंबे समय तक जीवित रहेंगे।

श्री नायडु श्री पतिबंदला सीतारमैया हाई स्कूल, गुंटूर के हीरक जयंती समारोह में शामिल हुए। छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों को संबोधित करते हुए उपराष्ट्रपति ने समग्र शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शारीरिक फिटनेस और बागवानी जैसी गतिविधियों पर भी इतना ही ध्यान दिए जाने की जरूरत है। उन्होंने मातृभाषा में शिक्षा देने की प्राथमिकता की जरूरत को दोहराया और कहा कि हमें अन्य भाषाओं को सीखते समय हमारा अपनी मातृभाषा में कुशल होना भी बहुत महत्वपूर्ण है।

समाज में घटते हुए सामाजिक मूल्यों के बारे में चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने लोगों से 4 सी- चरित्र, क्षमता, अच्छे आचरण और बुद्धि वाले जन-प्रतिनिधियों को चुनने और उनका समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने जन-प्रतिनिधियों के लिए अनुशासन और जन कल्याण के लिए प्रतिबद्धता की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वे भारत को एक मजबूत और शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में देखना चाहते हैं, ह्यजहां कोई भूख न हो, कोई अशिक्षा न हो और कोई भेदभाव न हो'।

संक्षिप्त समाचार

एयर मार्शल श्रीकुमार प्रभाकरण ने भारतीय वायु सेना की पश्चिमी वायु कमान का प्रभार संभाला

नई दिल्ली, एजेंसी। एयर मार्शल श्रीकुमार प्रभाकरण ने 1 मार्च 2022 को दिल्ली स्थित पश्चिम वायु कमान के वायु अफसर कमांडिंग-इन-चीफ का कार्यभार संभाला। एयर मार्शल राष्ट्रीय रक्षा अकादमी पुणे से स्नातक हैं और उन्होने भारतीय वायुसेना मे लड़ाकू पायलट के रूप में 22 दिसंबर 1983 को कमीशन प्राप्त किया। वह डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज वेलिंगटन और नेशनल डिफेंस कॉलेज, नई दिल्ली के पूर्व छात्र हैं। एक अनुभवी मिग-21 पायलट और श्रेणी ह्लअह्व योग्यता के उड़ान प्रशिक्षक, एयर मार्शल प्रभाकरण को लगभग 5000 घंटे की उड़ान का अनुभव है। 38 वर्षों से अधिक सेवाकाल में, एयर मार्शल प्रभाकरण ने महत्वपूर्ण कमान और स्टाफ नियुक्तियाँ की हैं, जिसमें 2 फ्लाइंग बेस की कमांड एवम भारतीय वायु सेना की ह्यसूर्यकिरणह्व ऐरोबाटिक टीम शामिल हैं। वह स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन में प्रशिक्षक और कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर के कमांडेंट रह चुके हैं। वह काहिरा, मिस्र में भारतीय मिशन में रक्षा अटैची, सहायक वायु सेना अध्यक्ष (आसूचना), महानिदेशक (निरीक्षण और सुरक्षा) एवम गांधीनगर स्थित दक्षिण पश्चिम वायु कमान के वरिष्ठ वायु कार्मिक अफसर के रूप में भी नियुक्त रहे हैं।

यदि विस चुनावों के बाद सरकार पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस के दाम बढ़ाती है तो पार्टी सड़कों पर उतरेगी - राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने चेतावनी दी है कि यदि विधानसभा चुनावों के खत्म होने के बाद सरकार पेट्रोल, डीजल एवं रसोई गैस के दाम बढ़ाती है तो इसके विरोध पार्टी सड़कों पर उतरेगी। राहुल गांधी ने ट्वीट किया, ह्यह्यएलपीजी के दाम एक बार फिर बढ़ाकर मोदी सरकार ने साफ कर दिया है कि आम जनता की तकलीफों से उन्हें कोई लेना-देना नहीं है। आज एलपीजी, कल पेट्रोल-डीजल।' कांग्रेस नेता अलका लांबा ने संवाददाताओं से कहा, 'इस सरकार ने पहले दूध महंगा कर दिया और वाणिज्यिक उपयोग में लाए जाने वाले गैस सिलेंडर की कीमत 105 रुपये बढ़ा दी। आज दिल्ली में वाणिज्यिक गैस सिलेंडर की कीमत 2000 रुपये से अधिक हो गई है।' उन्होंने दावा किया कि भाजपा को उत्तर प्रदेश और अन्य राज्यों में हार तय दिख रही है, इसलिए उत्तर प्रदेश में दो चरणों का चुनाव पूरा होने से पहले सिलेंडर का दाम बढ़ा दिया है। अलका ने कहा, 'सुनने में आ रहा है कि 27 मार्च तक घरेलू सिलेंडर की कीमत 15 रुपये तक बढ़ सकती है। पेट्रोल और डीजल के दाम भी बढ़ सकते हैं।'

पांच चरण के बाद तय हो गया हैं कि यूपी की जनता इतिहास लिखने जा रही : राजनाथ सिंह

बलिया, एजेंसी। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने दावा किया कि यूपी में जारी विधानसभा चुनाव के पहले पांच चरण से पता चल रहा हैं, कि राज्य के मतदाता नया इतिहास लिखकर भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनाने जा रहे हैं। इस बार पिछले 30-40 साल से चली आ रही सरकार बदलने की प्रथा को तोड़ने वाले है। सिंह ने कहा यूपी विधानसभा के पांच चरण के हुए चुनाव रुझान से स्पष्ट हो गया है कि उत्तर प्रदेश का मतदाता एक नया इतिहास लिखने जा रहा है।

उत्तर प्रदेश में पिछले 30-40 साल से किसी पार्टी की लगातार दो बार सरकार नहीं बनी है, मगर इस बार भाजपा की लगातार दूसरी बार सरकार बनने जा रही है। उन्होंने मतदाताओं से किसी लालच या बहकावे में न आने का आह्वान करते हुए कहा कि मतदान करते समय सभी को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि देश सबसे बड़ा है और भाजपा देश का मस्तक ऊंचा करने वाली पार्टी है और लगातार यह कार्य करेगी।

रक्षा मंत्री ने कहा कि भ्रष्टाचार को भाषण देकर बंद नहीं किया जा सकता हैं, बल्कि व्यवस्था में बदलाव लाकर ही भ्रष्टाचार को रोका जा सकता है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने पहले लाचारगी के साथ कहा था कि दिल्ली से भेजा जाने वाले एक रुपए में से बमुश्किल 15 पैसे ही लाभार्थी तक पहुंच पाते हैं। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार में सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ लाभार्थियों तक बगैर किसी भ्रष्टाचार के पहुंचता है। उन्होंने मोदी सरकार के विदेश नीति की सराहना करते हुए कहा कि मोदी सरकार ने देश का मस्तक सारी दुनिया में ऊंचा कर दिया है। उन्होंने कहा कि पहले दुनिया भारत की बात को गंभीरता नहीं सुनती थी और अब दुनिया भारत की बात को कान खोलकर सुनती है।

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कांग्रेस, सपा और बसपा की पूर्ववर्ती सरकारों पर भ्रष्टाचार को लेकर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा देश में अटल जी की सरकार रही है और इस समय मोदी जी की सरकार चल रही है। उत्तर प्रदेश में भी कल्याण सिंह से लेकर मेरी सरकार रही है और अब योगी सरकार चल रही है। किसी भी सरकार के किसी मंत्री के दामन पर भ्रष्टाचार का दाग नही लगा है। उन्होंने कहा कि दूसरी तरफ बाकी पार्टियों की सरकारों के मंत्रियों को भ्रष्टाचार के आरोप में जेल जाना पड़ा है।

भाजपा पर तंज कसते हुए बलिया बनाम छलिया का है विधानसभा चुनाव: अखिलेश

नई दिल्ली, एजेंसी। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर लोगों को धोखा देने का आरोप लगाते हुये कहा कि मौजूदा विधानसभा चुनाव बलिया बनाम छलिया का है और यहां की जनता छलने वाली सरकार को उखाड़ फेकेंगी। फेफना क्षेत्र के ग्राम कटरिया में कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखिलेश ने मंगलवार को कहा कि भाजपा ने जनता को धोखा दिया है। उसे समय समय पर छला है समय समय पर। ये चुनाव छलिया बनाम बलिया दिखायी दे रहा है। क्रांतिकारियों की भूमि बलिया के लोग अपने बल से इस सरकार को धूल चटाने का काम करेंगे। अखिलेश ने कहा कि सोमवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भाषण लोगों ने सुना होगा। अब तो भाजपा के सहयोगी भी जान चुके है कि भाजपा के लोग झूठ बोलते हैं। छोटे नेता छोटा झूठ बोलता है, बड़ा नेता बड़ा झूठ बोलता है और सबसे बड़ा नेता सबसे बड़ा झूठ बोलता है। किसानो की आय दोगुनी करने का वादा झूठा निकला जबकि नौजवान को रोजगार नहीं मिला। किसानो को खाद डीएपी के लिए तरसना पड़ा। खरीद केन्द्र पर उसकी धान की फसल खरीदी नहीं गयी। किसानो की लूट हो गई। खाद की बोरी से पांच किलो खाद चोरी हो गयी। पता नहीं भाजपा वाले चोरी कहां से सीख कर आये हैं। अखिलेश यादव ने दावा किया कि मौजूदा चुनाव में गठबंधन सरकार 300 से ज्यादा सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत की सरकार बनायेगी।

यूक्रेन की स्थिति को लेकर राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मिले पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की और यूक्रेन की स्थिति समेत कई मुद्दों उनके साथ चर्चा की। युद्धग्रस्त यूक्रेन से अब तक 8 हजार भारतीयों को निकाला जा चुका है। इधर, यूक्रेन में फंसे भारतीयों को वापस लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वायुसेना को निर्देश दिए हैं। आज से ऑपरेशन गंगा में भारतीय वायुसेना के कई सी-17 विमानों को लगाया जाएगा। भारत से यूक्रेन राहत सामग्री लेकर भी जाएंगे। यूक्रेन से भारतीयों को वापस लाने के लिए सरकार की ओर से 'ऑपरेशन गंगा' चलाया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा था कि यूक्रेन में सभी भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पूरा सरकारी तंत्र चौबीस घंटे काम कर रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि भारत पड़ोसी तथा विकासशील देशों के उन लोगों की भी मदद करेगा जो पूर्वी यूरोप के युद्धग्रस्त देश में फंसे हैं। 24 फरवरी को रूस द्वारा हमला करने के बाद यूक्रेन का हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण भारत वहां फंसे अपने नागरिकों को रोमानिया, हंगरी, पोलैंड और स्लोवाकिया से लगी उसकी (यूक्रेन की) सीमा चौकियों के जरिए वहां से बाहर निकाल रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने चार केंद्रीय मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ोसी देशों में पहुंच कर भारतीयों को सुरक्षित एवं सुगम तरीके से निकालने में समन्वय करने की जिम्मेदारी दी है। इसके तहत, केंद्रीय मंत्री वी के सिंह पोलैंड में, किरेन रिजिजू स्लोवाकिया में, हरदीप पुरी हंगरी में जबकि ज्योतिरादित्य सिंधिया रोमानिया और माल्डोवा में समन्वय करेंगे।

बाल कल्याण में एक मजबूत राष्ट्र का आधार निहित है: मंत्री स्मृति ईरानी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने नई दिल्ली के लाल किला स्थित 15 अगस्त मैदान में आज अपना 17वां स्थापना दिवस मनाया। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति जूबिन ईरानी इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि थीं। समारोह में एनसीपीसीआर के अध्यक्ष, प्रियांक कानूनगो, डब्ल्यूसीडी, सचिव इंदेवर पांडे और अन्य अधिकारी भी शामिल हुए। ईरानी ने एनसीपीसीआर के नए आदर्श वाक्य ह्यभविष्यो रक्षति रक्षितःह्ल का शुभारंभ किया और कहा, ह्लनया आदर्श वाक्य हमें अपने भविष्य यानी हमारे बच्चों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है जिनका कल्याण एक मजबूत राष्ट्र के आधार में निहित है। मंत्री ने विभिन्न राज्यों के बच्चों के साथ बातचीत की और स्वतंत्रता सेनानियों के बचपन के दौरान उनकी कहानियों पर आधारित सीमा सुरक्षा बलों (बीएसएफ) द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का भी दौरा किया और उनके बलिदानों को याद किया। इसका आयोजन एनसीपीसीआर के सहयोग से किया गया।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री ने ह्यसहाराह्ल नामक विशेष पहल के लिए एनसीपीसीआर और सीमा सुरक्षा बल के बीच सहयोग की भी सराहना की, जो सर्वोच्च बलिदान देने वाले बीएसएफ जवानों के बच्चों को मनो-सामाजिक परामर्श और सहायता प्रदान करने की एक पहल है। सहयोग की सराहना करते हुए, श्रीमती ईरानी ने एक ट्वीट में कहा कि 2 महीने में 300 कॉलों का जवाब दिया गया और 127 शिकायतों को वेबलिंक के माध्यम से दूर किया गया।

सपा और बसपा ने अंदरखाने भाजपा से समझौता कर लिया : प्रियंका गांधी

सिद्धार्थनगर, एजेंसी। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी से अंदरखाने समझौता करने का आरोप लगाकर कहा कि अपने खिलाफ जांच के डर से इन दोनों दलों ने पिछले पांच वर्षों के दौरान भाजपा सरकार के अत्याचारों के खिलाफ आवाज नहीं उठाई। प्रियंका ने आरोप लगाया, यह समाजवादी दल और बसपा, भाजपा से समझौता किए हुए हैं। आप इस गलतफहमी में मत रहिए कि अगर इनकी सरकार बन भी गई, तब वे भाजपा का सामना कर पाएंगे।'

कांग्रेस महासचिव ने कहा, सपा और बसपा ने योगी सरकार की नीतियों के खिलाफ पिछले सालों में कुछ किया ही नहीं है। उन्हें डर है कि एक जांच हो जाएगी, कोई एजेंसी पीछे लग जाएगी तब चुप हो जाएंगे, दुबक जाएंगे अपने कमरों में। उन्होंने कहा कि दुनिया में ऐसी कोई जंग नहीं है, जो बिना लड़े जीती गई हो। यहां तो यह राजनीतिक दल आपस में लड़ ही नहीं रहे हैं।

प्रियंका ने संशोधित नागरिकता कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ हुए आंदोलन के दौरान कथित रूप से पुलिस की गोली से कई लोगों के मारे जाने का जिक्र कर कहा कि सपा और बसपा का कोई नेता उनके परिवारों से मिलने नहीं गया। उन्होंने कहा कि सिर्फ कांग्रेस ने ही उनकी सुध ली और इस तरह जब आगरा में दलित अरुण वाल्मीकि और उसके परिवार को पुलिस ने बेरहमी से पीटा और हाथरस में एक लड़की की बलात्कार के बाद मौत हो गई और प्रशासन ने उसके शव को जबरन जलवा दिया, तब भी सपा और बसपा का कोई नेता उनके यहां नहीं गया। प्रियंका ने जनता पर जाति और धर्म की राजनीति को बढ़ावा देने का आरोप लगाकर उन्हें आंखें खोलने की सलाह देकर कहा, जब अत्याचार आपके पास आया, तब क्या उसने पूछा कि आप की क्या जाति और धर्म है। जब महंगाई और बेरोजगारी आती है, तब क्या वह पूछती है कि आपकी धर्म और जाति क्या है?, तब यह राजनीतिक दलों के नेता आप से जाति और धर्म की बात क्यों करते हैं।'

कांग्रेस महासचिव ने कहा 'दूसरी पार्टियों के नेता जनता के मंचो पर खड़े होकर पाकिस्तान, आतंकवाद, बुलडोजर और यहां तक कि रूस और यूक्रेन की बातें भी क्यों कर रहे हैं।' उन्होंने पूछा कि क्या इससे आपको रोजी-रोटी मिल रही है, क्या आपकी तरक्की हो रही है? आप आंखें खोल लीजिए। तरक्की सिर्फ इन्हीं लोगों की हो रही है।' उन्होंने कहा, 'जनता के लिए संघर्ष सिर्फ और सिर्फ कांग्रेस पार्टी ने किया है। सिर्फ कांग्रेस ही आपके लिए सड़क पर उतरी। कांग्रेस ने आपका धर्म और जाति नहीं पूछी।' प्रियंका ने जाति और धर्म के आधार पर चुने जाने वाले नेताओं की तुलना किसी निकम्मे लड़के से करते हुए जनता से कहा, 'आपने जाति धर्म के आधार पर वोट देकर ऐसे नेताओं की आदत डाल दी है।

मोदी सरकार की कोविड नीतियों से ईएसडीएम में नए अवसर पैदा हुए: राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योगजगत के साझेदारों के सहयोग से वीएलएसआई सोसाइटी ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित 35वें अंतर्राष्ट्रीय वीएलएसआई डिजाइन और एंबेडेड सिस्टम सम्मेलन 2022 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा, ह्लभारत आज प्रौद्योगिकी के इस्तेमाल तथा प्रयोग के संदर्भ में एक जबरदस्त बाजार का प्रतिनिधित्व करता है। यह एक ऐसे देश का प्रतिनिधित्व करता है जहां नवाचार इको-सिस्टम और कार्यनिष्पादन वाले उद्यमियों के एक सशक्त इको-सिस्टम की जड़ें काफी गहराई में हैं। सरकार की नीति और सरकारी पूंजी इन 2 तत्वों को उत्प्रेरित करने और एक स्थायी इको-सिस्टम बनाने जा रही है, जो आने वाले दशक में दुनिया की मांग और भारत की जरूरतों को पूरा करेगी।' इस वर्ष के सम्मेलन का विषय- 'सिलिकॉन कैटालाइजिंग कंप्यूटिंग, कम्युनिकेशन एंड कॉग्निटिव कन्वर्जेंसह्व था। प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साझा करते हुए, जिसने भारत को प्रौद्योगिकी क्षेत्र के विकास और विस्तार के मामले में एक अभूतपूर्व परिवर्तन मुकाम तक पहुँचाया है, राजीव चंद्रशेखर ने कहा, '15 अगस्त, 2021 को प्रधानमंत्री ने हम सभी के लिए एक दृष्टिकोण रखा था, जो भारतीय प्रौद्योगिकी और नवाचार इको-सिस्टम को लेकर काफी उत्साहवर्धक है। उन्होंने अगले 10 वर्षों को भारत का 'टेकेड'- प्रौद्योगिकी दशक बताया, जो एक शब्द के रूप में कई लोगों के लिए अनेक चीजों के साथ जुड़ा है। यह हमारी अर्थव्यवस्था की दिशा, प्रौद्योगिकी इको-सिस्टम की दिशा और सरकार के काम करने के तरीके को बदलने वाली प्रौद्योगिकी की शक्ति और अपने नागरिकों के जीवन को बदलने के बारे में है। उन्होंने कहा, 'कोविड महामारी के दौरान भारत के कार्यनिष्पादन ने विश्व भर के पर्यवेक्षकों के बीच भारत को एक ऐसे देश के रूप में परिभाषित किया है, जिसने एक सुदृढ़ अर्थव्यवस्था, सशक्त सरकार और दृढ़प्रतिज्ञ नागरिकता के निर्माण के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाया है।

दिल्ली पुलिस के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण में जुड़े नए आयाम

» विजय गौड़ विशेष संवाददाता

राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने आदर्श ऑडिटोरियम, पुलिस मुख्यालय में तीन डिजिटल पहल यानी अनुभूति-क्यूआर कोड आधारित फीडबैक सिस्टम, उपयोगकर्ता के अनुकूल और अधिक जानकारीपूर्ण दिल्ली पुलिस वेबसाइट और ई-चिट्ठा पोर्टल लॉन्च किया है। इस अवसर पर बोलते हुए,राकेश अस्थाना, पुलिस आयुक्त ने कहा कि इन तीन पहलों ने दिल्ली पुलिस के डिजिटलीकरण और आधुनिकीकरण में नए आयाम जोड़े हैं।वर्तमान परिवेश में सेवा वितरण प्रणाली में सुधार और लोगों की सुरक्षा और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से प्रौद्योगिकी का अधिकतम उपयोग आवश्यक है। अनुभूति - फीडबैक मैनेजमेंट सिस्टम जनता के साथ दोतरफा संचार स्थापित करेगा और प्राप्त फीडबैक के विश्लेषण के माध्यम से काम करने वाली पुलिस में सुधार करेगा।इसी तरह, दिल्ली पुलिस की रीफर्बिश्ड यूजर फ्रेंडली और अधिक जानकारीपूर्ण वेबसाइट नागरिकों के लिए एक क्लिक पर दिल्ली पुलिस सेवाओं के बारे में जानने के लिए काफी उपयोगी होगी।तीसरी पहल यानी ई-चिट्ठा ड्यूटी तैनाती की रीढ़ है।ई-चिट्ठा के कार्यान्वयन से न केवल जनशक्ति संसाधनों का इष्टतम

उपयोग सुनिश्चित होगा, बल्कि कार्यकुशलता और पारदर्शिता भी बढ़ेगी। इस प्रकार, कर्मचारियों को परिवार और उनके स्वयं के स्वास्थ्य और भलाई के लिए पर्याप्त समय मिलेगा और वे अधिक उत्साह और उत्साह के साथ काम करेंगे। आयुक्त ने कहा कि दिल्ली पुलिस ने इन डिजिटल पहलों को शुरू करके एक मिसाल कायम की है और आने वाले दिनों में अन्य बल भी हमारा अनुकरण करेंगे।अनुभूति - फीडबैक मैनेजमेंट सिस्टम एक पेपरलेस फीडबैक सिस्टम है। पुलिस स्टेशन आने वाले नागरिकों को पुलिस स्टेशन के क्यूआर कोड को स्कैन करना होगा और फीडबैक प्रतिक्रियाओं को चिह्नित करना होगा। प्रतिक्रिया डेटा बेस का उपयोग पुलिस सार्वजनिक इंटरफेस में सुधार के लिए विश्लेषण और सुधारात्मक कदम उठाने के लिए किया जाएगा। उपयोगकर्ता की पहचान का खुलासा नहीं किया जाएगा। पीसीआर के जिलों में विलय के परिणामस्वरूप बीट और पुलिस स्टेशनों पर अधिक जनशक्ति और गश्ती वाहनों की उपलब्धता हुई है। संसाधनों और जनशक्ति के इष्टतम उपयोग के लिए, डिजिटल ड्यूटी रोस्टर की आवश्यकता पर बल दिया गया। इसके अलावा, सभी पुलिस स्टेशनों पर कानून और व्यवस्था को अलग करने और जांच के लिए वांछित परिणाम लाने के लिए काम के समान वितरण की भी आवश्यकता थी। ई-चिट्ठा आज से सभी 178 क्षेत्रीय पुलिस थानों में काम कर रहा है।.राकेशअस्थाना, पुलिस आयुक्त ने वीके दुग्गल पूर्व पूर्व गृह सचिव, पूर्व अतिरिक्त मुख्य सचिव गुजरात बीके सिन्हा और श्री दिनेश सिंह, पूर्व वीसी, दिल्ली विश्वविद्यालय को स्मृति चिन्ह भेंट किए। राकेश अस्थाना ने दिल्ली पुलिस और राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस डिवीजन (एनईजीडी) के अधिकारियों/पुरुषों को सम्मानित किया, जिन्होंने इन पहलों को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।इस अवसर पर सभी विशेषआयुक्त पुलिस , संयुक्तआयुक्त पुलिस , अतिरिक्तआयुक्त पुलिस , जिला उपायुक्त पुलिस , सहायक आयुक्त पुलिस , थाना प्रमुख जनता से सम्मानित नागरिक उपस्थित थे।

11 प्रतिशत बढ़ गई देश में अरबपतियों की संख्या

नई दिल्ली, एजेंसी। रियल एस्टेट के बारे में परामर्श देने वाली नाइट फ्रैंक की रिपोर्ट के मुताबिक देश में तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर (करीब 226 करोड़ रुपये) या इससे अधिक संपत्ति वाले अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में पिछले साल 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई। अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में यह बढ़ोतरी शेयर बाजारों में तेजी और डिजिटल क्रांति के चलते हुई।

भारत 2021 में विश्व स्तर पर अरबपतियों की आबादी में तीसरे स्थान पर है। अमेरिका 748 अरबपतियों के साथ पहले स्थान पर है, जिसके बाद 554 अरबपतियों के साथ चीन का स्थान है। भारत 145 अरबपतियों के साथ तीसरे स्थान पर है।

संपत्ति सलाहकार नाइट फ्रैंक ने 'द वेल्थ रिपोर्ट 2022' के अपने ताजा संस्करण में कहा कि वैश्विक स्तर पर अत्यधिक धनी लोगों की संख्या 2021 में 9.3 प्रतिशत बढ़कर 6,10,569 हो गई, जो इससे पिछले साल 5,58,828 थी।

नाइट फ्रैंक ने एक बयान में कहा, ह्यह्यभारत में अत्यधिक धनी लोगों (तीन करोड़ अमेरिकी डॉलर या उससे अधिक शुद्ध संपत्ति) की संख्या में 2021 में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में अधिक नेटवर्थ वाले अमीरों की संख्या 2021 में 13,637 थी जो इससे पिछले साल 12,287 थी। अत्यधिक धनी लोगों की संख्या में सर्वाधिक वृद्धि बेंगलुरु में देखी गयी। वहां इनकी संख्या 17.1 प्रतिशत बढ़कर 352 हो गयी। उसके बाद दिल्ली (12.4 प्रतिशत बढ़कर 210) तथा मुंबई (नौ प्रतिशत बढ़कर 1,596) का स्थान रहा।

वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया द्वारा पत्रकारों के 30 मार्च के दिल्ली के जंतर मंतर पर महाप्रदर्शन के जरिये, देश मे 'मीडिया-क्रांति' की शुरूआत की जाएगी

» मदरलैंड संवाददाता

नई दिल्ली। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया की दिल्ली यूनिट की आज हुई मीटिंग में यूनियन की तरफ से 30 मार्च को दिल्ली के जंतर मंतर पर पत्रकारों के महाप्रदर्शन की तैयारियों को जायजा लिया गया है। यूनियन ने उसे 30 मार्च के महाप्रदर्शन को लेकर देशभर के पत्रकारों के संगठनों के मिल रहे समर्थन पर उन सभी का आभार जताया। यूनियन ने देश के अन्य पत्रकार संगठनों से 30 मार्च के महाप्रदर्शन को अपना समर्थन देने की अपील की है। यूनियन का मानना है कि 30 मार्च का महाप्रदर्शन देश मे 'मीडिया-क्रांति' की एक शुरूआत होगा। यूनियन ने पत्रकारों से 30 मार्च को 'दिल्ली चलो' का आह्वान किया है।

यूनियन की बैठक की अध्यक्षता यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनूप चौधरी जी ने की। इस अवसर पर वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया से श्री नरेन्द्र भंडारी राष्ट्रीय महासचिव, श्री संजय उपाध्यक्ष राष्ट्रीय उपाध्यक्ष, श्री संदीप शर्मा अध्यक्ष दिल्ली प्रांत, श्री नरेंद्र भवन कोषाध्यक्ष, श्री प्रमोद गोस्वामी उपाध्यक्ष, श्री भदौरिया मीडिया सचिव, श्री सुनील परिहार सचिव , श्री अशोक सक्सेना, श्री लक्ष्मण इन्दोरिया,सरदार प्रितपाल सिंह श्री ईश मलिक जितेंद्र चतुवेर्दी, सदस्य कार्यकारिणी दिल्ली यूनिट थे।

यूनियन की बैठक में यूनियन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनूप चौधरी व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री संजय कुमार उपाध्याय ने फ्रीलांसर्स पत्रकारों व फ्रीलांसर्स फोटो व वीडियो जर्नलिस्ट्स के प्रोफेशन में लगातार आ रही दिक्कतों पर चिंता जतायी है। उन्होंने कहा कि अब ज्यादातर मीडिया घराने फ्रीलांसर्स फोटो व वीडियो जर्नलिस्ट्स से कार्य ले रहे है और उनके कार्य के भुगतान में अपनी मनमर्जी से काफी कम राशि देते है। उन्होंने सरकार से फ्रीलांसर्स पत्रकारों व फोटो वीडियो जर्नलिस्ट्स के लिये कोई नीति तैयार करने की मांग की है।

यूनियन के राष्ट्रीय महासचिव श्री नरेन्द्र भंडारी ने सूचना व प्रसारण मंत्रालय के अधीन PIB की पत्रकारों को मान्यता देने की नई गाइडलाइन्स को वापस लेने व नई सेंट्रल प्रेस accredation कमेटी को तत्काल भंग करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को मान्यता देने की नई गाइडलाइन्स से सिर्फ बड़े मीडिया घरानों के पत्रकारों को ही मान्यता मिलेगी। इसी तरह से डिजिटल मीडिया के पत्रकारों को मान्यता देने की जो गाइडलाइन्स बनी है, वे तो काफी हैरान करने व चिंता में डालने वाली है। उन्होंने कहा कि सरकार बताये की क्या वह विदेशी मीडिया व बड़े मीडिया घरानों से जुड़े पत्रकारों को ही पत्रकार मानती है? यूनियन ने मंत्रालय की इस गाइडलाइन्स को तत्काल वापिस लेने व नई गठित सेंट्रल प्रेस accredation कमेटी को भी भंग करके नई कमेटी का गठन करने की मांग की है।

दिल्ली यूनिट के अध्यक्ष श्री संदीप शर्मा, उपाध्यक्ष श्री प्रमोद गोस्वामी ने यूनियन के बारे में बताया कि वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया (WJI), राष्ट्रवादी मीडियाकर्मियों की वह राष्ट्रीय यूनियन, जिसने भारत की पहली 'मीडिया एंथम' को लांच किया। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया(WJI) , राष्ट्रवादी मीडियाकर्मियों की वह राष्ट्रीय यूनियन, जिसने डिजिटल मीडिया को मान्यता दिलवाई। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया(WJI) , राष्ट्रवादी मीडियाकर्मियों की वह राष्ट्रीय यूनियन, जिसने पत्रकारों को निशुल्क इन्शुरन्स कवर उपलब्ध करवाया। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया(WJI), राष्ट्रवादी मीडियाकर्मियों की वह राष्ट्रीय यूनियन, जो पत्रकारों की मांगों को लेकर लगातार आंदोलनरत रही व सड़को पर उतरी। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया(WJI), राष्ट्रवादी मीडियाकर्मियों की वह राष्ट्रीय यूनियन, जिसने मीडिया में विदेशी विनिमेश का विरोध किया। वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया(WJI), राष्ट्रवादी मीडियाकर्मियों की वह राष्ट्रीय यूनियन, जिसने कोरोना काल मे जरूरतमंद पत्रकारों तक हरसंभव मदद पहुँचाई, ।

यूनियन इन प्रमुख मांगो को लेकर 30 मार्च को दिल्ली के जंतर मंतर पर सड़को पर उतरेगी

1. पत्रकार सुरक्षा कानून बनाया जाए ।
2. मीडिया आयोग का गठन किया जाए ।
3. प्रेस काउंसिल ऑफ इंडिया को भंग करके जिला स्तर पर मीडिया कॉउंसिल बनाये जाए ।
4. पत्रकारों का नेशनल रजिस्टर बनाया जाए।
5. गैर मान्यता प्राप्त पत्रकारों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिये उन्हें आयुष्मान भारत योजना से जोड़ा जाए।
6. 60 साल से ऊपर के पत्रकारों को 20 हजार रुपये की मासिक पेंशन दी जाए ।
7. पत्रकारो को केंद्रीय राशनिंग प्रणाली से जोड़ा जाए।
8. देश मे ई-पेपर को मान्यता दी जाए।
9. पत्रकारो को सरकारी मान्यता देने की नीति को सरल किया जाए व इसमें मीडिया समूह प्रबंधन की दखलंदाजी पर रोक लगायी जाए।
10. पत्रकारो को रियायती दरों पर भूखंड आबंटित किये जायें, व उन्हें वहां पर अपने निवास के निर्माण के लिये, विशेष आर्थिक सुविधा उपलब्ध करवायी जाए ।
11. जिला स्तर पर प्रेस कल्ब व मीडिया सेन्टर बनाये जाए ।
12. महिला पत्रकारो के लिये, होस्टल बनाये जाए ।

- वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया, ने देशभर के पत्रकारों से 30 मार्च को दिल्ली चलो का आह्वान किया
- वर्किंग जर्नलिस्ट्स ऑफ इंडिया, द्वारा 30 मार्च को पत्रकारों की 30 सूत्रीय मांगों का एक विस्तृत ज्ञापन प्रधानमंत्री कार्यालय को दिया जाएगा

13. पत्रकारो को सम्मानजनक इन्शुरन्स कवर उपलब्ध करवाया जाए ।
14. पत्रकार की आकस्मिक मृत्यु होने पर उसके परिवार को आर्थिक सहायता व परिवार के सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए ।
15. पत्रकारो को सम्मानजनक ढंग से अपना कार्य करने देने हेतु एक विशेष प्रोत्साहन नीति बनायी जाए।
16. मीडिया से जुड़े कानूनी मामलों के जल्द निपटारे के लिए, फास्ट ट्रैक कोर्ट बनायी जाए।
17. पत्रकारो के लिये एक हेल्पलाइन सेवा बनायी जाए।
18. ब्रॉडकास्टर्स को सरकारी मान्यता दी जाए व उनका नियमितीकरण किया जाए ।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में मंगलवार को पिछले 24 घंटे में 344 कोरोना केस आए

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में मंगलवार को पिछले 24 घंटे में 344 कोरोना केस आए हैं। जबकि कोरोना संक्रमण दर 0.80 फीसदी हो गई है। दिल्ली में सक्रिय कोरोना मरीजों की संख्या 1769 हो गई है। पिछले 24 घंटे में 4 मरीजों की मौत राजधानी में हुई है। इसके साथ ही कोरोना से मौत का कुल आंकड़ा 26,126 हो गया है। होम आइसोलेशन में 1318 मरीज हैं। सक्रिय कोरोना मरीजों की दर 0 ।09 फीसदी है। रिकवरी दर 98.5 फीसदी हो गई है। पिछले 24 घंटे में 344 मामलों के साथ कुल आंकड़ा 18,60,236 हो गया है। 24 घंटे में 416 मरीज डिस्चार्ज हुए हैं और कुल स्वस्थ मरीजों का आंकड़ा 18,32,341 तक पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में 42,947 टेस्ट किए गए हैं। कोविड टेस्ट का कुल आंकड़ा 3,64,22,890 तक पहुंच गया है। पिछले 24 घंटे में 34,035 फळढउफ टेस्ट हुए और 8912 एंटीजन टेस्ट हुए। दिल्ली में कंटेनमेंट जोन की संख्या 4581है और कोरोना डेथ रेट 1.4 फीसदी हो गई है।

शिवरात्रि के दिन शराब के ठेकों का खुला होना दुर्भग्यपूर्ण:आदेश गुप्ता

नई दिल्ली। प्रदेश भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष श्री आदेश गुप्ता ने सभी को शिवरात्रि की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह दिल्लीवासियों के लिए बेहद दुर्भाग्य है कि उन्होंने एक ऐसे मुख्यमंत्री को चुना है जो शरबमाफियाओ के सह पर दिल्ली में शिवरात्रि जैसे महापर्व के दिन भी शराब परोसने का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्व बढाने के नाम पर शराब बिक्री से होने वाली गाढ़ी कमाई का एक बड़ा हिस्सा केजरीवाल के जेब में जा रहा है और इसी लालच में वह राष्ट्रीय पर्व, त्योहार सब कुछ भूल गए हैं।

आदेश गुप्ता ने केजरीवाल को हिन्दू विरोधी बताते हुए कहा कि दिल्ली में पहले त्योहार व राष्ट्रीय पर्व को मिलाकर 21 दिन होते थे जब दिल्ली में शराब नहीं बिकती थी लेकिन अब उन में से गुरु गोविंद सिंह जयंती, महावीर जयंती, शिवरात्रि, दीपावली व होली जैसे 18 त्योहारों पर भी शराब बेचने की इजाजत केजरीवाल सरकार ने दे दी है। मतलब ये कि ड्राई डे 21 दिन की जगह सिर्फ 3 बच गए हैं जहां 20,000 करोड़ रुपये का सलाना ब्रिकी होती है उसमें अतिरिक्त 1000 करोड़ की बिक्री हो सके। उन्होंने कहा कि शराब माफियाओं से मोटी रकम वसूल करने वाले केजरीवाल ने उन्हें सलाना 1000 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोनस देने का कम किया।

गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल की इस हिन्दू विरोधी सोच को भाजपा कभी बर्दाश्त नहीं करने वाली और आने वाले समय मे अवैध ठेके जल्द ही बन्द होंगे। 300 से अधिक अवैध शराब के ठेके भाजपा ने आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठनों की सहायता से बंद करवा दिए गए हैं और अब तो एक्साइज कमिश्नर ने लिखीत जवाब में भी कहा कि ऐसे सभी 157 शराब के ठेके जो हाईवे से 500 मीटर से कम की दूरी हैं वे जल्द बंद किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विदेशी फंडींग के सहारे देश को तोड़ने वालों के साथ मिलकर केजरीवाल सरकार युवाओं को शराब के नशे में झोकने का जो प्रयास कर रही है उसे भाजपा कभी सफल नहीं होने देगी।

6वां सिविल लेखा दिवस आज 2 मार्च, 2022 को मनाया जायेगा

नई दिल्ली, एजेंसी। 46वां सिविल लेखा दिवस डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, जनपथ, नई दिल्ली में दो मार्च, 2022 को मनाया जायेगा। वित्त एवं कॉरपोरेट कार्य मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण मुख्य अतिथि होंगी। इस अवसर पर वित्त सचिव डॉ. टी.वी. सोमनाथन और संगठन की प्रमुख श्रीमती सोनाली सिंह अन्य गणमान्यों की गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। वित्तमंत्री सीतारमण एक प्रमुख ई-शासन पहल झ इलेक्ट्रॉनिक बिल (ई-बिल) प्रक्रिया प्रणाली का शुभारंभ करेंगी, जो व्यापार सुगमता तथा डिजिटल इंडिया इको-सिस्टम का अंग है। बजट 2022-23 घोषणानुसार, ई-बिल प्रणाली को सभी केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों में कार्यान्वित किया जायेगा। पारदर्शिता, दक्षता और फेसलेस-पेपरलेस भुगतान प्रणाली की दिशा में एक और कदम है। आपूर्तिकर्ता और ठेकेदार अब अपने दावों को ऑनलाइन दायर कर सकेंगे, जिन्हें वास्तविक समय में ट्रैक किया जा सकता है।

दिन भर चलने वाले कार्यक्रम में दो तकनीकी सत्र होंगेझ ह्वरिफॉर्म्स इन पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंटह्व पर नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कान्त का प्रमुख सम्बोधन होगा और वित्त मंत्रालय के खरीद नीति प्रकोष्ठ के सलाहकार संजय अग्रवाल ह्वजनरल गाइडलाइंस ऑन प्रोक्योरमेंट एंड प्रॉजेक्ट मैनेजमेंटह्व पर प्रस्तुतिकरण देंगे।

सीजीए संगठन पर एक लघु फिल्म दिखाई जायेगी, जिसमें सिविल खाता संगठन की नागरिक केंद्रीय गतिविधियां दशार्यी जायेंगी। इनमें सरकार द्वारा शुरू की गई भुगतान की विभिन्न प्रणालियों, हाल में शुरू में किये गये सुधारों तथा सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन प्रणाली (पीएफएमएस) के विकास और प्रबंधन में आधुनिक प्रौद्योगिकी को शामिल किया गया है। पीएफएमएस एक एकीकृत सूचना प्रौद्योगिकी प्लेटफार्म है, जिसके जरिये डीबीटी, गैर-टैक्स रसीदों और खाता गतिविधियों सहित सरकारी भुगतान किये जाते हैं।

कर्दमपुरी वार्ड में कांग्रेस पार्टी की बढ़ती लोकप्रियता से आम आदमी पार्टी को अपनी जमीन खिसकने का डर सताया

» जावेद खान, मदरलैंड संवाददाता

दिल्ली नगर निगम चुनाव की तारीक की घोषणा का समय जैसे जैसे करीब आ रहा है कर्दमपुरी वार्ड में राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ती जा रही है। इलाके में कांग्रेस पार्टी का प्रभाव देखते हुए बाबरपुर विधायक गोपाल राय चुनाव से ठीक पहले जनता को यह दिखाने की कोशिश में लग गये हैं कि उनकी पार्टी इलाके में विकास कार्य करवा रही है। कांग्रेस पार्टी के नेता फुरकान कुरैशी द्वारा कबीर नगर में एक जनसभा संबोधित करने की सूचना मिलते ही निगम पार्षद साजिद खान कार्यकताओं को लेकर पहुंच गएं और कबीर नगर की कई गलियों और नालियों के कार्य का उद्घाटन करने के नाम पर नारियल फोड़कर फोटो खिंचवाने लगें।

आम आदमी पार्टी के कार्यकताओं के इस झूठे प्रचार वाले विकास कार्य से जनता में काफी आक्रोश देखने को मिला। कबीर नगर की जनता का कहना है पिछले 4 वर्ष पहले भी गोपाल राय ने बड़ी धूम-धाम से इन्हीं गलियों और नालियों के कार्य का उद्घाटन करके जनता को बेवकूफ बनाया था

मगर काम आजतक नहीं हुआ, अब एक बार फि र जब नगर निगम चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लगाने वाली है तब मदीना मस्जिद और रजा-ए-मुस्तफा मस्जिद की गलियों को बनवाने की बात कह रहे हैं। आम आदमी पार्टी ने जनता को झूठे आश्वासन देकर अपनी सत्ता बहुत चला ली अब ऐसी पार्टी को सत्ता से उखाड़ फेंकने का जनता ने मन बना लिया है। बहन रिजवाना के समर्थन में आयोजित जनसभा में बोलते हुए फुरकान कुरैशी ने आम आदमी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाया। फुरकान कुरैशी ने कहा विधायक गोपाल राय और निगम पार्षद साजिद खान ने कर्दमपुरी वार्ड में ना तो कोई बारात घर बनवाया, ना कोई पार्क, ना ही कोई नया स्कूल । जिस जगह पार्क बनवाना चाहिये था वहां एक फजी पार्किंग बनवा दिया है जिसे नगर निगम चुनाव के बाद बंद कर दिया जाएगा। फुरकान कुरैशी ने जनता को भरोसा दिलाया अगर आपने बहन रिजवाना को अपनी सेवा करने का एक अवसर दिया तो वह ना केवल वार्ड की जनता के लिये बेहतरीन कार्य करेंगी बल्कि आम आदमी पार्टी के सभी काले कारनामों की पोल खोला भी खोलेंगी। बहन रिजवाना की जनसभाओं में उमड़ी भीड़ देखकर यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि कर्दमपुरी वार्ड में कांग्रेस पार्टी ने अपनी पकड़ मजबूत कर लिया है जिसका नतीजा दिल्ली नगर निगम चुनाव में मिलेगा।

होप एक आशा संस्था एवं रोटरी क्लब (दिल्ली सेंट्रल) ने आयोजित किया स्वास्थ्य कैंप

होप एक आशा संस्था NGO एवं रोटरी क्लब (दिल्ली सेंट्रल) द्वारा साहनी फाउंडेशन के संयुक्त सहयोग से उनके वृद्धाश्रम के बुजुर्गो को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए दिनांक 26 फरवरी 2022, शनिवार को मेमोरी स्क्रीनिंग एवं निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कैंप का आयोजन किया गया जिसमे 85 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराकर दिल्ली के विख्यात डॉक्टरों द्वारा परामर्श लिया जोकि एम. बी. बी. एस., जनरल फिजिशियन, सीक्लोजिस्ट आदि थे ! सुबह 11 बजे से शाम 3 बजे तक चले शिविर में 85 लोगों ने भाग लिया जोकि बृद्धाश्रम एवं आस-पास के घरो से आये हुए थे उन्होंने शिविर में ब्लड प्रेशर, ब्लड शुगर, वजन, मेमोरी स्क्रीनिंग, और बी. म. डी. आदि की जांचें पूर्णतः निःशुल्क कराई ।डॉ सुषमा चावला प्रेजिडेंट - होप एक आशा ने सभी को मेमोरी स्क्रीनिंग के बारे में जागरूक किया और उसके फायदे बताये कि अल्जाइमर बीमारी को पता लगाने का एकमात्र तरीका मेमोरी स्क्रीनिंग है जिससे समय से पहले पता चल जाता है कि अल्जाइमर कि संभावना कब तक है जिससे कुछ मेमोरी एक्टिविटीज द्वारा इसे टाला जा सकता है.इस अवसर पर विशेष अतिथि रोटरी के डिस्ट्रिक्ट गवर्नर श्री अनूप मित्तल और श्रुति मित्तल सहित कई क्लब मेंबर्स उपस्थित रहे। श्री अनूप मित्तल जी का कहना था कि लोग असंतुलित खानपान के साथ ही दिनचर्या के कामों में तनाव लेने से इस तरह के रोगों की चपेट में आते हैं। इससे बचाव के लिए लोगों को समय-समय पर अपनी जांच करानी चाहिए।बुजुर्ग व अधिक उम्र के लोगों को विशेष सावधानी बरतने की आवश्यकता है। डॉ. हरविंदर पोपली, प्रेजिडेंट, रोटरी क्लब (दिल्ली सेंट्रल) ने कहा कि इस प्रकार के 40 कैंप ह्वमेमोरी स्क्रीनिंग और स्वास्थ्य जांचह्व का आयोजन गत-वर्षो में किया जाएगा !! वैश्विक महामारी के इस दौर को देखते हुए इस स्वास्थ्य शिविर का आयोजन मास्क, सैनिटाइजर का उपयोग और सामाजिक दूरी जैसी कोविड नियमों का पालन करते हुए किया गया। कैंप में मरीजों का

आरथोकार्डिक एवं न्यूरो से संबंधित चेकअप किया गया एवं लोगों को स्वस्थ रहने के टिप्स दिए गए !! कैंप समाप्त होने के बाद सभी को भोजन कराया गया एवं स्वस्थ रहने की कामना की गई. आयोजन समिति के सदस्य विशेष संवादाता विजय गौड़ को बताया कि डॉ सुषमा चावला होप एक ए.एस.एच.ए की संस्थापक अध्यक्ष हैं, जो एक गैर सरकारी संगठन है जो अल्जाइमर / डिमेंशिया (मेमोरी लॉस) से पीड़ित वरिष्ठ नागरिकों और उनकी देखभाल करने वालों की देखभाल के लिए चिकित्सा पेशेवरों और स्वयंसेवकों की अपनी प्रतिबद्ध टीम के माध्यम से काम करता है। स्टेज क और कक में अल्जाइमर रोग के रोगियों के लिए डे केयर सेंटर स्थापित करने का उनका मिशन निकट है। गैर सरकारी संगठनों और कॉरपोरेट घरानों के प्रयास और समर्थन से, गुणवत्ता देखभाल के लिए रोगियों की सेवा और घर के लिए एक डे केयर सेंटर जल्द ही चालू हो जाएगा, इस प्रकार देखभाल करने वालों को राहत प्रदान करेगा । भारत में इस क्षेत्र में बेस्ट प्रैक्टिस को लाने के लिए उन्होंने टोरंटो (कनाडा) और न्यूजीलैंड में क्राइस्टचर्च में दो एडीआई सम्मेलनों में भाग लिया और अपना प्रस्तुत किया। डॉ सुषमा चावला के सराहनीय प्रयासों के लिए उन्हें कई बार सम्मानित किया गया

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मदरलैण्ड वॉइस | 03
नई दिल्ली, बुधवार, 2 मार्च 2022

संक्षिप्त समाचार

महाशिवरात्रि महोत्सव मेला आज आयोजन, मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामवीर उपाध्याय

फैजान भारती, मरदलैंड संवाददाता, सिकंदराराऊ क्षेत्र के गांव इशेपुर स्थित श्री नर्मदेश्वर महादेव मंदिर पर सातवां महाशिवरात्रि महोत्सव मेला 2 मार्च दिन बुधवार को आयोजित किया जाएगा। प्रातः 10:00 बजे से शाम 5:00 बजे तक झांकी कार्यक्रम तथा शाम 7:00 बजे से भजन संध्या एवं रात्रि 9:00 बजे से जवाबी कीर्तन का आयोजन होगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री रामवीर उपाध्याय एवं विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य उमाशंकर गुप्ता होंगे। उक्त जानकारी देते हुए मेला अध्यक्ष सत्यप्रकाश शर्मा ने बताया कि गायक रामवीर सिंह हाथरस एवं मुकेश मृदुल उरई बुंदेलखंड के बीच जवाबी कीर्तन का जोरदार मुकाबला देखने को मिलेगा। उन्होंने क्षेत्र की समस्त जनता से महाशिवरात्रि महोत्सव मेला में बढ़-चढ़कर भागीदारी करने की अपील की है। मेला कमेटी के सदस्य सत्य प्रकाश शर्मा, नागेश तिवारी, ज्ञान प्रकाश शर्मा, अनुराग शर्मा, डॉ भूपेंद्र पाठक, दुर्गेश शर्मा, कुलदीप शर्मा, बिट्टू शर्मा, प्रशांत शर्मा, अंशु पाठक, सोनू पाठक, हरीश वशिष्ठ, कुलदीप, धीरेंद्र सिंह, सुभाष सिंह, शिशुपाल सिंह, जितेंद्र लोधी, अरविंद, मुरारी राजोरिया, सुरेंद्र कश्यप, अर्जुन, कमल सिंह आदि कार्यक्रम की तैयारियों में जुटे हुए हैं।

शांतिपूर्ण तरीके से निकलेगी शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा:आज

मरदलैंड संवाददाता, सिकन्दराराऊ महाशिवरात्रि के पर्व पर नगर में हर वर्ष की तरह धूमधाम निकलने वाली शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा नहीं निकाली जाएगी। इस बार मुख्य आयोजक हिंदूवादी कृष्णा यादव की गोली लगने से मौत हो गई। महाशिवरात्रि कमेटी में जानकारी देते हुए कहा है कि दो झांकियों के साथ कस्बे में शांतिपूर्ण तरीके से शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा आज मंगलवार को 10 बजे से गौरी शंकर हिंदू इंटर कॉलेज से निकाली जाएगी। वही नगर के मोहल्लो में होते हुए समाप्त होगी। इस मौके पर जीएस गौरी शंकर हिंदू इंटर कॉलेज में एक विशाल शोक सभा का आयोजन होगा। और कस्बा के हजारों लोग महाशिवरात्रि यात्रा में हिस्सा लेकर हिंदूवादी नेता कृष्णा यादव को श्रद्धांजलि देंगे। इस मौके पर विपिन लाल, अमन गुप्ता, अमितोष राठी, राज वार्ष्णेय, रवि यादव, मनोज यादव, धर्मेंद्र गुप्ता, नितिन यादव, निशांत पंडित, पंकज यादव, गुड्डू यादव, योगेश कुमार, बीटू यादव, कृष्णवीर सिंह, राहुल यादव, अमरसिंह यादव, रॉकी, दीपक, मोहित, सोनू, पंकज वार्ष्णेय, यूडी, मनीष आदि मौजूद थे।

बैंक में घुसकर मारपीट करने पर मामला दर्ज, आरोपी को दबौचा

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। जिला के पुन्हाना के गांव तेड स्थित एसबीआई बैंक के मेनेजर मनोज कुमार शर्मा निवासी बागपत उत्तरप्रदेश ने पिनगवा पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि गांव तेड निवासी तारीक पुत्र जुबेर सोमवार सुबह बैंक में आया और बदतामीजी करते हुए सरकारी काम में बाधा पहुंचाई, मारपीट कर जान से मारने की धमकी दे दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को दबौच लिया है।

तावडू की सीवरेज व्यवस्था के शुभारंभ से पूर्व ही फेल हुई

मदरलैंड संवाददाता, नूंह/मेवात। जिला के उभरते उप मण्डल स्तर के छोटे शहर तावडू की सीवरेज प्रणाली शुभारंभ से पूर्व ही दम तोडती नजर आ रही है। इससे शहरवासियों में विभाग के प्रति नाराजगी है और साथ ही इसकी निष्पक्ष एजेंसी से जांच व दोषी के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की है। यहां यह बताना जरूरी है कि तावडू शहर की सीवरेज लाईन परियोजना का कांग्रेस शासन में शुभारंभ हुआ था और उसे समय सीमा में पूरा करने का दावा पेश किया गया था लेकिन करोडों रूप्ये की योजना का कार्य पूर्ण होने से पूर्व गलियों के जीर्णोद्वार के दौरान जलदाय विभाग के अधिकारी ने अपने एक आदेश के तहत शहरवासियों को नई लाईन से पानी व सीवरेज के कनेक्शन अपने खर्चे से जुडवाने के लिए दिये गये निर्देश के तहत शहरवासियों ने मोटी रकम खर्च कर नियमों के तहत कनेक्शन से जुडवा लिया लेकिन अब कनेक्शन जुडवाने की योजना उनके गले का फांस बन गई हैं। सीवरेज की लाईने चॉक(जाम) होने से शहर के अधिकांश वार्डो में सीवरेज का बदबूदार पानी गली-मोहल्लों में फैलकर बीमारियों को जहां न्यौता दे रहा है वहीं, बदबू के चलते लोगों का जीना मुहाल हो गया है। भूपेन्द्र सिंह, लक्ष्मी सिंह, दलिप सिंह, पंडित विनोद शर्मा, कालू, लीलू, पूरन सिंह, घनश्याम सिंह, डा0 तैयब, रतन सिंह, सुभाष चंद, अनिल कुमार, मौसिम, जाकिर व उसमान आदि ने बताया कि सीवरेज की लाईने चॉक(जाम) होने से शहर के अधिकांश वार्डों में सीवरेज का बदबूदार पानी गली-मोहल्लों में फैलकर बीमारियों को जहां न्यौता दे रहा है वहीं, बदबू के चलते लोगों का जीना मुहाल हो गया है। तावडू शहर की सीवरेज लाईन परियोजना का कांग्रेस शासन में शुभारंभ हुआ था और उसे समय सीमा में पूरा करने का दावा पेश किया गया था लेकिन करोडों रूप्ये की योजना का कार्य पूर्ण होने के बाद भी राहत नहीं मिली है। इस बारे में जलदाय विभाग के कार्यवाहक उप मण्डल अभियंता ने माना कि उनके पास इसकी शिकायत पहुंची हुई है और साथ ही दावा कर कहा कि हर संभव प्रयास कर समस्या को पटरी पर लाने के प्रयास किऐ जा रहे हैं।

जिला में महाशिवरात्रि पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया

» मयंद मोहन, मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला में महाशिवरात्रि पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया गया। मंगलारती से ही मंदिरों में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा था। खासकर जिला के पौराणिक झिर मंदिर(फिरोजपुर झिरका), नल्हेश्वर मंदिर नूंह, खाटू श्याम मंदिर, भूतेश्वर मंदिर, राम मंदिर, शिवद्वेश्वर मंदिर के अलावा तावडू के प्राचीन शिव मंदिर जौरासी, शिव-शनि पीठ डिढारा, शिव मंदिर नीलम विहार, रामलीला मैदान,सनातन धर्म मंदिर, माता वैष्णो देवी मंदिर तावडू, सैनीपुरा, सूबासेडी,सबरस, केसरीदास कुटिया, निहालगढ-गुढी, परशुराम मंदिर, प्राचीन देवी भवन आदि मंदिरों में श्रद्वालूओं ने पंचामृत से जलाभिषेक कर शिव महिमा का गुणगान किया। नूंह में खाटूश्याम मंदिर से नल्हेश्वर मंदिर तक बैंड बाजों से कलश यात्रा निकाली गई जिसमें सैंकडो महिलाओं ने कलश सिर पर रखकर पैदल बाबा के धाम तक पहुंची। कई श्रद्वालू पेट पलनिया पहुंचे। इस दौरान कई मंदिरों में हरिद्वार, गौमुख, गंगोत्री से लाई कांवड़ में पवित्र गंगाजल को चढ़ाया गया,कोरोना के नियमों में ढील मिलते ही इस बार भक्तों ने जमकर बाबा का गुणगान किया और सभी शिवालयों में खूब भीड देखने को मिल रही थी। इस दौरान जगह-जगह भण्डारे,कलश यात्रा के आयोजन किये गए। शिव-शनि पीठ डिढारा पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमा स्थापना के दौरान भण्डारे का आयोजन में लोगों ने जमकर कार सेवा की। वहीं, पहली बार जिला के मंदिरों में पुलिस की बेहतर सुरक्षा देखी गई और असामाजिक तत्व दूर-दूर तक दिखाई नहीं दिये थे, नूंह के नल्हेश्वर मंदिर के रास्ते के चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात थी और पुलिस कर्मी वाहनों की पार्किंग, सुरक्षा, भक्तों को कतार में लगाने व अन्य कार्यों में एक मिशन के तौर पर जुटे थे जिनको देखकर लोग पुलिस की प्रशंसा कर रहे थे।

जिला की अधिकांश सडके गडडों में तब्दील

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग, केएमपी हाईवे, स्टेट हाईवे, मेजर डिस्ट्रिक रोड, अधिकांश मुख्य व लिंक सडके गडडों में तब्दील हो गई हैं। इससे रोजाना जहां हादसे हो रह हैं तो वहीं वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं।

हैरत की बात देखने को यह मिल रही है कि शासन-प्रशासन को बार-बार फरियाद करने के बावजूद भी समस्या जस की तस बनी हुई हैं।

समाजसेवी हाजी काले, डा0 साहिल खेडा, कैलाश पंडित, सुमित अदलखा, थान सिंह कश्यप, गोपाल पंडित, विष्णू सिंगला, राजू कटारिया, अल्ली आदि ने बताया कि जिला से गुजर रहे राष्ट्रीय राजमार्ग, केएमपी हाईवे, स्टेट हाईवे, मेजर डिस्ट्रिक रोड, अधिकांश मुख्य व लिंक सडके गडडों में तब्दील हो गई हैं। इससे रोजाना जहां हादसे हो रह हैं तो वहीं वाहन भी क्षतिग्रस्त हो रहे हैं जबकि कई बार शासन-प्रशासन तक आवाज उठाने के बावजूद इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उन्होंने जिला की सडकों को सुधारने के लिए गुहार लगाई है।

इस बारे में एनएचएआई के कनिष्ठ अभियंता मनोज कुमार ने मंगलवार सांय कहा कि खराब सडक रिपेयर कराई जा रही है और साथ ही कहा कि जो अत्याधिक खराब है उसके लिए खाका तैयार कर स्वीकृति के लिए भेजा गया है।

शिव शक्ति संकीर्तन निकली यात्रा, हिंदूवादियों ने कृष्णा को किया याद

» मरदलैंड संवाददाता

सिकन्दराराऊ विगत वर्षों से महाशिवरात्रि के पुनीत पावन पर्व पर निकलने वाली शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा मंगलवार को भी सादगी के साथ निकाली गई सुबह से ही गौरीशंकर हिंदू इंटर कॉलेज स्थित शिवाले पर सनातन धर्म प्रेमियों हिंदू वादियों शिव भक्तों की भारी जनसैलाब उमड़ पड़ा शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा के मुख्य प्रेरणा स्रोत आयोजक संरक्षक युवा क्रांतिकारी हिंदूवादी नेता गौ रक्षक कृष्णा यादव की आसमय अकाल मृत्यु के कारण शोभायात्रा में वह उल्लास नहीं था सर्वप्रथम कृष्णा यादव को उपस्थित शिव भक्तों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर उनका अश्रुपूरित नेत्रों से नमन किया याद किया व्यापार मंडल के अध्यक्ष विपिन वार्ष्णेय प्रधान संगठन के जिला उपाध्यक्ष बबलू सिसोदिया कॉपरेटिव बैंक के डायरेक्टर नरेंद्र सिंह जादौन भाजपा नगर अध्यक्ष नीरज वैश्य निशांत पाराशर विपिन लाल पूर्व सभासद चेतन शर्मा राजवार्ष्णेय अमन गुप्ता मुकुल गुप्ता मनोज यादव रविकांत यादव अमनवार्ष्णेय आदि ने देवों के देव महादेव सदाशिव आशुतोष महाकाल महामृत्युंजय की पूजा अर्चना कर एवं अजर अमर अविनाशी कृष्णा यादव के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प चक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि देकर शोभा यात्रा का शुभारंभ किया शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा गौसगंज शिवालय मंदिर से पूरण गंज नौरंगाबाद राठी चौराहा बड़ा बाजार नया गंज जीटी रोड मोहल्ला बारहसैनी ब्राह्मण पुरी होते हुए जेएस हिंदू इंटर कॉलेज पर ही संपन्न हुई शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा में पुलिस उपाधीक्षक सुरेंद्र सिंह उप जिलाधिकारी व कोतवाल अशोक कुमार सिंह भारी मात्रा में पुलिस फोर्स पीएसी के साथ मुस्तैद नजर आए शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा का जगह जगह पुष्प वर्षा कर एवं जल सेवा द्वारा स्वागत सत्कार किया गया शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा में चंचल गुप्ता विष्णुवार्ष्णेय बृज बिहारी कौशिक धीरजवार्ष्णेय बृज मोहन गुप्ता राजू सूफी अभिषेकवार्ष्णेय अशोक उपाध्याय सोनू सनी भारद्वाज आशीष महाजन राहुल सैनी अरुण सिसोदिया दिलीप ठाकुर तरुण शर्मा शुभम पुंडीर रामप्रताप चौहान प्रदीप गर्ग विवेकशील राघव दीपांशु शर्मा सूरजवार्ष्णेय आदि प्रबुद्ध लोगों ने शिव शक्ति संकीर्तन यात्रा को सादगी एवं शांति के साथ नगर भ्रमण कराया।

जिला में मौसम के बदले मिजाज से रबी फसलों के कामकाज में तेजी आ गई

» मदरलैंड संवाददाता

नूंह/मेवात। जिला में मौसम के बदले मिजाज से रबी फसलों के कामकाज में तेजी आ गई है। मौसम को देखकर किसान अधिक आर्थिक खर्च कर फसल समेटने में लग गया हैं। खासकर सरसों के अच्छे भाव को देखकर किसानों ने राजस्थान,पंजाब से आ रहे ट्रैक्टर-कटर(अनाज निकालने वाली मशीने) का सहारा ले रहे हैं। रसायन पदार्थों की बढ़ी कीमतों से फसल गहाई करने वालों ने भी कीमत दोगुनी कर रखी हैं। जबकि लावनियां भी खेतों में फसलों को काटने में जुटी हुई हैं और किसान उनको इस बार बंटाई का ज्यादा हिस्सा देने को मजबूर हैं।

अली मोहम्मद, जाकिर, इस्लाम, बुगगर, फकरूदीन, रामकिशन,करण सिंह, दयाराम, लखपत, लीलू,हेमंत, सतपाल, होशियार सिंह व मदनलाल आदि ने बताया कि मौसम को देखकर अब वह अधिक आर्थिक खर्च कर फसल समेटने में लग गया हैं। खासकर सरसो के अच्छे भाव को देखकर किसानों ने राजस्थान से आ रहे ट्रैक्टर-कटर(अनाज निकालने वाली मशीने) का सहारा ले रहे हैं। पैट्रोल,डीजल की बढ़ी कीमतों से फसल गहाई करने वालों ने भी कीमत दोगुनी कर रखी हैं जिससे अब खेती घाटे का सौदा लग रही हैं। मशीनों व कटाई मजदूरों से फसलों को काटकर खेतों में ही इक्टठा कर सुखाया जा रहा है ताकि दाना निकलने लायक होने पर उनका दाना निकालकर मंडियों में पहुंचाया जा सके।

प्रसूताओं ने अलग अलग 108 एमव्यूलेंसों में दिया नवजात शिशुओं को रास्ते में जन्म

» अंटू मिश्रा, मदरलैंड संवाददाता

एटा। जनपद में 108 एमव्यूलेन्स काफी चर्चा का विषय बनती जा रही है। मंगलवार को प्रातः नरेंद्र कुमार ने 108 पर फोन से सूचित किया कि पत्नी नीलम गर्भवती है और उसके प्रसव का पूर्ण समय है जिस पर सूचना मिलते ही 108 एमव्यूलेन्स सूचित करता के गांव हर्सिंग पुर कोतवाली देहात पर समय रहते पहुच गई और प्रसूता महिला को तत्काल 108 एमव्यूलेन्स से जिला महिला अस्पताल ले जा रही थी तभी रास्ते मे कासगंज रॉड आइसर पेट्रोल पम्प के पास पहुंते ही प्रसूता को काफी दर्द होने लगे तभी साथ आ रही आशा मिथलेश ने अपनी सूझ वूझ से एमव्यूलेन्स चालक व ईएमटी की सहायता लेते हुए आशा ने प्रसूता की पीड़ा को समझे हुए एमव्यूलेन्स में ही प्रसव कराया और प्रसूता व शिशू दोनो ही स्वस्थ है। महिला और नवजात शिशु को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं दूसरी 108 एमव्यूलेन्स में अफसाना वेगम पत्नी पप्पन खां निवासी असरोली कोतवाली देहात ने भी एमव्यूलेन्स स्टाफ के सहयोग से कचहरी स्थित मंगलवार को प्रातः एक वच्चे को जन्म दिया उसके बाद स्टाफ ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया और जच्चा बच्चा दोनो की स्वस्थ होने की जानकारी मिलते ही परिजनों ने एमव्यूलेन्स स्टाफ की भूरि भूरि प्रसंसा की।

महिला व युवक से घर में घुसकर मारपीट, आरोपियों ने मुकदमा वापस लेने की धमकी

सिकंदराराऊ पुलिस ने एक महीने से तीन आरोपी नहीं हुए गिरफ्तार, परिवार ने एसपी से गिरफ्तारी की गुहार

» मरदलैंड संवाददाता

सिकंदराराऊ कस्बे के मोहल्ला पुरानी तहसील जामा मस्जिद निवासी शानू ने बताया की लगभग एक महीने से वह अपने घर में परिवार के साथ बैठा था। घर के दरवाजे पर तीन युवकों ने नौसाद शादाब. तालिब मौ. कुरेशियान एक राय होकर आये और शानू की बहन इलमा जो दरवाजे की सफाई कर रही थी युवकों ने युवती से गन्दी बातें कहने लगे जब प्रार्थी की बहन ने अपने भाई से तीनों युवकों की शिकायत की। वही तीनों युवकों से शानू की गाली गलौज होने लगी देखते-देखते लाठी-डंडों से मारपीट होने लगी परिवार में अफरा-तफरी मच गई। तीनों युवकों ने घर में घुसकर गाली गलौज देने लगे और उसकी माँ ने बचाने की कोशिश की तो उनको भी मारा पीटा धमकी देते हुए भाग जाने में सफल रहे। कोतवाली में शानू ने तहरीर देकर तीनों नाम दर्ज युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। वही परिजनों ने पुलिस पर आरोप लगाते हुए कहा है कि आरोपी तीनों युवकों की अभी तक गिरफ्तारी नहीं की गई है। वही जिससे आए दिन परिजनों से तीनों युवक मुकदमा वापस लेने का दबाव बना रहे हैं और वापस नहीं लेने पर तरह तरह की धमकियां दे रहे हैं। वहीं परिवार ने हाथरस एसपी विनीत जयसवाल से तीनों आरोपी की गिरफ्तार कराने की गुहार लगाई है।

यूक्रेन- रूस युद्ध विश्व शांति को खतरा : सुरेश गोयल

» मनमोहन शर्मा, मदरलैंड संवाददाता

हांसी। यूक्रेन पर रूसी आक्रमण ने पूरे विश्व को संकट में डाल दिया है। एटमी वार का खतरा बढ़ता जा रहा है। पूरी दुनिया गहरी चिंता और खोप में है।

यह बात सर्वविदित है कि दुनिया की महाशक्तियां केवल अपने अपने देशो का हित साधने में लगी है। दुनिया बेसक गर्त में चली जाए इस बात से उन्हें कोई सरोकार नही। यह बात निकाय मंत्री डाक्टर कमल गुप्ता के मीड़िया सलाहकार सुरेश गोयल घूपवाला ने दी।

चीन हो या रूस या अमरिका या दुनिया का कोई अन्य देश अपनी विस्तारवादी नीति व विश्व सम्राट बनने की फिराक में कम शक्तिशाली या शून्य शक्ति शाली राष्ट्रों के लिए चुनोती बन कर खड़े हो गए हैं। बड़े देश अपने से छोटे पड़ोसी देशों को अपनी कालोनी सरीखा बना कर रखना चाहते हैं। और दूसरे देशों के विरुद्ध जमीन का इस्तेमाल करते हैं।

आज पूरा विश्व संकट की स्थिति में खड़ा दिखाई दे रहा है। रूस बार बार अपनी एटमी ताकत को प्रदर्शित कर नाटो देशो को धमका रहा है।

एटमी खतरे के मद्देनजर नाटो के देश भी घबराये हुवे है, लगता है दिल से अब युद्ध को ओर आगे बढ़ाना भी नही चाहते, परंतु होनी तो बलवान है उसे तो केवल परमात्मा ही रोक सकते हैं।

युद्ध के कारणों पर यदि नजर डाले तो यह केवल रूस का अपने पड़ोसी देश के प्रति असिहष्णुता व विस्तारवादी सोच का ही परिणाम है।

यदि गौर करे तो रूस ही नही चीन व अमेरिका भी इसी नीति के परिचायक है। चीन की बात करे तो चीन अपनी साम्राज्यवादी व विस्तारवादी नीति के लिए पहचाना जाता है। अपने अडोस-पड़ोस के राष्ट्रों से उसका तनाव हमेशा बना रहता है। चीन की नीयत अपने पड़ोसी देशों के प्रति कभी सद्भावना की रही ही नही।

जल क्षेत्रो में भी वह अपना आधिपत्य स्थापित करने मे हमेशा लगा रहता है। चीन की अर्थव्यस्था में मजबूती के लिए दुनिया के अन्य देशों के साथ साथ भारत का भी बड़ा योगदान रहा है। परंतु अपने स्वार्थ व अति महत्वकांक्षा में इतना अंधा हो चुका है कि वह किसी भी स्तर पर जा सकता है। वह पूरी दुनिया का सम्राट बनने के लिए पूरी तरह

व्याकुल ओर बेचैन है।

यूक्रेन संकट के बीच वह बार बार अपने पड़ोसी ताइवान को धमका रहा है। उसको अपने देश काअभिन्न हिस्सा बता कर कब्जा करने की फिराक में है।

1962 में भारत के एक बड़े हिस्से पर आज तक कब्जा किये बैठा है। चीन ने भारत के अक्साई चीन में लगभग 38000 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल पर अपना अधिकार जमा लिया। वह भारत की सीमाओं पर अपनी गिद्ध द्दष्टि बनाये रखने व छेड़-छाड़ करने से बाज नही आ रहा।

चीन हमारे पड़ोसी दुश्मन देश पाकिस्तान को सैन्य व आर्थिक सहायता देकर हमे कमजोर करने की फिराक में हमेशा रहता है। परंतु यह तो भारत का सौभाग्य है कि देश का नेतृत्व बहुत ही सुद्दढ़ हाथो में है जो उनकी गिद्दढ़ धमकियों को मुंह तोड़ जवाब दे रहा है। चीन की दुश्नीति व विस्तारवादी द्दष्टिकोण के कारण ताइवान के अतिरिक्त जापान, वियतनाम, इंडोनेशिया व दक्षिण कोरिया जैसे देश बुरी तरह त्रस्त है।

अमेरिका की बात की जाए तो वह भी अपने आपको दुनिया का थानेदार समझने में परहेज नही करता। छोटे छोटे देशो को धमकाना अपना कर्तव्य समझता रहा है। दुनिया ने कभी भी उसे जबान का धनी नही माना। कभी भी उसकी जबान फिसल जाए कोई भरोसा नही। वह अपनी बात पर कायम रहेगा कोई गारंटी नही। गंगा गए गंगा दास, जमुना गए जमुना दास बनते हमने उसे हमेशा देखा है। भारत जनसंख्या के लिहाज से बड़ा देश होने के कारण अमेरिका के लिए एक बड़ा बाजार है। वह यह नही चाहता की कोई देश उससे आगे बढ़े, चीन को आगे बढ़ने से रोकने के लिए वह भारत से मित्रता की पींगे बढ़ाता रहता है। जो उसकी सोची समझी रणनीति का ही एक हिस्सा है। पिछले दिनों वह अफगानिस्तान को तालिबानियों के भरोसे अधर में छोड़ कर भाग खड़ा हुवा था। इसी बात से यह अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है कि यह किसी का भी सगा नही है।

किसी भी संकटकाल में अमेरिका हमारी कोई मदद करेगा बहुत बड़ी भूल होगी। हमे ऐसी कोई अपेक्षा भी नही रखनी चाहिए। भारत की बात की जाए तो हमारे राष्ट्रीय नेतृत्व व जनता के मनोबल की बदौलत ही

हम अपने आपको पूरी तरह सक्षम व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अग्रसर है। हम बहुत आगे बढ़ चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति अवश्य बनेगें, यह निश्चित है।

भारत की नीति हमेशा जियो और जीने दो की सनातन संस्कृति की रही है। वह खुद भी अमन और चैन से जीना चाहता है और दुनिया को भी चैन से जीना देना चाहता है। भारत चहाता है पूरी दुनिया मे सद्भावना का माहौल हो। विश्व का कल्याण भारत का मूल मंत्र है। भारत का दर्शन वासुदैवकुटुंकम्म का है। भारतीय संस्कृति पूरे विश्व को एक परिवार की तरह मानती आई है। भारत तो चहाता है युद्ध शीघ्र समाप्त हो और शांति का म माहौल कायम हो।

संक्षिप्त समाचार

कूड़ा बीनने वालों को दिए पहचान पत्र, सरकारी योजनाओं का मिलेगा लाभ

मसूरी/देहरादून, एजेंसी। वर्ल्ड वेस्ट पीकेट डे पर एक होटल के सभागार में कूड़ा बीनने वाले लोगों को पहचान पत्र वितरित किए गए। हिलदारी संस्था की ओर से आयोजित कार्यक्रम में दर्जनों कूड़ा बीनने वाली महिलाएं शामिल हुई जिन्हें पहचान पत्र दिए गए। वहीं प्रदेश सरकार व भारत सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का अब इन लोगों को लाभ मिल पाएगा। इस अवसर पर पहुंची महिलाओं ने लोक गीत भी सुनाए और अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर पर हिलदारी संस्था के अरविंद शुक्ला ने बताया कि उनके द्वारा आग 40 लोगों को पहचान पत्र वितरित किए गए, साथ ही 150 अन्य लोगों को भी पहचान पत्र वितरित किए जाने हैं। उन्होंने बताया कि उनके द्वारा स्वयं सहायता समूह भी बनाए गए हैं जो हर माह रु. 17000 तक बचत कर रहे हैं साथ ही सरकारी योजनाओं का लाभ भी अब इन लोगों को मिलने लगेगा। इस अवसर पर गीता देवी ने बताया कि आज उन्हें जो पहचान पत्र मिला है उससे वह बहुत खुश हैं और अब उन्हें सरकारी योजनाओं का लाभ मिल पाएगा।

यूक्रेन से भारतीयों की सकुशल वापसी और विश्व युद्ध टालने को भगवान शंकर से की विशेष प्रार्थना

देहरादून, एजेंसी। यूक्रेन में शेष बचे भारतीयों के सकुशल वापसी और विश्व युद्ध टालने के लिए भगवान शंकर से विशेष प्रार्थना की गई। यहां महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर माता वैष्णो देवी गुफा योग मंदिर टपकेश्वर महादेव गढ़ी कैंट देहरादून में आयोजित विशेष शिवरात्रि पूजा अनुष्ठान में सवा लाख पार्थिव शिवलिंगों के निर्माण का कार्य महाशिवरात्रि के दिन पर भी जारी रहा और हजारों शिवभक्तों ने पार्थिव शिवलिंगों का निर्माण किया। इस अवसर पर मन्दिर के संस्थापक आध्यात्मिक गुरु आचार्य बिपिन जोशी के पावन सानिध्य में विश्व शांति के लिए प्रार्थना करते हुए विश्व युद्ध टालने का अनुरोध भगवान शिव से किया गया। साथ ही यूक्रेन में और फंसे भारतीयों के सकुशल वापसी के लिए विशेष प्रार्थना की गई। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि कल से पांच दिवसीय विशेष पूजा अनुष्ठान पूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि आज शाम तक सवा लाख शिवलिंग बन जायेंगे फिर उनका सामुहिक विशेष पूजन किया जायेगा। इस अवसर पर आज के कार्यक्रम में डाक्टर मथुरा दत्त जोशी, भगवती जोशी, पंडित शुभम शुक्ला, रमेश जोशी, उत्तम सिंह रावत, हर्षपति रयाल, दीपेंद्र नौटियाल, गणेश विजलवान, ऋषिपाल, नीरज डोभाल आदि का विशेष सहयोग रहा।

खीर प्रसाद वितरित कर मनाया महाशिवरात्रि का पर्व

देहरादून, एजेंसी। हनुमत सेवा समिति द्वारा महाशिवरात्रि के पर्व पर घंटाघर स्थित प्राचीन हनुमान व शिव मंदिर में शिवलिंग पर समिति के संरक्षक उदय शंकर भट्ट के नेतृत्व में मंत्रोच्चारण के साथ रुद्राभिषेक कर महाशिवरात्रि के पर्व को खीर प्रसाद वितरित कर मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर के पंडित उदय शंकर भट्ट ने बताया कि महाशिवरात्रि को लेकर भगवान शिव से जुड़ी कुछ मान्यताएं प्रचलित हैं। उन्होंने कहा कि ऐसा माना जाता है कि इस विशेष दिन ही ब्रह्मा के रूद्र रूप में मध्यरात्रि को भगवान शंकर का अवतरण हुआ था। वहीं यह भी मान्यता है कि इसी दिन भगवान शिव ने तांडव कर अपना तीसरा नेत्र खोला था और ब्रह्मांड को इस नेत्र की ज्वाला से समाप्त किया था। इसके अलावा कई स्थानों पर इस दिन को भगवान शिव के विवाह से भी जोड़ा जाता है यह माना जाता है कि इसी पावन दिन भगवान शिव और मां पार्वती का विवाह हुआ था। इस मौके पर हनुमत सेवा समिति के संरक्षक पंडित उदय शंकर भट्ट ने कहा कि वैसे तो प्रत्येक माह में एक शिवरात्रि होती है। उन्होंने कहा कि&ल्लु२स्त्र;परंतु फाल्गुन माह की कृष्ण चतुर्दशी को आने वाली इस शिवरात्रि का अत्यंत महत्व है। उन्होंने कहा कि इसलिए इसे महाशिवरात्रि कहा जाता है। वास्तव में महाशिवरात्रि भगवान भोलेनाथ की आराधना का ही पर्व है। उन्होंने कहा कि दिनभर उपवास रखकर पूजन करने के बाद शाम के समय फलाहार किया जाता है। इससे सभी की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। इस पर्व पर हनुमत सेवा समिति की ओर से मखाने की खीर प्रसाद वितरित किया गया। इस अवसर पर अनेक जन उपस्थित रहे।

महाशिवरात्रि पर खुशखबरी, केदारनाथ के कपाट खुलने की आ गई डेट

देहरादून, एजेंसी। देशभर में मंगलवार को महाकाल की महाशिवरात्रि का पर्व बनाया जा रहा है। शिव मंदिरों में सुबह से ही हर हर महादेव के उद्घोष से पूरा शहर गूंज रहा है। महाकाल के भक्त इस मौके पर पवित्र नदियों में स्नान कर रहे हैं। वहीं आज इस पावन अवसर पर एक शुभ खबर और आई है। भोलेनाथ के भक्तों को मई में केदारनाथ के दर्शन होने वाले है। महाशिवरात्रि 2022 के अवसर पर शीतकालीन आसन ऊखीमठ के ओंकारेश्वर मंदिर में केदारनाथ के कपाट खुलने की तिथि घोषित की गई। इस साल केदारनाथ के कपाट 6 मई से खुलने वाले है। भक्तों के लिए कपाट 6 मई को सुबह 6:25 बजे खुलने वाले है। केदारनाथ डोली 2 मई को शीतकालीन आसन ओंकारेश्वर मंदिर से रवाना होगी। डोली जहां शीतकालीन आसन ओंकारेश्वर मंदिर से 2 मई को प्रस्थान कर 3 मई को विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी से प्रस्थान करेगी चार मई को फाटा से प्रस्थान कर सोनप्रयाग होते हुए गौरीकुंड में रात्रि विश्राम होगा। यह 5 मई को गौरीकुंड से निकलकर जंगलचट्टी, लिनचोली, रुद्र प्वाइंट होते हुए केदारनाथ पहुंचेगी। केदारनाथ यात्रा की तैयारियां भी आज से शुरू हो गई हैं।

कनखल में महाशिवरात्रि की धूम, दक्षेश्वर महादेव मंदिर में अभिषेक को उमड़े श्रद्धालु

हरिद्वार, एजेंसी। महाशिवरात्रि के मौके पर धर्मनगरी हरिद्वार में भगवान शिव की ससुराल कनखल के दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करने के लिए शिव भक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। कोरोना काल के बाद यह पहला मौका है, जब प्रशासन ने मंदिरों में पूजा-अर्चना के लिए रोक नहीं लगाई। इस बार कांवड़ यात्रा पर भी रोक नहीं लगाई गई थी। यही वजह है कि मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ दिखाई दे रही है। दक्षेश्वर महादेव मंदिर में भक्तों की लंबी लाइनें लगी हुई हैं। मंदिर के प्रबंधक विश्वेश्वर पुरी बाबा ने बताया आज के दिन भगवान शिव और माता सती का विवाह हुआ था। भगवान शिव के विवाह समारोह के उपलक्ष में महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। बड़े हर्ष उल्लास के साथ यहां पर महाशिवरात्रि का पर्व मनाया जा रहा है। भक्तों की भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रशासन ने उचित इंतजाम किए हैं। सुरक्षा व्यवस्था के लिए मंदिर परिसर में पुलिस भी मौजूद है।

सेवा को उतरे संगठन, श्रद्धालुओं को किया प्रसाद वितरण

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। महाशिवरात्रि पर सामाजिक संगठन भी श्रद्धालुओं की सेवा में उतरे रहे। सिविल लाइंस में शिव मंदिर के बाहर कांग्रेस नेता सचिन गुप्ता तथा बिजली विभाग एक्शियन संदीप कौशिक, सुरेश, सम्राट बजाज, वंश सिंघल की ओर से प्रसाद वितरण के शिविर लगाए गए। इसमें श्रद्धालुओं को खीर, केले तथा नारियल का प्रसाद वितरण किया गया। दिनभर दोनों शिविरों में प्रसाद पाने को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। किसान कांग्रेस प्रदेश उपाध्यक्ष सचिन गुप्ता की ओर से उनकी पत्नी पूजा गुप्ता, युवा कांग्रेस प्रदेश सचिव रितु कंडियाल, लवी त्यागी, अमित सोनकर ने प्रसाद वितरण किया। इससे पहले सभी ने भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर देश और दुनिया में खुशहाली, शांति एवं तरक्की की कामनाएं की। सचिन गुप्ता ने कहा कि महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के जलाभिषेक को लेकर मंदिरो के बाहर डटे श्रद्धालु भगवान शिव का रूप हैं। शिव भक्तों की सेवा सबसे बड़ी सेवा है, इसी उद्देश्य को लेकर उनकी ओर से मंदिर के बाहर प्रसाद वितरण का शिविर लगाया गया था। एक्शियन संदीप कौशिक ने कहा कि दुनिया में कोरोना महामारी की मार आज भी बनी हुई है। कुछ देश युद्ध की भी विभिषिका झेल रहे हैं। दुनिया में अमन और शांति की कामना को लेकर उनकी ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरण का शिविर लगाया गया था। सम्राट बजाज ने कहा कि भगवान शिव को भोला नाथ कहा गया हैं। अर्थात भगवान शिव सब पर अपनी कृपा बरसाते हैं। भगवान शिव के जलाभिषेक को लेकर मंदिरो में जुटे श्रद्धालु भी शिव का ही रूप हैं। जिनकी सेवा करने से सबसे बड़ा पुण्य मिलता है।

विधायक ने भी किया मंदिरो में जलाभिषेक

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। महाशिवरात्रि पर गंगनहर स्थित श्री गंगा माता मंदिर में भी जलाभिषेक को लेकर भक्तों की भीड़ उमड़ी रही। जलाभिषेक कर श्रद्धालुओं ने घर-परिवार में खुशहाली, तरक्की की कामनाएं की। बड़ी संख्या में भक्तगण यहां पहुंच कर भगवान शंकर का जलाभिषेक किया तथा अपनी मनोकामना पूर्ण करने के लिए भगवान शंकर और मां पार्वती से प्रार्थना की। सुबह से ही भक्तगण यहां पहुंचना आरंभ हो गए थे और दोपहर तक सभी ने बड़ी संख्या में जलाभिषेक कर शंकर भगवान की पूजा अर्चना की। इस अवसर पर मेयर गौरव गोयल, सुभाष सैनी, राकेश गिरी, अरविंद कश्यप, अनूप शांडिल्य, बिट्टू पंडित, रविंद्र राणा, अजीत मधुकर जाटव, दीपक कैंथल, अविनाश त्यागी व अंतरिक्ष जैन आदि ने भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर दुनिया में अमन-शांति की प्रार्थना की। उधर विधायक प्रदीप बत्रा, मनोहरलाल शर्मा, डॉ. अनिल शर्मा, संजय अरोरा, प्रोफेसर देवेंद्र प्रताप सिंह, राजेंद्र चैधरी एड़वोकेट, अरविंद प्रधान, उदय सिंह पुंडीर, जितेंद्र तोमर आदि ने भी परिवारों के साथ भगवान शिव का जलाभिषेक किया।

शिव के जयकारों से गूंजे शिवालय, जलाभिषेक को उमड़ा सैलाब

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। महाशिवरात्रि पर भगवान शिव के जलाभिषेक को लेकर मंगलवार को मंदिरो में श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। इससे शिवालय शिव के जयकारों से गूंज उठे। दिन चढ़ने के साथ ही मंदिरो में आस्था का सैलाब भी बढ़ता चला गया। दोपहर बाद तक तमाम मंदिरो में श्रद्धालुओ की भीड़ बनी रही। जिससे शहर के तमाम बाजार भी भक्ति रस में डूबे रहे। हरिद्धार से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु कांवड़ और गंगाजल लेकर अपने-अपने मंदिरो पर पहुंचे। शहर दोत में महाशिवरात्रि को लेकर सोमवार से ही मंदिरो में जलाभिषेक का सिलिसला शुरू हो गया था। सुबह होते ही श्रद्धालुओं सैलाब मंदिरो में उमड़ पड़ा। सिविल लाइन, रामनगर में तो दोपहर तक भी भीड़ नहीं छंट सकी। कतारों में खड़े होकर श्रद्धालुओं को अपनी बारी का इंतजार करना पड़ा। हरिद्धार से कांवड़ और गंगाजल लेकर पहुंचे भक्तों ने भीड़ में रस भर दिया। सड़कों पर हर तरफ दौड़ती पर डाक कांवड़ और डीजे की धुनों पर बजते भक्ति गीतों ने भी पूरे शहर को आस्था के रंग में रंग दिया। मंदिरो के बाहर भक्ति गीतों पर नाचते भक्तों ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। इस बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस बल भी मंदिरो के बाहर अलर्ट बना रहा। लालकुर्ती, गणेशपुर, अम्बर तालाब, आदर्श नगर के मंदिरो में भी महाशिवरात्रि पर सुबह से श्रद्धालुओं की भीड़ बनी रही। भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर घर-परिवार और देश में खुशहाली की मन्नते मांगी। सिविल लाइन शिव मंदिर के पुजारी ने बताया कि रात तक मंदिर में जलाभिषेक का सिलसिला बना रहा।

केवी-1 में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस समारोह में दिखा प्रतिभाओं का जलवा

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। केंद्रीय विद्यालय नं.-1 रूड़की में विज्ञानं दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की के वैज्ञानिक ओमकार सिंह रहे। विद्यालय के प्राचार्य वीके त्यागी ने मुख्य अतिथि के साथ सर सी वी रमण के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। मुख्य अतिथि ने छात्रों द्वारा बनाये गये प्रोजेक्ट्स का मूल्याङ्कन किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि 28 फरवरी को सर रमन ने 1928 में रमन इफेक्ट का आविष्कार किया था। विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए, सर रमन को वर्ष 1930 में फिजिक्स में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। तब से हर साल इस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। हम विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए हमेशा उन्हें याद रखेंगे। छात्रों के प्रयास की उन्होंने सराहना की।

इस विषय पर पूरे सप्ताह विभिन्न प्रतियोगिताएं हिंदी एवं अंग्रेजी में भाषण प्रतियोगिता, विज्ञानं प्रदर्शनी, ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी, पोस्टर मेकिंग आयोजित की गई जिसमे छात्रों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस दौरान केंद्रीय विद्यालय नं.-1 रूडकी एलुमनाई एसोसिएशन की तरफ से अंतर विद्यालयी विज्ञान प्रोजेक्ट मॉडल प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया। लगभग 5 थीम पर छात्रों को प्रोजेक्ट बनाने थे जिसमे रूडकी, रायवाला तथा ऋषिकेश के विभिन्न केंद्रीय विद्यालयों तथा पब्लिक स्कूलों ने प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में तेजस त्यागी (12 अ, केवि न-1 रूड़की), बेबी श्वेता (11 अ, केवि न-2 रूड़की), अतुल्य वशिष्ठ (11 अ, केवि न-1 रूड़की), सूर्यांश गर्ग (7 ब, केवि न-1 रूड़की), हर्षिता (12 ब, केवि न-1 रूड़की) प्रथम, फरहान (कक्षा 9, कैंट बोर्ड स्कूल रूडकी) हर्षित रावत (कक्षा 6, केवि रायवाला) तथा आयुष शर्मा (कक्षा 6, केवि ऋषिकेश) द्वितीय स्थान पर रहे। विद्यालय स्तर पर ऑनलाइन विज्ञानं प्रदर्शनी जूनियर ग्रुप में सूर्यांश गर्ग (कक्षा 7 ब) प्रथम, इशिका गुरुंग (कक्षा 6 अ) द्वितीय तथा कशिश शर्मा (कक्षा 8 ब) तृतीय स्थान पर रहे। विद्यालय स्तर पर ऑनलाइन विज्ञानं प्रदर्शनी सीनिअर ग्रुप में तेजस त्यागी (कक्षा 12 अ) प्रथम, हर्षिता (कक्षा 12 ब) एवं अतुल्य (11 अ) द्वितीय तथा अंश (कक्षा 9 अ) तृतीय स्थान पर रहे। हिंदी भाषण प्रतियोगिता जूनियर ग्रुप में विराज (कक्षा 6 अ) प्रथम तथा सीनिअर ग्रुप में इरम तसनीम (कक्षा 11 ब) प्रथम, निबंध लेखन जूनियर ग्रुप में जेसिका (कक्षा 6 स) प्रथम, रिया शुक्ला (कक्षा 6 स) द्वितीय तथा तृषा (कक्षा 6 स) तृतीय स्थान पर रहे। निबंध लेखन सीनिअर ग्रुप में ओम ठाकुर (कक्षा 9 ब) प्रथम, प्रियंका कन्नौजिया (कक्षा 9 स) द्वितीय तथा शालिनी (कक्षा 9 ब) तृतीय स्थान पर रहे। पोस्टर मेकिंग में शताक्षी (कक्षा 6 स) प्रथम, हिशाम (कक्षा 8 स) द्वितीय तथा हिमांशु (कक्षा 6 अ) तृतीय स्थान पर रहे। प्राचार्य वीके त्यागी ने कहा कि इसी तारीख को सर रमन ने 1928 में रमन इफेक्ट का आविष्कार किया था। विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए, सर रमन को वर्ष 1930 में भौतिकी में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

इस दिन को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिन हम विज्ञान के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए प्रसिद्ध भारतीय भौतिक विज्ञानी के प्रति अपनी गरिमा और सम्मान दिखाते हैं। केंद्रीय विद्यालय नं.-1 रूडकी एलुमनाई एसोसिएशन अध्यक्ष बृजेश कुमार त्यागी ने बच्चों को शुभकामनाएं भेजी। एसोसिएशन महासचिव अश्विनी भारद्वाज ने कहा कि राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का मुख्य उद्देश्य लोगों को हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में जागरूकता लाना और विज्ञान, प्रौद्योगिकी को लोकप्रिय बनाने के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है। एलुमनाई एसोसिएशन उपाध्यक्ष नीलम सिंह ने धन्यवाद् ज्ञापन किया। इस अवसर पर ऋषि चैरसिया, विजय चैहान तथा समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

बामसेफ संगठनो ने किया दीना भाना को याद, श्रद्धांजलि दी

» मदरलैंड संवाददाता

हरिद्वार। राष्ट्रीय मूलनिवासी अत्यंत पिछड़ी जाति जागृति मोर्चा के बैनर पर बामसेफ के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बहुजन नायक स्वं. कांशीराम को भीमराव अंबेडकर के विचारों से प्रभावित कर क्लास वन की नौकरी छोड़ने पर मजबूर करने वाले बामसेफ के संस्थापक सदस्य दीना भाना के 94वें जन्मदिवस पर बामसेफ एवं बामसेफ के आफसूट संगठनों के कार्यकताओं ने महर्षि वाल्मीकि आश्रम कनखल हरिद्वार में विचार गोष्ठी कर उनके मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। संचालन राष्ट्रीय मूलनिवासी अत्यंत पिछड़ी अनुसूचित जाति जागृति मोर्चा के प्रदेश संयोजक राजेन्द्र श्रमिक ने किया। बामसेफ के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चंदेल ने बामसेफ के संस्थापक सदस्य दीना भाना के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके जन्मदिन पर सभी को बधाई देते हुए कहा कि फोर्थ क्लास के सफाई कर्मचारी दीना भाना के जीवन में बाबा साहेब के एक भाषण ने इतना बड़ा परिवर्तन कर दिया जिसकी बदौलत देश के सबसे बड़े सबे उत्तर प्रदेश में मूलनिवासी बहुजन समाज की 4 बार सरकार बनी है। कहा कि आज सभी अपने पुरखे दीना भाना के जन्म दिवस पर अपने महापुरुषों के आंदोलन को आगे बढ़ाने के लिए संकल्प लें। सभा को भंवर सिंह प्रदेश संयोजक बहुजन क्रांति मोर्चा उत्तराखंड, संजय मूलनिवासी बहुजन मुक्ति पार्टी उत्तराखंड, पास्टर दुलारे मसीह प्रदेश उपाध्यक्ष राष्ट्रीय क्रिश्चियन मोर्चा उत्तराखंड, पूर्व प्रिंसिपल, वरिष्ठ समाजसेवी रफल पाल, सुनील राजौर प्रदेश सह संयोजक राष्ट्रीय मूलनिवासी अत्यंत पिछड़ी अनुसूचित जाति जागृति मोर्चा उत्तराखंड, जितेंद्र तेस्वर जिला संयोजक बहुजन क्रांति मोर्चा हरिद्वार आदि ने संबोधित किया। सभा में समाज की महिलाओं, बच्चों, युवाओं एवं कार्यकताओं ने चित्र पर मोमबत्ती प्रज्वलित कर श्रद्धा सुमनअर्पित किए।

बिझौली में रैली निकालकर किया शिक्षा के प्रति जागरूक

» मदरलैंड संवाददाता

रुड़की। राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बिझौली में सोमवार को साक्षरता जागरूकता को लेकर रैली निकाली गई। प्रधानाचार्य नीरज नैथानी और कार्यक्रम प्रभारी शिक्षक अशोक पाल ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया! विद्यालय से शुरू हुई रैली पूरे गांव में घुमी!

जीवन के लिए शिक्षा है जरूरी, बिना शिक्षा के जिंदगी है अधुरी... के नारों और स्लोगन लिखे बैनरों से छात्रों ने ग्रामीणों को शिक्षा के प्रति जागरूक और प्रेरित किया! प्रधानाचार्य नीरज नैथानी ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए शिक्षा बेहद जरुरी है! बिना शिक्षा के इंसान का जीवन पशु के समान है! शिक्षक अशोक पाल ने कहा कि निरक्षरो को साक्षर बनाने के लिए आज केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा कई स्तरों पर अभियान चलाए जा रहे हैं! जिसका फायदा भी आम नागरिकों को मिल रहा है! उन्होंने छात्रों से भी साक्षरता के प्रति जागरूकता कार्यक्रम चलाए जाने की बात कही!

कहा कि छात्र और युवा पीढ़ी इसमें अहम भूमिका निभा सकते है। देश, समाज और परिवारों की तरक्की को हर घर में शिक्षा का उजियारा बेहद जरूरी है। इस अवसर पर डॉ. कमलकांत बरूआ, इसराना खातून, छात्र अतुल, नावेद, सादिक, शिबा, तन्नु, शिवानी, विकास, सानिया, वंदना आदि मौजूद रहे।

रैली निकालकर किया ग्रामीणों को पर्यावरण बचाओ को जागरूक

» मदरलैंड संवाददाता

लक्सर। नेशनल कन्या इण्टर कालेज खानपुर हरिद्वार की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सात दिवसीय विशेष शिविर में चतुर्थ दिवस प्लास्टिक उन्मूलन पर स्लोगन बनाकर और रैली निकाल कर ग्रामीणों को पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने का संदेश दिया। इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय जीवन बीमा की ओर से आये घनश्याम चैधरी ने स्वयंसेवियों को अल्पबचत पर अनेक जानकारियां दी साथ ही उन्होंने मोतिया बिन्द के इलाज के लिये लगने वाले निःशुल्क चिकित्सा शिविरों के बारे में भी जानकारी दी। शिविर की गतिविधियों का संचालन टोली न0-4 (सरस्वती हाऊस) द्वारा किया गया जिसके टोली नायक-विजय तथा सहयोगी रितिका, सलोनी, मिनाक्षी, स्वाति, बलराम, सुमन, खुशी आदि रहे। बौद्धिक सत्र के दौरान कार्यक्रम अधिकारी सुलता देवी सिकदार एवं सहायक कार्यक्रम अधिकारी नूतन ने भी प्लास्टिक उन्मूलन कार्यक्रम पर अपनी ओर से अनेक विस्तृत जानकारियों स्वयंसेवियों को दी इस मौके पर स्वयंसेवी तन्नु चैधरी, वंशिका, संजय, नेहा, हंसिका, राजकुमारी, वन्दना, रितिका, सलोनी, कल्पना, सारिका, शिखा, पारूल, वंशिका, पायल, नीशु, निशा, पल्लवी, निशा, प्रिया, आशु, मोहित, रोहित मिठारिया, सौरभ, रितिक, नाजिम, रितिक, अमन, वंश, मुकुल, मोहन, विशाल, विशाल कुमार (लिपिक), बृजपाल, ओमपाल, सुन्दर आदि उपस्थित रहें।

संक्षिप्त समाचार

लुधियाना में अवैध सबमर्सिबल, पंप का धंधा जोरों पर ग्लाडा के अधिकारियों के पास रोकने का कोई कानून नहीं

मदरलैंड संवाददाता, लुधियाना: पानी की बूंद बूंद कीमती है मगर ग्लाडा के एरियो में लगातार बिना किसी परमिशन के रोज तीन से चार एवरेज से स्मार्सिबल पंप लग रहे हैं जबकि हाई कोर्ट द्वारा आदेश हुआ था कि जिस एरिया में बिल्कुल ही पानी न हो उस एरिया में स्मार्सिबल पंप वो भी डिप्टी कमिश्नर की परमिशन से लगा सकते हैं मगर यह तो रोज ही नई कॉलोनियों में बोर किया जा रहा है इस संबंध में जब ग्लाडा अधिकारियों से पूछा गया तो उन्होंने कहा कि हमारे पास कोई कानून नहीं है चंडीगढ़ डिपार्टमेंट से पूछे जब इस संबंध में लुधियाना के डिप्टी कमिश्नर को पूछने के लिए फोन किया गया तो उन्होंने फोन ही नहीं उठाया एक तरफ लोग पानी के लिए तरस रहे हैं दूसरी तरफ बिना किसी परमिशन के लोग बोर करके अवैध सबमर्सिबल लगा रहे हैं जो कि अपराध है मगर यह के ग्लाडा के अधिकारी अपना पलड़ा झाड़ कर कारवाही करने को तैयार नहीं है।

श्रद्धा से शिव को महाशिवरात्रि पर करें याद-महाराज

होशियार सिंह, मदरलैंड संवाददाता,कनीना। शिव उपासना देव है। सर्व मंगल चाहने वाले भोले बाबा महाशिवरात्रि पर पूजे जाते हैं। शिव सर्वोच्च शक्ति एवं परमशक्ति है। उसी की आराधना से न केवल जीव के समस्त संकट समाप्त हो जाते हैं अपितु पापों से छुटकारा पाने का परम साधन है। देवाधिदेव शिव को प्रसन्न करना अति सरल है। उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न हो जाते हैं। यदि पूजा के अलावा उस महादेव को पूरे वर्ष में याद किया जाए तो शरीर के समस्त पाप दोष नष्ट हो जाते है। शरीर को पवित्र करने तथा शिव को अर्पित करने का एकमात्र साधन व्रत है। सोमवार व्रत धारण करके ओम नमः शिवाय का जाप किया जाए तो मनोवांछित फल प्राप्त होगा। गंगा का जल लाकर जो जीव शिवलिंग का अभिषेक करता है उसकी मुक्ति हो जाती है और शिव के धाम को पा जाता है। मन में शिव के प्रति विचार लाकर तथा उसी को दिनरात पूजकर इंसान शिव के चरणों में स्थान पाता है। यदि इंसान एक धूप जलाकर शिव को प्रसन्न करना चाहे या अल्प वस्तु से भी शिव को प्रसन्न किया जा सकता है जिसके कारण ये भोलेनाथ कहलाते हैं। एक बर शिव को प्रसन्न कर लिया जाए तो फिर घर में शुभ ही शुभ प्राप्त होगा। नीलकंठ महादेव को सबसे बेहतर ढंग से पूजने का अर्थ है उन्हें नमन करना। वे भक्तों के रखवाले हैं और जल्दी प्रसन्न होकर भक्त के भंडार भर देते हैं। विभिन्न पुराणों में शिव का वर्णन मिलता है।

ओलावृष्टि से फसल नुकसान के मुआवजे को लेकर किया प्रदर्शन, दिया एक ज्ञापन

मदरलैंड संवाददाता,कनीना। शुक्रवार को जिला के अनेक गांवों में हुई ओलावृष्टि से किसानों की फसलों में भारी नुकसान हुआ है। इस संबंध में प्रभावित किसानों को मुआवजा देने की मांग को लेकर प्रजा भलाई संगठन के सुप्रीमो समाजसेवी अतरलाल एडवोकेट के नेतृत्व में कार्यकताओं ने उपमंडल अधिकारी (नागरिक), कनीना के कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा दो – मुआवजा दो, स्पेशल गिरदावरी के आदेश दो – आदेश दो के जोरदार नारे लगाए। बाद में अतरलाल ने कार्यकताओं के साथ मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर के नाम ज्ञापन उपमंडल अधिकारी नागरिक की अनुपस्थिति में कार्यालय उप अधीक्षक सुरेंद्र कुमार को सौंपा। ज्ञापन में कहा है कि गत शुक्रवार शाम को जिला के गांव सीहोर, गाहड़ा, कनीना, झाड़ली, छितरौली, धनौन्दा, खरखड़ा, बास, नौताना, पोता, बाघोत, सेहलंग, खेड़ी, तलवाना, अगिहार, पाथेड़ा, कैमला,गुढ़ा, उन्हाणी, चेलावास, बसई, बवाना, मालड़ा, आकोदा, श्यामपुरा, जड़वा, सोहड़ी, बासड़ी, नावां, आदि पचास – साठ गांवों में हुई ओलावृष्टि के कारण किसानों की सरसों तथा गेहूं की फसलें बर्बाद हो गई हैं। इसलिए क्षतिग्रस्त फसलों की तत्काल स्पेशल गिरदावरी करवाकर प्रभावित किसानों को चालीस हजार रुपए प्रति एकड़ की दर से मुआवजा दिया जाए। ज्ञापन में प्रभावित किसानों के अल्पावधि बैंक कृषि ऋण माफ करने की मांग भी की गई। इस अवसर पर कैलाश सेठ, पवन चौधरी, राजेंद्र यादव, लाल सिंह यादव, राजू, मदन सिंह, पूर्ण सिंह तंवर, रामपाल, सुरेश, करतार आदि अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे। फोटो कैप्शन 09. उपमंडल अधिकारी नागरिक के कनीना कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करते प्रजा भलाई संगठन के कार्यकर्ता।10. उपमंडल अधिकारी नागरिक कनीना के कार्यालय उपाधीक्षक को किसानों की बर्बाद फसलों का मुआवजा दिए जाने के संबंध में ज्ञापन सौंपते हुए ठाकुर अतरलाल एडवोकेट एवं कार्यकर्ता।

ग्रीनमैन आफ इंडिया ने वीर शहीदों को किए श्रद्धासुमन अर्पित

» सुरेश गुप्ता, मदरलैंड संवाददाता

पलवल। प्रकृति पर्यावरण संरक्षण के लिए वर्षों से कार्यरत संस्था मिशन प्रकृति बचाओ पर्यावरण सचेतक समिति के कार्यों से प्रभावित होकर ग्रीनमैन आफ इंडिया का पलवल आगमन हुआ। जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी मैडम मैरी मसीह, जिला शिक्षा अधिकारी अशोक बघेल सहित सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ शहीद स्मारक पर वीर जवानों को श्रद्धासुमन अर्पित कर कार्यक्रम शुभारंभ किया गया। खेल व शिक्षा अधिकारियों ने संस्था को उनके कार्यों के लिए बधाई तथा हर सम्भव सहयोग के लिए बोला है।

संस्था संयोजक आचार्य राम कुमार बघेल ने बताया कि सभी ने मिलकर महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में खेल स्टेडियम में त्रिदेव पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया है। गाँव चिरवाड़ी स्थित नेशनल पब्लिक स्कूल में बच्चों व स्टाफ के साथ पौधारोपण कर ग्रीनमैन ने पर्यावरण संरक्षण का सन्देश दिया तथा कार्यक्रम की सराहना की।

श्रीशिव मंदिर बघेल धर्मशाला राजीव नगर में पर्यावरण प्रेमियों, सामाजिक कार्यकर्ता तथा मीडिया वार्ता कार्यक्रम एवं सम्मान समारोह किया गया। संस्था तथा प्रबुद्धजनों द्वारा पगड़ी पहनाकर माता सरस्वती का चित्र भेंट किया। ग्रीनमैन आफ इंडिया ने कहा कि पौधारोपण सरकार का ही कार्य नहीं बल्कि यह हर नागरिक का कर्तव्य है। प्रकृति हमें खुशहाल जीवन देती है। सभी पेड़- पौधे पूजनीय हैं। हम सभी को मिलकर इसे बचाना चाहिए। हिंदुस्तान स्काउटस एन्ड गाइडस सचिव रिशाल सिंह व डॉ0 मनीष सक्सेना आदि ने लोगों को संस्था के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर मानिकचंद, डॉ0 महेश, मा0 थानसिंह, मा0 घनश्याम, हुकम सिंह रावत, धर्मचन्द वैद्य, देव, ईश्वरराज, अमरपाल, गजेंद्र, श्रीचंद, एडवोकेट देवेंद्र, कपिल आदि मुख्यरूप से उपस्थित रहे।

द्वादश ज्योति लिंग मंदिर बसंत एवन्यू में बड़ी श्रद्धा से मनाई शिव रात्रि

» हरप्रीत सिंह, मदरलैंड संवाददाता

लुधियानाः शिव रात्रि के अवसर पर सुबह से ही सगंतो का आना शुरू हो गया था द्वादश ज्योति लिंग मंदिर के सेवादार विजय अग्रवाल ने बताया कि पिछले दस साल से इस मंदिर को बनाने में लगे हैं जिसमे राजस्थान से कारीगर लगे हुए हैं उन्होंने बताया कि 70 फीट शिव जी की प्रतिमा स्थापित की गई है जो की 3 किलो मीटर से नजर आती है राधा कृष्ण, कटु श्याम की तीन मूर्तिया जल्द स्थापित की जाएगी उन्होंने बताया कि इसका पूरा एरिया सवा एकड़ एरिया में तैयार किया गया है जिसमें उनके पूरे परिवार ने साथ दिया है उन्होंने बताया कि शिव का विवाह शाम 4:00 बजे बड़ी धूमधाम के साथ संतो के साथ किया गया इस अवसर पर अटूट भंडारा भी लगाया गया इस अवसर पर अमित कुमार, दिनेश कुमार, अरुणा कुमारी, ज्योति और शीतल, ने भी प्रभु शिव का गुणगान किया।

जरूरत के समय किसी अन्जान का पेट भरने से बडी कोई सेवा नहीं

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। रोटरी क्लब द्वारा महावीर चौक पर चलाई जा रही रोटरी रसोई पर मंगलवार को रोटेरियन डॉ राम व डॉ अनीता शर्मा ने अपनी वैवाहिक वर्षगांठ के अवसर पर जरूरतमंद लोगों को भोजन करवा कर अपने खास दिन को और अधिक यादगार बनाया। उन्होने रोटरी रसोई पर अपने हाथों से लोगों को भोजन वितरित कर पुण्य अर्जित किया। उन्होने कहा कि किसी की जरूरत के समय उसका किसी भी प्रकार सहयोग करना ही मानवता धर्म है और यहां रसोई के माध्यम से लोगों को भोजन उपलब्ध करवाने से बडी कोई सेवा नहीं हो सकती। रोटरी क्लब प्रधान हितेन्द्र शर्मा ने बताया कि क्लब के सभी साथी रोटरी रसोई पर अपने किसी भी विशेष दिन को सेवा कर अपना विशेष सहयोग प्रदान करते हैं और इस तरह सभी के साथ व सहयोग से हमें जरूरतमंदों का पेट भरने वाली इस रसोई को इतने लम्बे समय से संचालित करने की प्रेरणा मिलती रहती है। इसी प्रकार शहर के अन्य जागरूक लोग भी अपने जन्मदिन, वैवाहिक वर्षगांठ या अन्य किसी विशेष अवसर पर रोटरी रसोई में भोजन करवाकर अपना सहयोग प्रदान करने लगे हैं। रोटरी के असिस्टेंट गर्वनर एडवोकेट राजकुमार यादव ने बताया कि रसोई पर प्रतिदिन करीब 300 लोगों को भोजन उपलब्ध करवाया जाता है। मंगलवार को भी 278 जरूरतमंद लोगों ने रोटरी रसोई की सेवाएं प्राप्त की। इस अवसर पर डॉ राम, डॉ अनीता शर्मा, डॉ रावत, रजनी, रेखा रावत, राजकुमार यादव एडवोकेट, राजकुमार चौधरी, विकास अग्रवाल व विजय जिंदल आदि उपस्थित रहे।

नारनौल निवासी अदिति बनी आदित्य बिरला स्कॉलर

» मदरलैंड संवाददाता

नारनौल। शहर के मोहल्ला जमालपुर निवासी प्रवक्ता डॉ दीपक वर्मा एवं शिक्षिका शिवानी राजपूत की पुत्री नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बेंगलुरु की छात्रा अदिति का चयन आदित्य बिरला स्कॉलरशिप के लिए हुआ है। आदित्य बिरला फाउंडेशन द्वारा स्कॉलरशिप के रूप में अदिति को एक लाख अस्सी हजार रुपए हर वर्ष प्रदान किए जाएंगे। स्कॉलरशिप की है यह राशि फाउंडेशन द्वारा अदिति के अध्ययनरत कॉलेज नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बेंगलुरु के खाते में वार्षिक कोर्स फीस के रूप में जमा करवाई जाएगी। गौरतलब है कि अदिति ने पिछले वर्ष राष्ट्रीय स्तर की विधि प्रवेश परीक्षा 'क्लेट' में पूरे देश में छठा स्थान लेकर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी बेंगलुरु में प्रवेश पाया था।

आदित्य बिरला ग्रुप द्वारा स्कॉलरशिप के लिए हर वर्ष देश के शीर्ष संस्थानों में पढ़ रहे बच्चों के बीच से चयन किया जाता है। जिनमें मुख्य रुप से आईआईएम, आईआईटी और नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी शामिल है।आईआईएम में पढ़ रहे बच्चों को एक लाख पिचहतर हजार, आईआईटी के बच्चों को एक लाख तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी में पढ़ रहे बच्चों को एक लाख अस्सी हजार रुपए की स्कॉलरशिप हर वर्ष फाउंडेशन द्वारा प्रदान की जाती है।

स्कॉलरशिप के लिए विद्यार्थियों के चयन के लिए एक निश्चित प्रक्रिया है। उपरोक्त संस्थानों में प्रवेशित व अध्ययनरत विद्यार्थियों में से टॉप 20 रैंक के विद्यार्थी अपने कॉलेज के डीन के माध्यम से स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करते हैं आईआईटी से 180 आईआईएम से 160 तथा नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी से 100 बच्चों को मूल्यांकन करने के बाद शॉर्टलिस्ट किया जाता है तथा इंटरव्यू के लिए बुलाया जाता है। इंटरव्यू के आधार पर उपरोक्त शीर्ष संस्थानों से कुल 40 बच्चों का चयन किया जाता है जिन्हें आदित्य बिरला स्कॉलर के नाम से जाना जाता है। शिवानी राजपूत ने अपनी बेटी के आदित्य बिरला स्कॉलर बनने पर हर्ष व्यक्त किया और बेटी के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए बताया कि बच्चे अपनी मेहनत से न केवल अपना नाम रोशन करते है बल्कि अपने मां बाप को भी गौरवान्वित करते हैं। बिरला फाउंडेशन द्वारा बच्चों के लिए उठाया गया यह कदम बहुत ही सकारात्मक और प्रेरणादायक है। आदिती की इस सफलता पर नामदेव समाज समिति के अध्यक्ष ओमप्रकाश लोहारिया, सचिव संजय वर्मा, विनीता वर्मा, भारत विकास परिषद के अध्यक्ष डॉ जितेंद्र भारद्वाज, संजय बडेसरा, मुकेश कलवानिया, हवासिंह यादव, योगेश कुमार, सहित अनेक गणमान्यजनों ने बधाई दी है।

करीब चार लाख रुपये के पुरस्कार लेकर भिवानी से लौटी नीतू डेयरी की मालकिन नीतू यादव

2019 में भी उन्हें राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया था

» मदरलैंड संवाददाता

कनीना। भिवानी में चली तीन दिवसीय 38वीं राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में कनीना उपमंडल के गांव गुढा की नीतू यादव करीब 4 लाखे रुपये पुरस्कार लेकर अपने गांव गुढा लौट आई है। गांव में उनका अच्छा स्वागत किया गया। वे प्रदर्शनी में आठ गायें लेकर गई थी।

नीतू यादव ने बताया कि क्रास ब्रीड में उनकी गाय मिल्क इन ब्यूटी में हरियाणा भर में चैंपियन रही जिसके चलते मनोहर लाल खट्टर मुख्यमंत्री हरियाणा में ढाई लाख रुपये का चेक दिया है। वहीं गायों की पदर्शनी में में उनकी एक गाय, ड्राई गायों की की प्रतियोगिता में रनर अप रही तथा एक लाख रुपये का पुरस्कार मिला है। वहीं ब्यूटी इन मिल्क में उनकी एक गाय तीसरे स्थान पर रही और 21 हजार रुपये का पुरस्कार मिला है। इसी प्रकार मिल्क इन ब्रीड प्रतियोगिता में उनकी दो गाय चौथे नंबर पर रही और 21-21 हजार रुपये का पुरस्कार दिया गया है। नीतू यादव 8 गायों को लेकर प्रदर्शनी में गई थी जिनमें से उनकी चार गाय इनाम लेकर लौटी हैं। गांव में उनका स्वागत किया और इसी कड़ी में शिवरात्रि के दिन उनका पूरे जोश के साथ सम्मान किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि नीतू यादव ने 2019 में तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम रामनाथ कोविंद से एक लाख रुपये का पुरस्कार जीता था। उन्होंने गुढ़ा में अपनी नीतू डेयरी चला रखी है वहीं जैविक खेती एवं जैविक खाद भी तैयार करती है। फरवरी 2019 में उन्हें एग्री लीडरशिप सम्मिट में किसान रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इतने पुरस्कार पाकर सिद्ध कर दिया कि ग्रामीण क्षेत्रों में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। उनके पति पवनवीर उनकी मदद करते हैं तथा शिक्षा विभाग में कार्यरत है। छह गायों से डेयरी शुरू करने वाले नीतू यादव के पास आज 150 के करीब गाय हैं ।उन्हें 2018 में सर्वश्रेष्ठ महिला डेयरी पुरस्कार मिला था। वर्तमान में दो हजार के करीब लीटर दूध प्रतिदिन उनकी डेयरी से जाता है।

शहीदों के बच्चों को लगातार 8 साल तक शिक्षण शुल्क में 100 प्रतिशत छूट

» विनोद कुमार, मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। प्रतियोगिता परीक्षाओं की तैयारी के क्षेत्र में भारत की अग्रणी आकाश+बायजूस ने समाज के प्रति अपने कर्तव्यों को समझते हुए रक्षा कर्मियों के बच्चों की शिक्षा को सुविधाजनक बनाने की अपनी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, मार्च 2022 से शुरू होने वाले अगले शैक्षणिक कैलेंडर के लिए शहीदों के बच्चों के लिए 100 प्रतिशत शिक्षण शुल्क माफी जारी रखने की घोषणा की है। अपनी 8 साल पुरानी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए, आकाश+बायजूस ने आगामी वर्ष के लिए रक्षा कर्मियों के बच्चों के लिए भी 10 प्रतिशत स्कॉलरशिप जारी रखने का निर्णय लिया है। 2014 से, स्कॉलरशिप प्रोग्राम से 70,000 से अधिक छात्रों को लाभ हुआ है। कार्यक्रम में भारतीय सेना के मेजर जनरल आई पी सिंह, वीएसएम (अवकाश प्राप्त) मुख्य अतिथि थे। आकाश+बायजस के क्षेत्रीय निदेशक परमेश्वर झा भी इस अवसर पर उपस्थित रहे। इस अवसर पर बोलते हुए

मेजर जनरल आईपी सिंह (अवकाश प्राप्त) ने कहा, सशस्त्र बलों को उनके बलिदान के लिए हमेशा सम्मानित किया जाना चाहिए। वे नागरिकों की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए अपनी जान जोखिम में डालते हैं। यह वीरता का एक निस्वार्थ कार्य है जो बदले में कुछ भी मांगे बिना किया जाता है। उनमें से बहुतों को अपने जीवन का बलिदान देना पड़ा है, ताकि बाकी लोग एक स्वतंत्र और समृद्ध समाज में रह सकें। आकाश+बायजूस की इस विचारशील पहल का हिस्सा बनकर मैं सम्मानित महसूस कर रहा हूं। हम आकाश+बायजूस की उस वित्तीय सहायता के लिए आभारी हैं जो रक्षा कर्मियों के बच्चों को प्रदान की जा रही है।

साइबर कैफे संचालकों की बैठक लेते एएसपी

बैठक में दिए दिशा निर्देश

» जयप्रकाश भारद्वाज, मदरलैंड संवाददाता

महेंद्रगढ़। एएसपी सिद्धांत जैन आईपीएस ने मंगलवार महेंद्रगढ़ स्थित कार्यालय में यहां के साईबर कैफे और सरल केंद्र चलाने वालों की बैठक लेकर सुरक्षा व्यवस्था दुरस्त करने बारे कहा। एएसपी ने साईबर कैफे के संचालकों को एंट्री रजिस्टर लगाकर मेंटेन रखने के निर्देश दिए।

बैठक में एएसपी ने साइबर कैफे व सरल केंद्रों में सीसीटीवी कैमरा लगाने, सीसीटीवी कैमरा के रिकार्डर को सुरक्षित स्थान पर रखने आदि सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही साइबर कैफे और सरल केंद्र संचालकों को पुलिस विभाग का पूरा सहयोग देने का आश्वासन भी दिया। इस दौरान एएसपी ने बैठक में मौजूद व्यक्तियों को सीसीटीवी कैमरे लगवाने व उनकी समय-समय पर जांच करवाने की बात कही। साथ ही किसी प्रकार की समस्या होने पर तत्काल पुलिस को सूचना देने को भी कहा ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

उन्होंने साइबर कैफे संचालकों को संबोधित करते हुए कहा, वह अपनेझअपने साइबर कैफे में आनेझजाने वालों का रिकॉर्ड रखने के लिए रजिस्टर लगाएं और प्रतिदिन उसको मेंटेन रखने बारे निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साईबर कैफे में इंटरनेट प्रयोग करने के लिए आने वालों से उनका आईडी प्रूफ अवश्य लें। सीसीटीवी कैमरा बारे निर्देश देते हुए कहा कि एचडी नाइट विजन सीसीटीवी कैमरे लगवाएं और उनकी दिशा एंट्री प्वाइंट व आने जाने वाले रास्ते की तरफ रखी जाए। साइबर कैफे और सरल केंद्र के सभी संचालकों से कहा, समय-समय पर वह कैमरों को चेक भी करते रहें। यदि कोई भी संदिग्ध व्यक्ति दिखता है तो पुलिस को सूचना दें।

छीलरो में दो दिवसीय वॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू

जे जे पी नेता विजय छीलरो ने किया उद्घाटन

» संतोष यादव, मदरलैंड संवाददाता

छीलरो में युवा मंडल छीलरो की ओर से दो दिवसीय वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जेजेपी युवा नेता विजय छीलरो ने किया । इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ग्रामीण पृष्ठभूमि में कबड्डी व वॉलीबॉल का खेल मुख्य खेला जाता है। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी को हमेशा खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए मैच में हार जीत होती रहती है। परंतु खिलाड़ी को हमेशा जीत का लक्ष्य बनाकर ही खेलना चाहिए ।उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे पढ़ाई के साथ साथ खेल में भी ध्यान दें। क्योंकि खेल से जहां मानसिक और शारीरिक विकास होता है। वहीं सरकार द्वारा भी खिलाड़ियों को नौकरियों में आरक्षण तथा अन्य सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। आज के उद्घाटन मैच में छीलरो ए व दिल्ली हॉस्टल के बीच हुआ। जिसमे छिलरो विजय हुई। गौरतलब है कि इस प्रतियोगिता में 20 टीमें भाग ले रही है ।कार्यक्रम में

किसान नेता विकास चौधरी, विक्रम पहलवान, संदीप सरपंच ,अमित ओल्डर, धर्मवीर प्रधान, अनिल लंबा,अमनदीप श्योराण ,करण सिंह,प्रवीण होलदार ,होशायर सिंह श्योराण आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे।

40 से 50 हजार गज से काटी जा रही अवैध कॉलोनी मगर कोई कार्रवाई नहीं

» मदरलैंड संवाददाता

लुधियानाः धंधारा रोड पर लगातार अवैध रूप से कॉलोनी काटी जा रही है मगर ग्लाडा द्वारा किसी भी कॉलोनी के ऊपर कोई कार्रवाई नहीं की गई जब भी ग्लाडा के अधिकारियों से पूछा जाता है तो बस एक ही जवाब मिलता है नोटिस भेज दिया गया है नोटिस के सहारे ही कारवाही होती है पिछले साल भी आठ से दस कॉलोनी काटी गई थी सिर्फ नोटिस ही भेजा गया था अभी तक किसी पर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई बल्कि सिवरेज कनेक्शन भी बिना किसी परमिशन के जोड़ दिया गया है उसके बावजूद भी ग्लाडा अधिकारियों ने आंखे बंद कर रखी है कुछ समय पहले ग्लाडा सी ए ऋषि पाल ने सख्ती करी थी मगर राजनेतिक दवाब के कारण उनको बदल दिया गया उनके बाद किसी भी अफसर ने सख्त एक्शन नहीं लिया अब दो और नई कॉलोनी कमर्शल रेट निकाल कर काट रहे हैं जिसकी कीमत 40 से 50 हजार रुपए प्रति गज रखी हुई ग्लाडा के एस डी ओ और अफसरों को पता होने के बावजूद अभी तक कोई एक्शन नहीं लिया गया इस संबंध में जब ग्लाडा के एस डी ओ को फोन किया गया तो उन्होंने फोन ही उठाना बंद कर दिया।

newsdesk@motherlandvoice.org
editor@motherlandvoice.org

मध्यप्रदेश: शिव-उमा की चौसर : उमा के ‘कमल’ से परेशन ‘कमलदल’....?

ओमप्रकाश मेहता

कभी भारतीय जनता पार्टी की ह्यह्यमिसाईलह्लह्ल मानी जाने वाली तेज-तर्रार नैत्री उमाश्री भारती इन दिनों अपनी उपेक्षा से काफी परेशान है उनका सीधा सा कथन है कि ह्यह्यजिस काम को पूरी मेहनत से मैं पूरा करती हूँ, उसका श्रेय व लाभ कोई और उठा लेता है ह्लह्ल पिछले दिनों उन्होंने अपना यह दर्द अपने गृह जिले टीकमगढ़ में व्यक्त किया, उनका कहना था कि उन्होंने आज से उन्नीस साल पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह की एक दशक पुरानी सरकार को शिकस्त देकर भाजपा को सत्ता दिलवाई और उसका लाभ अभी तक अन्य कोई उठा रहा है, यही स्थिति केन-बेतवा नदी लिंक योजना तथा ललितपुर-सिंगरौली रेल लाईन के साथ भी है, इन दोनों की उनकी अपनी परियोजनाओं को मूर्तरूप देते समय उनकी उपेक्षा की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि उमाजी ने 2002 में दिग्विजय सिंह के वर्चस्व को खत्म कर अपनी सरकार बनाई थी, किंतु वे कुछ ही महिनों मुख्यमंत्री रह पाई थी और एक गैर-जमानती अदालती वारंट के कारण उन्हें इस्तीफा देकर स्व. बाबूलाल गौर को सत्ता सौंपना पड़ी थी, बाबूलाल जी भी एक ही साल मुख्यमंत्री रह पाए और 2005 में शिवराज जी मुख्यमंत्री बन गए और वे आज भी मुख्यमंत्री है, बाद में उमाजी ने भाजपा से बाहर आकर भारतीय जनशक्ति पार्टी बनाई और चुनाव भी लड़ा। भाजपा में जब वापसी हुई तो उन्हें मध्यप्रदेश की सक्रिय राजनीति से बाहर रहना पड़ा और फलतः वे उत्तरप्रदेश की होकर रह गई, वे केन्द्र में मंत्री भी रही, किंतु 2019 में उन्हें पार्टी ने टिकट से वंचित कर दिया तभी से वे अपने आपको उपेक्षित महसूस कर रही है और इसी उपेक्षा के चलते अब उन्हें कहना पड़ रहा है कि ह्यह्यसरकार मैं बनाती हूँ, चलाता कोई और है ह्लह्ल

उमाजी की इसी उपेक्षा के बीच पिछले दिनों एक और वाक्या हो गया, उमाजी का गाया एक तीस साल पुराना भजन है जिसके बोल ह्यह्यतेरे चरण कमल में श्याम लिपट जाऊँ रज बनकेह्लह्ल पिछले दिनों शिवराज जी को इस भजन की याद आई और उन्होंने उमाजी से उसका वीडियों मांग लिया, उमाजी ने अपना गाया हुआ वीडियों शिवराज जी को भेज दिया, किंतु इस भजन के बोल में जो ह्यकमलह्ल शब्द का प्रयोग हुआ है उसे लेकर ह्यकमलदलह्ल (भाजपा) में खलबली मच गई है, क्योंकि मध्यप्रदेश ह्यकमलह्ल शब्द को लेकर काफी संवेदनशील है, कमलनाथ चूंकि कांग्रेस के मुख्यमंत्री रहे है, इसलिए भी यहां ह्यकमलह्ल को लेकर काफी चर्चाऐं होती है। अब उमाजी की उपेक्षा के दौर में उनके इस भजन को लेकर सियासत का दौर गर्म है।

वैसे उमा भारती जी का भी मध्यप्रदेश में एक ह्यराजनीतिक युगह्ल रहा है, भाजपा की संस्थापक स्व. राजमाता विजयराजे सिंधिया के आग्रह पर उमाजी ने भाजपा में प्रवेश किया था, वे अपने व्यक्तिगत जीवन में साध्वी है तथा बाल्यकाल से प्रवचन करती आ रही है, उनके प्रवचन से ही प्रभावित होकर राजमाता ने उन्हें राजनीति में आने का न्यौता दिया था, वे अटल-अड़वानी के ह्ययुगह्ल में काफी प्रभावशाली नैत्री रही और पार्टी की वरिष्ठ नैत्री मानी जाती रही, किंतु पार्टी मौजूदा नैतृत्व के दौर में उमाजी को ह्यसमयानुकूलह्ल नहीं मान रही और यही उन्हें पिछले लोक सभा चुनावों के समय टिकट नहीं देनेक का मुख्य कारण रहा। किंतु अब उन्होंने अभी से 2024 का लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा कर दी है और भाजपा की राजनीति में उनकी ह्यजिदह्ल काफी विख्यात भी है, इसलिए वे हर हाल में लोकसभा चुनाव लड़ने की घोषणा को मूर्त रूप देगी, अब उन्हें ह्यरणक्षेत्रह्ल कौन सा मिलता है, वह वे स्वयं चुनेगी या पार्टी यह उस समय की स्थिति-परिस्थिति पर निर्भर रहेगा, वे चुनाव अवश्य लड़ेगी।

वैसे यदि मौजूदा राजनीतिक माहौल के अनुसार उमाजी की इस घोषणा व उनके कथनों का सूक्ष्म परीक्षण किया जाए तो यह माना जा रहा है कि केन्द्रीय नेतृत्व की तरह वे मध्यप्रदेश पार्टी नेतृत्व से भी उपेक्षित ही है, उनकी नाराजी व मौजूदा तेवर का भी यही कारण है। उनकी मुख्य पीड़ा भी यही है, उनका मानना है कि आड़वानी-मुरली मनोहर जोशी की तरह मौजूदा नेतृत्व में उन्हें (उमाजी को) भी राजनीति के ह्यकूडेद्रानह्ल में डालने की कौशिश की है, किंतु एक जिद्दी व हटी साध्वी के तेवर को नेतृत्व ने महसूस नहीं किया है और वे अब चुप बैठने वाली भी नहीं है, उन्होंने अपने मौजूदा तेवरों से अपनी नाराजी का सिर्फ ह्यह्यट्रेलरह्लह्ल दिखाया है जिस दिन पूरी फिल्म सामने आएगी तब मौजूदा नेतृत्व को उमाजी की सही तस्वीर नजर आएगी।

इस तरह भारतीय जनता पार्टी में उमाजी ने बगावती रूख दिखाकर पार्टी के उन सभी उपेक्षित नेताओं को एक जूटता का संदेश भी दिया है, जिन्हें मजबूरी में अपने घरों में कैद होकर रहना पड़ रहा है। अब उमाजी की राजनीति क्या गुल खिलाती है यह तो भविष्य के गर्भ में है, किंतु उमाजी क्या कर सकती है ? यह सभी अच्छी तरह जानते है।

संपादकीय

ग

यूक्रेन-संकट की उलझनें (लेखक- डॉ. वेदप्रताप वैदिक/ईएमएस)

यूक्रेन का संकट उलझता ही जा रहा है। बेलारूस में चली रूस और यूक्रेन की बातचीत का कोई नतीजा नहीं निकला। इतना ही नहीं, पूतिन ने परमाणु-धमकी भी दे डाली। इससे भी बड़ी बात यह हुई कि यूक्रेन के राष्ट्रपति झेलेंस्की ने यूरोपीय संघ की सदस्यता के लिए औपचारिक अर्जी भी भेज दी। झगड़े की असली जड़ तो यही है। झेलेंस्की की अर्जी का अर्थ यही है कि रूसी हमले से डरकर भागने या हथियार डालने की बजाय यूक्रेन के नेताओं ने गजब की बुलंदी दिखाई है। रूस भी चकित है कि यूक्रेन की फौज तो फौज, जनता भी रूस के खिलाफ मैदान में आ डटी है। पूतिन के होश इस बात से फाख्ता हो रहे होंगे कि नाटो की निष्क्रियता के बावजूद यूक्रेन अभी तक रूसी हमले का मुकाबला कैसे कर पा रहा है। शायद इसीलिए उन्होंने परमाणु-युद्ध का ब्रह्मास्त्र उछालने की कोशिश की है। संयुक्तराष्ट्र संघ की महासभा ने अपने इतिहास में यह 11 वीं आपात बैठक बुलाई थी लेकिन इसमें भी वही हुआ, जो सुरक्षा परिषद में हुआ था। दुनिया के गिने-चुने राष्ट्रों को छोड़कर सभी राष्ट्रों में रूस के हमले की निंदा हो रही है। खुद रूस में पूतिन के विरुद्ध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस वक्त झेलेंस्की द्वारा यूरोपीय संघ की सदस्यता की गुहार लगाने से यह सारा मामला पहले से भी ज्यादा उलझ गया है। अब अपनी नाक बचाने के लिए पूतिन बड़ा खतरा भी मोल लेना चाहेंगे। यदि झेलेंस्की कीव में टिक गए तो मास्को में पूतिन की गद्दी हिलने लगेगी। अभी यूक्रेन में शांति होगी या नहीं, इस बारे में कुछ भी कहना संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में भारत के लगभग 20 हजार नागरिकों और छात्रों को वापस ले आना ही बेहतर रहेगा। इस संबंध में भारत के चार मंत्रियों को यूक्रेन के पड़ौसी देशों में तैनात करने का निर्णय नाटकीय होते हुए भी सर्वथा उचित है। हमारे लगभग डेढ़ हजार छात्र भारत आ चुके हैं और लगभग 8 हजार छात्र यूक्रेन के पड़ौसी देशों में चले गए हैं। हमारी हवाई कंपनियां भी डटकर सहयोग कर रही हैं। यदि यह मामला लंबा खिंच गया तो भारत के आयात और निर्यात पर गहरा असर तो पड़ेगा ही, आम आदमी के उपयोग की चीजें भी मंहगी हो जाएंगी। भारत की अर्थ-व्यवस्था पर भी गहरा कुप्रभाव हो सकता है। इस संकट ने यह सवाल भी उठा दिया है कि भारत के लगभग एक लाख छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए यूक्रेन, पूर्वी यूरोप और चीन आदि देशों में क्यों चले जाते हैं? क्योंकि वहां की मेडिकल पढ़ाई हमसे 10-20 गुना सस्ती है। क्या यह तथ्य भारत सरकार और हमारे विश्वविद्यालयों के लिए बड़ी चुनौती नहीं है? स्वयं मोदी ने ह्यमन की बातह्ल में इस सवाल को उठाकर अच्छा किया लेकिन उसके लिए यह जरुरी है कि तत्काल उसका समाधान भी खोजा जाए।

डॉ. वेदप्रताप वैदिक, 01 मार्च, 2022 (ईएमएस)

आत्मनिर्भरता का प्रतीक है वैज्ञानिक कुशलता

डॉ. शंकर सुवन सिंह

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को 6,000 करोड़ रुपये, जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 2,581 करोड़ रुपये और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को 5,636 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन सभी विभागों ने देश में कोविड-19 महामारी से निपटने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को 2,894 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 1,680 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 39 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2021-22 में 35 करोड़ रुपये से अधिक है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद को 5,562 करोड़ रुपये दिए गए हैं। विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में आज भारत दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है। विश्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति है, जिसमें 634 विश्वविद्यालय सालाना 16,000 से अधिक डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करते हैं।

वास्तविक ज्ञान ही विज्ञान है। प्राकृतिक विज्ञान प्रकृति और भौतिक दुनिया का व्यवस्थित ज्ञान होता है,या फि र इसका अध्ययन करने वाली इसकी कोई शाखा। असल में विज्ञान शब्द का उपयोग लगभग हमेशा प्राकृतिक विज्ञानों के लिये ही किया जाता है। इसकी तीन मुख्य शाखाएँ हैं : भौतिकी, रसायन शास्त्र और जीव विज्ञान। रसायन का वास्तविक ज्ञान, रसायन विज्ञान है। भौतिकी का वास्तविक ज्ञान, भौतिक विज्ञान है। जीव का वास्तविक ज्ञान, जीव विज्ञान है। कृषि का वास्तविक ज्ञान, कृषि विज्ञान है। खाद्य का वास्तविक ज्ञान, खाद्य विज्ञान है। दुग्ध का वास्तविक ज्ञान दुग्ध विज्ञान है। आदि ऐसे अनेक क्षेत्रों में विज्ञान है। रसायन, भौतिकी, जीव-जंतु, कृषि, खाद्य, दुग्ध, आदि अनेक क्षेत्रों के वास्तविक ज्ञान से राष्ट्रहित संभव है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी का एक दूसरे से घनिष्ठ सम्बन्ध है। विज्ञान का सम्बन्ध ज्ञान से है अर्थात नए ज्ञान की खोज (डिस्कवर)। प्रौद्योगिकी का सम्बन्ध अविष्कार (इन्वेंशन) से है। बिना ज्ञान के अविष्कार संभव नहीं है। मकान रूपी अविष्कार, स्तम्भ रूपी ज्ञान पर टिका हुआ है । बिना नीव या स्तम्भ के मकान का खड़ा हो पाना असंभव है। उसी प्रकार विज्ञान के बिना, प्रौद्योगिकी का होना असंभव है। एक पुरानी कहावत है - आवश्यकता अविष्कार की जननी है। जब मानव को जीवित रहने के लिए कुछ जरूरी हो जाता है तो वह किसी भी तरह से उसे प्राप्त करने के लिए जुट जाता है। इसका अर्थ यह है कि आवश्यकता हर नए आविष्कार का मुख्य आधार है। यह मानवीय आवश्यकता ही थी जिसने पहले व्यक्ति को खाने के लिए भोजन खोजने, रहने के लिए घर का निर्माण करने और जंगली जानवरों से बचने के लिए हथियार बनाने का कार्य किया। यदि इन सभी चीजों की मनुष्य अस्तित्व के लिए जरूरत नहीं होती तो वह इन सभी का आविष्कार नहीं करता। मानव जीवन की जरूरतें ही अविष्कार का कारण बनी। कहने का तात्पर्य यह है कि प्रौद्योगिकी मानव जीवन की जरूरतों को पूरा करती है। विज्ञान का लक्ष्य ज्ञान प्राप्त करना है जबकि प्रौद्योगिकी का लक्ष्य वैज्ञानिक सिद्धांतों को लागू करने वाले उत्पादों का निर्माण करना है। आधुनिक विज्ञान की त्वरित खोजों ने प्रौद्योगिकी को तेजी से विस्तार करने में सक्षम बनाया। विज्ञान और प्रौद्योगिकी के बीच का यह सम्बन्ध तकनीकी परिवर्तन की गति को संभव बनाया है। विज्ञान नए ज्ञान को, अवलोकन और प्रयोग के माध्यम से व्यवस्थित रूप से खोजता है। प्रौद्योगिकी विभिन्न उद्देश्यों के लिए वैज्ञानिक ज्ञान का अनुप्रयोग है। विज्ञान हमेशा उपयोगी होता है। प्रौद्योगिकी, मानव जीवन के लिए उपयोगी हो सकता है या हानिकारक हो सकता है। उदाहरण के लिए, एक कंप्यूटर उपयोगी हो सकता है पर बम हानिकारक होगा। विज्ञान का उपयोग भविष्यवाणियां करने के लिए किया जाता है जबकि प्रौद्योगिकी, मानव जीवन को सरल बनाता है और लोगों की आवश्यकता को पूरा करता है। अतएव विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी का उच्चारण एक साथ किया जाता है। टिकाऊ भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण का होना आवश्यक है। मानव जीवन के भविष्य को शानदार और टिकाऊ बनाने के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी दोनों को एक साथ लेकर चलना होगा। भारत में राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तत्वावधान में सन 1986 से प्रति वर्ष 28 फरवरी को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (नेशनल साइंस डे) मनाया जाता है। प्रोफेसर सी वी रमन (चंद्रशेखर वेंकटरमन) ने सन 1928 में कोलकाता में इस दिन एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक खोज की थी, जो ह्यरमन प्रभावह्ल के रूप में प्रसिद्ध है। रमन की यह खोज 28 फरवरी 1930 को प्रकाश में आई थी। इस कारण 28 फरवरी राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस कार्य के लिए उनको 1930 में नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। इस दिवस का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को विज्ञान के प्रति आकर्षित करना, प्रेरित करना तथा विज्ञान एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के प्रति सजग बनाना है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस देश में विज्ञान के निरंतर उन्नति का आह्वान करता है तथा इसके विकास के द्वारा ही हम समाज के लोगों का जीवन स्तर अधिक से अधिक खुशहाल बना सकते हैं। रमन प्रभाव में एकल तरंग- धैर्य प्रकाश (मोनोक्रोमेटिक) किरणें जब किसी पारदर्शक माध्यम ठोस, द्रव या गैस से गुजरती है तब इसकी छितराई किरणों का अध्ययन करने पर पता चला कि मूल प्रकाश की किरणों के अलावा स्थिर अंतर पर बहुत कमजोर तीव्रता की किरणें भी उपस्थित होती हैं। इन्हीं किरणों को रमन-किरण भी कहते हैं। भौतिक शास्त्री सर सी वी रमन एक ऐसे महान आविष्कारक थे, जो न सिर्फ लाखों भारतीयों के लिए बल्कि दुनिया भर के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। यह किरणें माध्यम के कणों के कम्पन्न एवं घूर्णन की वजह से मूल प्रकाश की किरणों में ऊर्जा में लाभ या हानि के होने से उत्पन्न होती हैं। रमन किरणों का अनुसंधान की अन्य शाखाओं जैसे औषधि विज्ञान, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, खगोल विज्ञान तथा दूरसंचार के क्षेत्र में भी बहुत महत्व है। मुंशी प्रेमचंद ने क्या खूब कहा है -ह्लविज्ञान में इतनी विभूति है कि वह काल के चिह्नों को भी मिटा दे। विज्ञान में ढेर सारी खूबियां होती है जो राष्ट्र को प्रगति के पथ पर अग्रसर करता है। राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (नेशनल साइंस डे) सत्र 2022 ई. का प्रसंग (थीम) है झ सतत भविष्य के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण। इस थीम से स्पष्ट होता है कि ह्लआत्मनिर्भर भारतह्न के निर्माण में भारत के वैज्ञानिक कौशल की प्रमुख भूमिका होगी। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) देश में विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग से जुड़े वैज्ञानिक संस्थानों, अनुसंधान प्रयोगशालाओं और स्वायत्त वैज्ञानिक संस्थानों में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के उत्सव कार्यक्रमों में सहयोग, उत्प्रेरण और समन्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करता है। डीएसटी ने 1987 में विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रयासों को प्रोत्साहित करने के लिए राष्ट्रीय पुरस्कारों की स्थापना की। ये पुरस्कार हर साल राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर प्रदान किए जाते हैं। इसी के साथ-साथ, विज्ञान दिवस पर विज्ञान और इंजीनियरिंग अनुसंधान बोर्ड (एसईआरबी) द्वारा एसईआरबी महिला वैज्ञानिकों को उत्कृष्टता पुरस्कार और लोकप्रिय विज्ञान लेखन के लिए पीएचडी एवं पोस्ट डॉक्टोरल शोधार्थियों को ह्यअवसरह्ल (एडब्ल्यूएसएआर) पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं। कोई भी राष्ट्र बिना मानव के संभव नहीं है। राष्ट्र मानव श्रृंखला से ही निर्मित होता है। विज्ञान सत्य को उजागर करता है। विज्ञान असत्य पर सत्य की जीत का परिचायक है। विज्ञान अंधविश्वास को खत्म करता है। विज्ञान जीवन को विश्वास से परिपूर्ण करता है। सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल ने कहा था कि ह्लविज्ञान व्यग्रता और अन्धविश्वास रूपी जहर की अचूक दवा है ह्ल सर आर्थर इग्नाशियस कॉनन डॉयल, (22 मई 1859 - 7 जुलाई 1930) एक स्कॉटिश चिकित्सक और लेखक थे। देश में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी को प्रोत्साहित करने के लिए वर्ष 2022 के बजट में विशेष प्रावधान किए गए हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय (मिनिस्ट्री ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी) को केंद्रीय बजट (बजट) 2022-23 में 14,217 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। मंत्रालय में तीन विभाग विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी), जैव प्रौद्योगिकी विभाग और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) हैं। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग को 6,000 करोड़ रुपये, जैव प्रौद्योगिकी विभाग को 2,581 करोड़ रुपये और वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग को 5,636 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। इन सभी विभागों ने देश में कोविड-19 महामारी से निपटने में अहम भूमिका निभाई है। विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं को 2,894 करोड़ रुपये आवंटित किए गए। वहीं, जैव प्रौद्योगिकी विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 1,680 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान विभाग के तहत केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के लिए 39 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2021-22 में 35 करोड़ रुपये से अधिक है। वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद को 5,562 करोड़ रुपये दिए गए हैं। विज्ञान व तकनीक के क्षेत्र में आज भारत दुनिया के शीर्ष देशों में से एक है। विश्व में भारत तीसरी सबसे बड़ी वैज्ञानिक और तकनीकी जनशक्ति है, जिसमें 634 विश्वविद्यालय सालाना 16,000 से अधिक डॉक्टरेट की डिग्री प्रदान करते हैं। वैज्ञानिक प्रकाशनों की संख्या के मामले में भारत विश्व स्तर पर नौवें स्थान पर है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का परिचायक है। एकीकृत दृष्टिकोण से समन्वयता, समता, सरलता और सफलता का जन्म होता है। भारत के दीर्घकालिक भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में समन्वित दृष्टिकोण जरुरी है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण मानव जीवन को सबल बनाता है। अतएव हम कह सकते हैं कि वैज्ञानिक कौशल आत्मनिर्भरता का प्रतीक है और एकीकृत दृष्टिकोण वैज्ञानिक कुशलता का प्रतीक है।

हमले का अंजाम

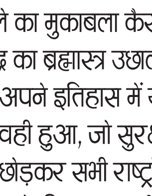

सिद्धार्थ शंकर

यूक्रेन पर रूस के हमले का अंजाम नहीं दिख रहा है। रूस की भारी बमबारी के बीच यूक्रेन को अमेरिका और यूरोप से सामरिक मदद मिलने लगी है। साथ ही रूस की वित्तीय घेराबंदी भी की जा रही है। वहीं, यूक्रेन के लोग भी रूस से दो-दो हाथ करने के लिए आगे आ रहे हैं। दो दिन के भीतर एक लाख लोगों ने हथियार उठा लिए हैं। हमले में दोनों देशों को खासा नुकसान पहुंचा है। अब तक कोई कम पड़ता नहीं दिख रहा है। इन सबका असर पुतिन पर पड़◗ लाजिमी है। विशेषज्ञ कह रहे हैं कि मौजूदा हालात में कई संभावित नतीजे निकल सकते हैं। रूस पर लगाए गए प्रतिबंध और यूक्रेन का प्रतिरोध राष्ट्रपति पुतिन के लिए मुश्किल हालात पैदा कर सकता है। एक-दो हफ्ते की लड़ाई के बाद यूक्रेन और रूस संघर्ष-विराम के लिए तैयार हो सकते हैं। रूस यूक्रेन से पीछे हट जाएगा, क्रीमिया रूस के पास ही रहेगा और डोनबास क्षेत्र (लुहांस्क और डोनेट्स्क प्रांत) यूक्रेन के नियंत्रण के बाहर हो जाएगा। यूक्रेन के सामने दो परिस्थितियां होंगी। वो फिनलैंड की तरह तटस्थ रहेगा या फिर नाटो में शामिल होने के लिए गिड़गिड़ाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है तो नाइपर नदी के दोनों तरफ दोनों पक्ष डट जाएंगे। रूस का पूर्वी यूक्रेन और क्रीमिया पर पूर्ण नियंत्रण हो जाएगा। तनाव बरकरार रहेगा। पश्चिमी यूक्रेन कमजोर हो जाएगा और वह नाटो का हिस्सा बनने के लिए मिन्नतें करेगा। हो सकता है कि रूस जीत जाए, लेकिन यूक्रेन के पश्चिमी इलाके और अहम शहरों में पब्लिक रेजिस्टेंस गुरिल्ला युद्ध की शक्ल ले लेगा। ऐसे में बहुत खूनखराबा होगा। अगर यूक्रेन जीता भी तो कम से कम एक जेनरेशन पीछे चला जाएगा। ऐसा भी हो सकता है कि रूस

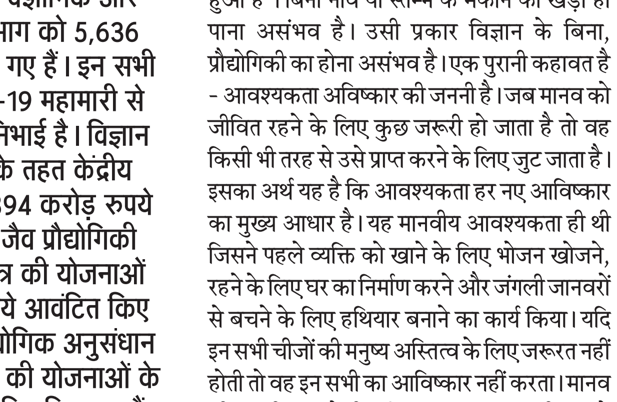

की सीधी जीत हो जाए। पूरा यूक्रेन उसके नियंत्रण में आ जाए या वह पूर्वी यूक्रेन को अपनी टेरिटरी में शामिल कर ले और पश्चिम यूक्रेन में अपने प्रभाव वाली सरकार बना दे। कुछ भी हो, लेकिन एक बात तय है कि रूस दुनिया में पहले से ज्यादा अलग-थलग हो जाएगा और उस पर प्रतिबंध और कड़े हो जाएंगे। रूस एक नाकाम राष्ट्र में भी बदल सकता है। सवाल यह है कि यूक्रेन को लेकर पुतिन अपना लक्ष्य हासिल कर भी लें तो वो युद्ध के नतीजों से कैसे निपटेंगे? यूक्रेन युद्ध के बाद ग्लोबल डिप्लोमैसी बदल जाएगी। यह नए शीतयुद्ध की शुरुआत भी हो सकती है। अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी। एक आशा दिखाई दे रही है, क्योंकि अभी तक रूस का आक्रमण उसकी उम्मीदों के मुताबिक धीमा और कुंद रहा है। चिंता की बात ये है कि कहीं पुतिन अपने फैसले को सही ठहराने के लिए हमले और तेज न कर दें। कहीं वो युद्ध के नियम न बदल दें, जिससे आम लोगों के जीवन पर खतरा और अधिक बढ़ सकता है। अमेरिका पहले से ही यूक्रेन की मदद कर रहा है। अमेरिका पिछले कई महीने से यूक्रेन को एंटी-टैंक मिसाइलें और सैन्य सहयोग दे रहा है। राष्ट्रपति जो बाइडेन ने आज ही यूक्रेन के लिए 35 करोड़ डॉलर के हथियार भेजने की अनुमति दी है। कई यूरोपीय देश भी सहयोग बढ़ा रहे हैं। लड़ाकू विमान भी भेज रहे हैं। ये बड़ी बात है कि यूक्रेन के लिए ये रक्षा सहयोग खुलेआम दिया जा रहा है। कोई इस तथ्य को छुपा नहीं रहा है कि वो यूक्रेन की तरफ से लड◗ के लिए सैनिक भेज रहा है, जो रूस के खिलाफ लड़ेंगे। अमेरिका खुलकर यूक्रेन का साथ दे रहा है, इसका एक पहलू ये भी है कि इससे रूस पर दबाव भी बनेगा। रूस पर प्रतिबंधों को लागू करने में यूरोपीय संघ का सहयोग जरूरी है। अमेरिका ने रूस के खिलाफ आर्थिक मोर्चे पर युद्ध छेड़ दिया है और यूरोपीय संघ इसमें सबसे अधिक एक्टिव है। रूस को फिलहाल एक साथ कई मोर्चे पर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। जहां एक और युद्ध पर हर दिन 1.12 लाख करोड़ रुपए खर्च हो रहा है, वहीं रूस की करेंसी रूबल इस महीने 10◗ तक कमजोर हो चुकी है। पश्चिमी देशों ने रूस के साथ डॉलर-यूरो-पाउंड में कारोबार बैन कर दिया है। ऐसे में रूबल अभी और गिर सकता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक संजय कुमार उपाध्याय द्वारा विवेक पब्लिशर्स, ए 16, सेक्टर 7, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर, उत्तर प्रदेश, से मुद्रित एवं 203 एफ 32, विजय ब्लॉक लक्ष्मी नगर, दिल्ली -11 00 92 से प्रकाशित। सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय में ही किया जाएगा। संपादकः संजय कुमार उपाध्याय। मो.: 8700635881, आर.एन.आई नं. DELHIN/2019/78266

संक्षिप्त समाचार

अलग-अलग सड़क दुर्घटना में तीन जख्मी

मदरलैण्ड संवाददाता, बेगूसराय। प्रखंड क्षेत्र के तीन अलग–अलग जगहों पर हुए सड़क दुर्घटना में तीन लोग गंभीर रूप से जख्मी हो गए. जख्मी की पहचान मेघौल गांव निवासी स्वर्गीय दिनेश कुमार सिंह के 25 वर्षीय पुत्र अंकेश कुमार, खोदावन्दपुर सीएचसी में कार्यरत स्वास्थ्य कर्मी व मंदा निवासी छोटन शर्मा के पुत्र विक्रम कुमार तथा मंझौल निवासी 65 वर्षीय वयोवृद्ध बौआ झा के रुप में की गयी.स्थानीय लोगों ने जख्मी को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खोदावंदपुर में भर्ती करवाया.जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार के बाद गंभीर रूप से जख्मी को बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल बेगूसराय रेफर कर दिया।

भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री श्री ऋतुराज सिन्हा ने की महाशिवरात्रि पर पुजा

मदरलैण्ड संवाददाता, पटना। भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री श्री ऋतुराज सिन्हा ने आज महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर बिहारवासियों को महाशिवरात्रि की शुभकामनाएं दी इस मौके पर सिन्हा ने पटना के विभिन्न स्थानों यारपुर, मीठापुर गर्दनीबाग नेहरू नगर, राजीव नगर , इंद्रपुरी, हनुमान नगर, गौरी शंकर मंदिर, शिव मंदिर खाजपुरा और दीघा में जाकर पूजा–अर्चना की और महाशिवरात्रि की शोभा यात्रा की झाँकी को झण्डा दिखा कर रवाना किया। इस मौके पर उन्होनें भगवान शंकर से लोगों के उत्तम स्वास्थ्य और शांति की कामना की। शोभा यात्रा की झांकी में सतीश राजू,अभिषेक सिंह बिन्नी , रंजन यादव , नीरज भारती , राजेश मुखिया , संजय गुप्ता , सत्येंद्र सिंह , पिंटू श्रीवास्तव , राजीव रंजन , विनय केशरी , संजय राय , आनन्द, रणवीर, मुकेश पासवान सहित कार्यकर्ता शामिल रहे।

ऑटो के साथ दो शराब तस्कर गिरफ्तार

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। गस्ती के दौरान वाहन जांच करने के दौरान मंगलवार को मीनापुर फुटानी चौक के पास आटो को रोक कर तलासी लेने पर तीन कार्टून विदेशी शराब बरामद होने पर आटो सहित दोनों युवक को हिरासत में ले कर पुलिस के द्वारा पुछताछ करने पर अपना नाम नूर आलम हरीगंज मोहल्ला कटिहार, सूरज कुमार मंडल बैगना नगर कटिहार का रहने वाला बताया. बलिया बेलौन थाना अध्यक्ष संजय कुमार पांडेय ने बताया की शक के आधार पर आटो को रोक कर तलासी लेने पर आटो के छत पर पैक किया हुआ तीन कार्टून को खोल कर देखने पर इस में 97.53 लीटर विदेशी शराब भरा हुआ था. दोनों आरोपी को हिरासत में लेने के साथ आटो को जप्त कर थाना लाया गया. दोनों आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजने की प्रक्रिया की जा रही है. उन्होंने कहा की हर हाल में सभी लोगों को शराब बंदी कानून का पालन करना होगा. जो भी शराब बेचने या पीते पकड़ा जायेगा उसे जेल जाना परेगा।

डायट कुमारबाग के प्रशिक्षकों के मनमानी से छात्र नाखुश

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। डिएलएड सत्र 2019–21 तथा सत्र 2020–22 का परिणाम 1 मार्च को घोषित होते ही छात्र अपने परिणाम से असंतुष्ट दिखें वहीं छात्रो में परिक्षा के परिणाम को लेकर काफी आक्रोश हैं छात्रो ने उचित मुल्यांकन के लिए ट्विटर के जरिये ट्वीट कर अपने परिणाम मे सुधार के लिए शिक्षा विभाग से गुहार लगाई हैं ।छात्रों का कहना है कि प्रशिक्षकों ने अपने पसंद के कुछ प्रशिक्षुओं को ही पूरा अंक आंतरिक अंक के तौर पर दिया है जो अन्य प्रशिक्षुओं से 150 अंक से ज्यादा है जो किसी भी लिहाज से उचित नही है। सबकुछ एक समान होने के बावजूद मूल्यांकन में ऐसे भेदभाव से शिक्षक नियोजन में पहले ही ऐसे प्रशिक्षु छट जाएंगे जिन्हें इतने कम अंक प्राप्त होंगे ।आक्रोशित छात्रों का कहना वे सभी वरीय शिक्षा पदाधिकारी के पास जायँगे और मनमानी करने वाले प्रशिक्षकों के खिलाफ करवाई की मांग करेंगे।

महाशिवरात्रि को लेकर निकाली गयी भव्य कलश शोभायात्रा, देवी गाछी तारा बरियारपुर एवं चकवा शिवमंदिर परिसर में कार्यक्रम आयोजित

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। क्षेत्र के प्रसिद्ध स्थान देवी गाछी तारा बरियारपुर एवं फफौत पंचायत के चकवा गांव में मंगलवार को महाशिवरात्रि को लेकर भव्य कलश शोभायात्रा निकाली गयी.शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ देवी गाछी से तारा सर्कल चौक से मुख्य पथ एस एच 55 तारा चौक से महना बांध, फफौत गांव का भ्रमण करते हुए नरहन पुल चौक स्थित बूढ़ीगंडक नदी में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ कलश में जल भरा. उसके बाद 251 श्रद्धालुओं ने सिर पर कलश लेकर पुनः उसी रास्ते से होते हुए मंदिर परिसर पहुंचकर जलाभिषेक किया. वहीं दूसरी ओर फफौत पंचायत के चकवा गांव स्थित शिवमंदिर में भी महाशिवरात्रि को लेकर कलशयात्रा निकाली गयी.कलश शोभायात्रा गाजे-बाजे के साथ चकवा गांव का भ्रमण करते हुए तारा चौक, बूढ़ीगंडक नदी के बांध से नरहन घाट स्थित कलश में जल भरवाया.उसके बाद 131 नर-नारियों ने पुनः उसी रास्ते से मंदिर परिसर पहुंचकर शिवलिंग पर जल चढ़ाया.इसकी जानकारी देते हुए आयोजक रघुवीर कुमार ने बताया कि दूर-दराज से श्रद्धालु जल भरकर बाबा भोलेनाथ एवं माता पार्वती का जलाभिषेक करते हैं.तथा मांगी गयी मन्नते भी पूरा होती है.उन्होंने बताया कि रात्रि में सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है.महाशिवरात्रि को लेकर क्षेत्र का वातावरण भक्ति में हो गया है.कार्यक्रम के सफल आयोजन में पूजारी रामनंदन, ग्रामीण सुजीत कुमार, संजीव कुमार उर्फ चनाचूर, अवतंश कुमार पिंटू, मुकेश यादव, सुरेश यादव, मंतोष कुमार, चकवा के विजय महतो, पूजारी दिनेश महतो, अखिलेश कुमार, नरेश महतो, रामरतन महतो, रुपेश कुमार सहित अनेक युवाओं ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

छात्र- युवा संवाद कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए की गयी चर्चा, बरियारपुर पश्चिमी गांव में आइसा प्रखंड कमिटी की हुई बैठक

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन प्रखंड कमिटी खोदावंदपुर की बैठक मंगलवार को बरियारपुर पश्चिमी गांव में संपन्न हुई. आयोजित बैठक की अध्यक्षता आइसा नेता मनीष कुमार ने किया.इस मौके पर बैठक में बोलते हुए इंकलाबी नौजवान सभा के प्रदेश सहसचिव वतन कुमार ने कहा कि नीतीश सरकार 19 लाख रोजगार देने के वादे से कतरा रही है. बिहार में शैक्षणिक अराजकता व बदहाली चरम पर है.मोदी सरकार नई शिक्षा नीति देश पर जबरन थोप कर शिक्षा को भी कॉरपोरेट के हवाले और निजीकरण करने में जुट गयी है.उन्होंने कहा कि बेहतर और सस्ती शिक्षा तथा रोजगार के लिए छात्र-नौजवानों का आंदोलन और तेज किया जायेगा.वहीं आइसा के प्रखंड सचिव असीम आनंद ने कहा कि 2020 के बिहार विधानसभा चुनाव में वर्तमान एनडीए की सरकार ने वादा किया था कि 19 लाख युवाओं को रोजगार देगें, लेकिन अबतक सरकार ने रोजगार देने का वादा पूरा नहीं किया है.इसलिए बिहार के बेरोजगार युवा आक्रोशित हैं तथा सड़कों पर उतरने को भी मजबूर हैं. उन्होंने सरकार से युवाओं का किये गये वादे को पूरा करवाने की मांग की है.बैठक में आइसा नेता कुंदन कुमार, एहतेशाम आजाद, समीर राज, रामबाबू रंजन, प्रदीप कुमार, पंकज कुमार आदि ने बताया कि आगामी पांच मार्च को बेगूसराय में छात्र युवा संवाद कार्यक्रम एवं 9 मार्च को पटना में छात्र युवाओं का रोजगार अधिकार महासम्मेलन की तैयारी पर भी विचार विमर्श किया गया।

प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी करते हैं जनप्रतिनिधियों की उपेक्षा, सदस्यों को भी बैठक की सूचना नहीं करवाते हैं हस्तगत

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। खोदावंदपुर के प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी सह पंचायत समिति के कार्यपालक पदाधिकारी हेमनारायण महतो के विरुद्ध जनप्रतिनिधियों ने मोर्चा खोल दिया है. जिला पार्षद पंकज कुमार शर्मा ने प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी पर मनमाने तरीके से काम करने एवं पंचायत प्रतिनिधियों के अधिकारों का हनन करने का आरोप लगाया है. श्री शर्मा ने बताया है कि सोमवार को हुई खोदावंदपुर पंचायत समिति की पहली व महत्वपूर्ण बैठक की कोई सूचना उन्हें नहीं दी गयी. जबकि उन्हें बैठक की तिथि से एक सप्ताह पहले ही इसकी विधिवत सूचना मिलनी चाहिए थी. उन्होंने बताया कि सूचना नहीं मिलने से वह इस बैठक में भाग नहीं ले सकें. उन्होंने बताया कि वह इस मुद्दे को जिला परिषद की बैठक में उठायेगें.वहीं दूसरी ओर बाड़ा पंचायत की मुखिया बेबी देवी ने भी पंचायत समिति की बैठक की सूचना नहीं दिए जाने की शिकायत करते हुए इस घटना को कार्यपालक पदाधिकारी पंचायत समिति की मनमानी कार्यशैली का परिणाम बताया है. बताते चलें कि सोमवार को प्रखंड मुख्यालय स्थित कपूर्री भवन के सभागार में त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद पंचायत समिति की पहली बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ साथ कई पंचायत प्रतिनिधि अनुपस्थित रहें, जिसका कारण बैठक की सूचना नहीं मिलना बताया गया है. इस संदर्भ में प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी हेमनारायण महतो ने कहा कि बैठक की सूचना व्हाट्सएप एवं मोबाइल के जरिए दिया गया था. लिपीक नहीं रहने के कारण पत्र सदस्यों को हस्तगत कराने में मिस्टेक हुई है.अगले बैठक में इसका सुधार कर लिया जाएगा.

महाशिवरात्रि के मौके पर कलश स्थापन के साथ ही अष्टयाम यज्ञ शुरू, क्षेत्र के शिवमंदिरों पर हजारों श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक

» मदरलैण्ड संवाददाता

बेगूसराय। फफौत पुल चौक स्थित शिवमंदिर परिसर में महाशिवरात्रि के मौके पर कलश स्थापन के साथ ही अष्टयाम यज्ञ का शुभारंभ किया गया. इसकी जानकारी देते हुए पुजारी गणदेव प्रसाद यादव, ग्रामीण प्रमोद कुमार, मंगल दास, गोविंद कुमार, सुनील कुमार आदि ने बताया कि महाशिवरात्रि को लेकर कलशयात्रा निकाली गयी.कलशयात्रा गाजेबाजे के साथ बूढ़ीगंडक नदी के नरहन घाट में वैदिक मंत्रोचार के साथ कलश में जल भरा.उसके बाद कलशयात्रा पुनः शिवमंदिर परिसर पहुंचकर संपन्न हो गया.साथ ही सीताराम राधेश्याम गौरी शंकर जय हनुमान के जयघोष से अष्टयाम यज्ञ का शुभारंभ किया गया. इसके अलावे सागी, दौलतपुर, बाड़ा, बरियारपुर पश्चिमी, बरियारपुर पूर्वी, फफौत, खोदावन्दपुर एवं मेघौल पंचायत क्षेत्र के विभिन्न शिवमंदिरों को आकर्षक ढंग से सजाया गया.इस मौके पर हजारों श्रद्धालुओं ने बूढ़ीगंडक नदी के विभिन्न घाटों, तालाब, कुआं एवं चापाकलों पर पवित्र स्नान कर भक्तजनों ने हर हर बम बम का नारा लगाते हुए शिवलिंग पर जलाभिषेक किया. महाशिवरात्रि को लेकर शिवमंदिर तेतराही, चलकी, मसुराज एवं मटिहानी में शिव पार्वती की झांकी भी निकाली गयी. तथा रात्रि में क्षेत्र के कई शिवमंदिरों पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है. इस कार्यक्रम के आयोजन से पूरे इलाके का वातावरण भक्तिमय हो गया है.

विभिन्न शिवालयों में हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की

केसरिया में निकाली गई भव्य शिव बारात व झांकी, सुबह से शाम तक बनी रही जाम की स्थिति

» मदरलैंड संवाददाता

मोतिहारी। जिले भर में अवस्थित विभिन्न शिवालयों में महाशिवरात्रि के अवसर पर मंगलवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी।इस दौरान श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर सुख-समृद्धि की कामना की।अरेराज स्थित उत्तर बिहार के सुप्रसिद्ध सोमेश्वरनाथ व केसरिया स्थित केशरनाथ महादेव मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।इसको लेकर मंदिर में सुबह से हीं श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने लगी।केशरनाथ मंदिर में करीब 50 हजार श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया।

आकर्षण का केंद्र रहा शिव बारात व झांकी

केसरिया में शोभा यात्रा समिति की ओर से भव्य शिव बारात व झांकी निकाली गई।आदर्श नगर पुरानी शिव मंदिर से निकली भव्य शिव बारात व झांकी नगर के विभिन्न मार्गो से होते हुए केशरनाथ मंदिर पहुंची।इस झांकी में अयोध्या से आए कलाकारों का शिव तांडव आकर्षण का केंद्र बना रहा।कलाकार भगवान शंकर के साथ ब्रह्मा,विष्णु,हनुमान,भगवान नरसिंह, गणेश, जामवंत आदि के रूप में दिखे।वहीं गाजे-बाजे के साथ निकली इस झांकी में दर्जनों हाथी,घोड़े व रथ इसकी शोभा बढ़ाते नजर आए।महाशिवरात्रि पर नगर चप्पा-चप्पा भगवान शिव व महावीरी ध्वज से पटा हुआ था।वही शोभायात्रा में शामिल लोगों के लिए जगह-जगह पर पेय पदार्थों के साथ साथ फलाहार की व्यवस्था की गई थी।

भीड के कारण प्रशासन के छुट रहे थे पसीने

अप्रत्याशित भीड़ के कारण प्रशासन के पसीने छूट रहे थे।केसरिया थानाध्यक्ष रोहित खुद विधि-व्यवस्था की कमान सम्भाले हुए थे।वहीं पुलिस निरीक्षक गौरी कुमारी,बीडीओ आभा कुमारी,सीओ प्रवीण कुमार सिन्हा,प्रशिक्षु एसआई सरस्वती कुमारी,अमित कुमार सहित पुलिस बल भ्रमणशील रहे।स्वास्थ्य विभाग की ओर डॉ दशरथ ठाकुर की देखरेख में मेडिकल कैम्प भी लगाया गया था।

बनी रही जाम की समस्या

श्रद्धालुओं की अत्याधिक भीड़ के कारण यातायात की समस्या बनी रही।जिसके कारण सुबह से शाम तक जाम की स्थिति रही।कदम चौक से केसरिया मुख्य बजाए तक वाहन रेंगते नजर आए।हालांकि जगह-जगह तैनात पुलिस बल ट्रैफिक की समस्या को कम करते दिखे।

ये रहे मौजूद

केसरिया में निकली शोभा यात्रा में आयोजन समिति के अध्यक्ष केशव प्रसाद जायसवाल,लव कुमार यादव, आमोद कुमार पाठक,गुलटेन कुशवाहा,मनीष चौरसीया,रामनरेश शर्मा,शुभम राज,नितेश सिंह उर्फ छोटु सिंह, अवनीश कुमार पाठक, अशोक चौरसिया,डॉ विवेक रंजन,मुना सर्राफ, रवि कुमार जायसवाल,नवल पासवान समेत हजारों श्रद्धालु शामिल हुए।

जूनियर बालक एवं बालिका रग्बी टीम को नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेने को लेकर डीएम ने किया रवाना

» मदरलैंड संवाददाता

मोतिहारी। जिलाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक के द्वारा मंगलवार को समाहरणालय परिसर से जिले के जूनियर बालक एवं बालिका रग्बी टीम को नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेने हेतु रवाना किया गया।इस अवसर पर जिलाधिकारी ने सभी खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए कहा कि आपका विजय निश्चित हो।उन्होंने खिलाड़ियों का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि बिहार के खिलाड़ी अपनी मेहनत और लगन से सिर्फ अपने जिले का ही नहीं बल्कि राज्य का भी नाम रौशन करें और पिछले साल की तरह इस साल भी विजयी होकर आए।इधर,मंगलवार को शहर के गांधी मैदान में सब जूनियर बालक एवं बालिका रग्बी प्रशिक्षण कैम्प संपन्न हुआ।जिसमें 15-15 बालक बालिकाओं ने भाग लिया।कैम्प के समापन के बाद हैदराबाद में होने वाले सब जूनियर नेशनल के लिए बालक एवं बालिका की 12-12 सदस्य की टीम का चयन किया गया।यह चयनित टीम दो मार्च को हैदराबाद के लिए रवाना होगी।बालिका टीम कोच गौतम प्रताप सिंह व प्रबंधक मधुलिका तिवारी एवं बालक टीम कोच गौरव चौहान व प्रबंधक राजा के देख-रेख में प्रदर्शन करेगी।टीम चयन के बाद खिलाड़ियों को बिहार रग्बी संघ के मुख्य संरक्षक सह बिहार ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार,बिहार रग्बी संघ के अध्यक्ष डॉ संजय प्रकाश म्यूख,बिहार रग्बी संघ के सचिव पंकज कुमार ज्योति,कुमार सिद्धार्थ और अन्य के द्वारा शुभकामनाएं दी गई।ज्ञात हो कि गत वर्ष भी मोतिहारी जिले के जूनियर बालक एवं बालिका रग्बी की दोनों टीमें राष्ट्रीय चैंपियन रह चुकी हैं।मौके पर जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार,श्रम अधीक्षक राकेश रंजन,जिला जनसंपर्क पदाधिकारीगुप्तेश्वर कुमार,सहायक निदेशक जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग धीरज कुमार आदि उपस्थित थे।

बिहार का बाबाधाम : शिवलिंग रूप में भोलेनाथ साथ विराजमान हैं माता पार्वती, रामायण-महाभारत काल से जुड़ी है गाथा

» श्रवण राज, मदरलैण्ड संवाददाता

पटना। बिहार में महाशिवरात्रि पर शिवभक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा है। शिवालयों में बम-बम के नारे गूंज रहे हैं। राजधानी पटना से सटे बैकटपुर गांव में स्थित प्राचीन और ऐतिहासिक शिव मंदिर में सुबह से ही भक्त जलाभिषेक करने पहुंच रहे हैं। इस मंदिर को श्री गौरीशंकर बैकुंठ धाम के नाम से भी जाना जाता है। मंदिर की सबसे खास बात यह है कि यहां शिवलिंग रूप में भगवान शिव के साथ माता पार्वती भी विराजमान हैं। शिवलिंग में 112 लिंग कटिंग है, जिसे द्वादश शिवलिंग भी कहा जाता है। छोटे शिवलिंगों को रूद्र कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि बैकठपुर जैसा शिवलिंग पूरी दुनिया में कहीं और नहीं है। इसकी गाथा रामायण और महाभारत काल से जुड़ी है।

जाने इस मंदिर की मान्यता और इतिहास..

राजा मान सिंह के सपने में आए थे भोलेनाथ

इस मंदिर का निर्माण मुगल शासक अकबर के सेनापति मान सिंह ने कराया था। मंदिर के पुजारी बताते हैं कि मान सिंह जब गंगा नदी में जलमार्ग से बंगाल विद्रोह को खत्म करने सपरिवार रनियासराय जा रहे थे उसी वक्त राजा मान सिंह की नाव मंदिर के किनारे गंगा नदी स्थित कौड़िया खाड़ में फंस गई। काफी प्रयास के बाद भी जब राजा मान सिंह की नाव कौड़िया खाड़ से नहीं निकल सकी तो पूरी रात मानसिंह को सेना सहित वहीं डेरा डालना पड़ा। कहते हैं कि रात को ही राजामान सिंह को सपने में भगवान शंकर ने दर्शन दिया और अपने जीर्ण-शीर्ण मंदिर को फिर स्थापित करने को कहा। मान सिंह ने उसी रात मंदिर के जीर्णोद्धार का आदेश दिया और उसके बाद यात्रा शुरू की और बंगाल में उन्हें विजय प्राप्त हुई।रामायण काल से जुड़ा मंदिर का इतिहास

इस मंदिर का इतिहास रामायण काल से जुड़ा है। प्राचीनकाल में गंगा के तट पर बसा यह क्षेत्र बैकुंठ वन के नाम से जाना जाता था। आनंद रामायण में इस गांव की चर्चा बैकुंठा के रूप में हुई है। माना जाता है कि लंका विजय के बाद रावण को मारने से जो ब्राह्मण हत्या का पाप लगा था, उस पाप से मुक्ति के लिए भगवान श्रीराम इस मंदिर में आए थे। यहां उन्होंने भगवान शंकर की पूजा की थी। काफी साल पहले मंदिर के आसपास जंगल थे, जहां ऋषि-मुनि तप करते थे। यह भी मान्यता है कि यहां आने के लिए गंगा नदी के उस तरफ के एक गांव में श्रीरामचंद्र जी रात्रि विश्राम किया था,

जिसके कारण कारण उस गांव का नाम राघवपुर पड़ा जो वर्तमान में वैशाली जिले के राघोपुर के नाम जाना जाता है।महाभारत काल में भी जिक्र

पुरानी कथाओं के मुताबिक महाभारत काल में भी इस मंदिर का जिक्र है। मान्यताओं के मुताबिक पुजारी बताते हैं कि मगध के राजा जरासंध के पिता बृहद्रथ भगवान भोलेनाथ के बड़े भक्त थे। वह प्रतिदिन गंगा किनारे आते और भगवान शिव की आराधना करते थे। इसी जगह पर एक ऋषि मुनि ने राजा बृहद्रथ को संतान उत्पत्ति के लिए एक फल दिया था, जिसे राजा ने दो टुकड़े कर अपनी दोनों पत्नियों को खिला दिया था। दोनों रानियों के एक पुत्र के अलग-अलग टुकड़े हुए थे, जिसे जंगल में फेंकवा दिया गया था। इसके बाद जोड़ा नाम की राक्षसी ने दोनों को जोड़ दिया और नाम रखा जरासंध।बांह पर शिवलिंग पहनता था जरासंध

जरासंध भी महादेव का बहुत बड़ा भक्त था। जरासंध रोज इस मंदिर में राजगृह से पूजा करने आता था। जरासंध हमेशा अपनी बांह पर शिवलिंग बांधता था। उसे भगवान शंकर से वरदान मिला था कि जब तक उसके बांह पर शिवलिंग रहेगा, उसे कोई हरा नहीं सकता है। जरासंध को पराजित करने के लिए भगवान श्रीकृष्ण ने छल से जरासंध की बांह पर बंधे शिवलिंग को गंगा में प्रवाहित करा दिया और जरासंध मारा गया।चीनी यात्री फाह्यान के यात्रा वृतांत में भी जिक्र

कहा जाता है कि सच्चे मन से बैकुंठधाम में भगवान शिव की जो भक्त पूजा करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती है। यहां बड़ी संख्या में शिवभक्त पहुंचते हैं। काशी विश्वनाथ और देवधर में बैद्यनाथ धाम के बाद इस मंदिर को बिहार का बाबाधाम कहा जाता है। चीनी यात्री फाह्यान ने यात्रा वृतांत में नालंदा दौरे के दौरान बैकठपुर मंदिर की चर्चा की है। वर्तमान जो स्वरूप देखा जा सकता है वह राजा मान सिंह द्वारा ही बनाया गया है।अक्सर शिव दर्शन के लिए आते हैं मुख्यमंत्री

पौराणिक और ऐतिहासिक महत्व वाले इस मंदिर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी आते-रहते हैं। यही नहीं बैकटपुर मंदिर में पुरी के शंकराचार्य जगतगुरू निश्चलानद जी भी 2007 में आ चुके हैं। वैसे तो हर साल इस मंदिर में श्रद्धालुओं का आना जाना लगा रहता है लेकिन महाशिवरात्रि और श्रावण माह में भोलेनाथ यहां आने वाले भक्तों की संख्या लाखों में पहुंच जाती है।

संक्षिप्त समाचार

गोरखधाम मंदिर परिसर में न्यास कमिटी सदस्यों संग कार्यालय में मुस्तैद अधिकारी

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। महाशिवरात्रि के अवसर पर गोरखधाम मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर बनाए गए कमिटी कार्यालय में गोरखधाम मंदिर न्यास समिति के सदस्यों संग सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से बारसोई अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी प्रेमनाथ राम,पुलिस निरीक्षक अरुण कुमार सिंह,सालमारी ओपी अध्यक्ष विजय कुमार यादव,एसआई देव कुमार मिश्र सहित बतौर प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी आजमनगर सीडीपीओ पामेला टुड्डू मुस्तैद दिखी जो हर गतिविधि पर नजर रख रहे थे ल ।इस दौरान मंदिर न्यास कमिटी सदस्यों में मंदिर के सक्रिय सदस्य अक्षय सिंह,मंदिर के सचिव पिंटू यादव के अलावे सनी यादव अमित अग्रवाल,राधा कांत घोष,राम चंद्र शर्मा,राम चंद्र यादव,शनि यादव सहित अन्य सदस्य महाशिवरात्रि के सफल आयोजन को लेकर अपेक्षित सहयोग करते दिखे जो प्रशासन को भीड़ नियंत्रण में सहयोग कर रही थी ।वहीं आयोजन को शांतिपूर्ण संपन्न कराने को लेकर बारसोई अनुमंडल प्रशासन सहित जिला प्रशासन कटिबद्ध दिखी।

गोरखधाम में दो वर्षों बाद श्रद्धालु लेंगे मेले का आनंद

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। गोरखधाम मंदिर कमिटी के सदस्य शनि यादव ने बताया कोरोना काल के दौरान 2 वर्षों से गोरखधाम मंदिर में श्रावणी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के मौके पर ना तो पूजा हुआ और ना ही मेले का आयोजन हुआ लेकिन कोरोना वायरस टूट चेन घटते संक्रमण दर को देखते हुए सरकार के निर्देश पर गोरखधाम में इसबार महाशिवरात्रि के मौके पर पूजा करने व मेले लगाने की अनुमति दी गई है। जहां सरकारी गाइड लाइन के तहत पूजनोत्सव से लेकर मेले का आयोजन किया जा रहा है ।जहां मेले का आनंद 2 वर्षों बाद मेला पहुंचने वाले श्रद्धालु लेंगे ।कई भक्त जनों से बात हुई उन्होंने कहा2वर्षों तक बाबा के दरबार में आने के लिए हम लोगों को इंतजार करना पड़ा बाबा की महिमा अपरंपार है ।कोरोना के संक्रमण की चेन टूटने के बाद2वर्षों बाद जलाभिषेक का अवसर मिला है ।इसके लिए बाबा के दरबार में आना तो जरूरी था ।हीं बाबा सब की मनोकामना पूर्ण करते हैं ।और जम कर मेले का आनंद लेंगे।

लाल कुर्ता पीली धोती धारण कर एसडीओ राजेश्वरी पांडेय ने गोखधाम पहुँच की पूजा अर्चना

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। लाल कुर्ता पीली धोती धारण किये बारसोई एसडीओ राजेश्वरी पांडेय ने गोखधाम पहुँच की पूजा अर्चना। महाशिवरात्रि के उपलक्ष पर गोरखधाम मंदिर पूजा अर्चना करने पहुंचे कटिहार जिले के बारसोई एसडीओ राजेश्वरी पांडेय जलाभिषेक करने पीली धोती लाल कुर्ता धारण किये पहुँचे तो एक बरगी लोग की नजरें धोखा खा गई ।फिर लोगों सहित मंदिर कमिटी सदस्यों ने बगैर देरी किये उनके पूजन कार्य की सारी तैयारियां मंदिर के प्रधान पुरोहित सुरजीत बनर्जी से कराया और फिर एसडीओ बारसोई पांडेय ने श्वेत मानस लिंग पर जलाभिषेक कर पूजा अर्चना कर मन्नते मांगी ।इस दौरान मन्दिर कमिटी के कई सदस्य मौजूद रहे ।वहीं पूजनोत्सव के बाद एसडीओ पांडे ने कहा मंदिर विस्तारीकरण और विकास कार्य को लेकर आगे उनकी रणनीति मंदिर न्यास कमिटी सदस्यों के साथ जारी रहेगी भगवान भोलेनाथ के प्रति उनकी असीम श्रद्धा है ।पहली बार एसडीओ को पीली धोती-लाल कुर्ता में देख एकबारगी लोगों ने कहा विरले ही ऐसे वस्त्रों में अधिकारी नजर आते हैं।

गोरखधाम में बनने वाले महा प्रसाद की है महत्ता

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। गोरखधाम मंदिर में गोरखधाम गोरखधाम मंदिर में महाशिवरात्रि के उपलक्ष पर मंदिर पहुंचने वाले भक्तों श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का भी आयोजन किया गया है पूजा कमेटी सदस्यों द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया गया है महाप्रसाद गोरखधाम मंदिर प्रांगण में ही बनाया जा रहा है कहा जा रहा है कि श्रावणी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के उपलक्ष पर गोरखधाम मंदिर में बनने वाले महाप्रसाद की प्राप्ति से हर मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं यही वजह है कि सदियों से यह परंपरा गोरखधाम मंदिर में चली आ रही है और इसी के तर्ज पर श्रावणी पूर्णिमा और महाशिवरात्रि के मौके पर यहां पर महाप्रसाद का आयोजन किया जाता है। वहीं मेले का भी आयोजन किया गया है।

गोरखधाम मंदिर से तुषार शांडिल्य की विशेष रिपोर्ट:-गोरखधाम में महाशिवरात्रि पर लाखों शिव भक्तों ने किया श्वेत मानस लिंग पर जलाभिषेक

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। कटिहार जिले के अतिप्राचीन ख्याति लब्ध गोरखधाम मंदिर में मंगलवार को लाखों शिवभक्तों ने जलाभिषेक किया ।मंगलवार की अल सुबह से हीं शिव भक्त श्रद्धालुओं का जलाभिषेक करने को पहुँचना शुरू हो गया था ।जो निरन्तर देर शाम तक चलता रहा श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विभिन्न चौक चैराहों पर दंडाधिकारी सहित पुलिस बलों की प्रतिनियुक्ति देखी गयी जिसकी मॉनिटरिंग सीसीटीवी कैमरे से की जा रही थी ।वहीं गोरखधाम प्रधान पुरोहित सुरजीत बनर्जी ने बताया1मार्च मंगलवार को महाशिवरात्रि के मौके पर लाखों शिव भक्त श्रद्धालुओं ने गोरखधाम सहित अन्य शिवालयों में श्रद्धालु जलाभिषेक करने पहुँचे ।जहां मंदिर परिसर में विराजमान अन्य देवी देवताओं की भी पूजा अर्चना करते श्रद्धालु दिखे ।गोरखधाम मंदिर में इसबार महाशिवरात्रि के अवसर पर निर्बान्ध भीड़ जुटी ।महाशिवरात्रि के मौके पर बारसोई एसडीओ सह मंदिर न्यास कमिटी के पदेन अध्यक्ष राजेश्वरी पांडेय भी लाल कुर्ता और पीली धोती कंधे पर पीला गमछा लिए मंदिर गर्भ गृह में पूजन कर मन्नते मांगी और कई आवश्यक निर्देश भी दे गए ।वहीं मेला में आने वालों के लिए इसबार मंदिर कमिटी मेले का भी आयोजन किये हुए हैं ।जहां विभिन्न निदेर्शों का पालन किया जा रहा ।मंदिर पहुँचने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के मद्देनजर प्रशासनिक स्तर पर अग्निशमन,एम्बुलेंस पेयजल व अन्य सुविधाओं को उपलब्ध किये हुए है ।बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम,पुलिस निरीक्षक अरुण कुमार सिंह,सालमारी ओपी अध्यक्ष विजय कुमार स्वयं गोरखधाम मंदिर में कैम्पिंग किये हुए थे ।जो हर गति विधि पर नजर रख रहे थे।श्रद्धालुओं के लिए गोरखधाम मंदिर में महा प्रसाद का भी वितरण किया जा रहा था।मंदिर न्यास कमिटी के सक्रिय सदस्य अक्षय सिंह ने बताया कोरोना काल के दौरान दो वर्षों तक गोरखधाम में सार्वजनिक रूप से पूजन कार्य अथवा जलाभिषेक नहीं हुआ था ।इसबार अप्रत्याशित श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी जहां प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित सहयोग किया जा रहा साथ हीं मंदिर कमिटी के वॉलेंटियर भी आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं ।वहीं गोरखधाम मंदिर में न्यास कमिटी के सदस्यों में पिंटू यादव,अक्षय सिंह ,अमित अग्रवाल,राधा कांत घोष,राम चंद्र शर्मा,राम चंद्र यादव,शनि यादव सहित अन्य सदस्य महाशिवरात्रि आयोजन को सफल बनाने में अपेक्षित सहयोग कर रहे हैं।

कहते हैं गोरखधाम के प्रधान पुरोहित:-

गोरखधाम मंदिर के प्रधान पुरोहित सुरजीत बनर्जी ने बताया1मार्च मंगलवार को महाशिवरात्रि के मौके पर लाखों शिव भक्त श्रद्धालुओं ने गोरखधाम सहित अन्य शिवालयों में श्रद्धालु जलाभिषेक करने पहुँचे ।जहां मंदिर परिसर में विराजमान अन्य देवी देवताओं की भी पूजा अर्चना करते श्रद्धालु दिखे।

कहते हैं बारसोई एसडीओ राजेश्वरी पांडेय:-

कटिहार जिले के बारसोई अनुमंडल के एसडीओ राजेश्वरी पांडेय ने कहा महाशिवरात्रि को लेकर मंदिर न्यास कमिटी की तरफ से तैयारी पूरी कर ली गयी है ।जलाभिषेक को लेकर पुरुष और महिलाओं के लिए अलग अलग लाइनों की व्यवस्था की गई है ।प्रशासनिक स्तर पर दंडाधिकारीयों सहित पुलिस बलों की भी प्रतिनियुक्ति विभिन्न चौक चौराहों पर की गई है ।नारायणपुर चौक सहित अन्य मार्गों के रास्ते से होकर शिव भक्त श्रद्धालु मंदिर पहुँच रहे थे ।ऐसे सभी मार्गों पर बड़े वाहनों के प्रवेश पर रोक है।

कहते हैं डीएसपी:-

कटिहार जिले के बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम ने कहा महाशिवरात्रि को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर स्वयं और पुलिस निरीक्षक अरुण कुमार सिंह,सालमारी ओपी अध्यक्ष विजय कुमार के साथ गोरखधाम मंदिर में कैंप किये हुए है।

कहते हैं सक्रिय सदस्य अक्षय सिंह:-

मंदिर न्यास कमिटी के सक्रिय सदस्य अक्षय सिंह ने बताया कि कोरोना काल के दौरान2वर्षों तक गोरखधाम में सार्वजनिक रूप से पूजन कार्य अथवा जलाभिषेक नहीं हुआ था ।इसबार अप्रत्याशित श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी जहां प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित सहयोग किया जा रहा साथ हीं मंदिर कमिटी के वॉलेंटियर भी आयोजन को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

कहते हैं मंदिर के सचिव पिंटू यादव:-

गोरखधाम मंदिर के सचिव पिंटू यादव ने कहा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी मंदिर न्यास कमिटी को प्रशासनिक स्तर पर अपेक्षित सहयोग सहित श्रद्धालुओं के हित में प्रशासनिक स्तर पर पूरा सहयोग मिल रहा है ।मेले का संचालन सुचारु रुप से किया जा रहा प्रशासन की तरफ से भी हर गतिविधि पर नजर रखी जा रही ।पूरी व्यवस्था प्रशासनिक स्तर पर देखी जा रही किसी तरह की त्रुटि होने पर प्रशासन ध्यान आकृष्ट कराती है ।जिसे दूर किया जाता है।

आईआरसीटीसी रामपथ दर्शन के लिए विशेष पर्यटक ट्रेन चलाएगा, 20 मार्च की संध्या को कटिहार से ट्रेन प्रस्थान करेंगी

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड के क्षेत्रीय प्रबंधक माधव साहा ने बताया कि इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन लिमिटेड भारतीय रेलवे की एक विस्तारित शाखा है। जो भारतीय रेलवे प्रणाली पर पेशेवर पर्यटन और आतिथ्य सेवाओं से संबंधित है। आईआरसीटीसी अपने सम्मानित यात्रियों के लिए न्यू कूचबिहार से शुरू होकर रामपथ दर्शन के लिए एक विशेष तीर्थ विशेष पर्यटक ट्रेन का संचालन करेगा। इस ट्रेन में स्लीपर कोच और 3एसी कोच दोनों उपलब्ध कराए जाएंगे।

क्षेत्रीय प्रबंधक माधव साहा ने बताया कि तीर्थ विशेष पर्यटक ट्रेन न्यू कूचबिहार रेलवे स्टेशन से 20.03.2020 को प्रस्थान करने वाली है। 2022 और वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर, रामजन्मभूमि और अयोध्या में विभिन्न मंदिरों, हरिद्वार में हर-की-पौड़ी में गंगा आरती, भारत मंदिर, लक्ष्मण मंदिर, लक्ष्मण झूला और ऋषिकेश में राम झूला, भगवान कृष्ण जन्म भूमि जैसे स्थलों को कवर करेगा। मथुरा, इस्कॉन मंदिर और वृंदावन में प्रेम मंदिर, संगम इलाहाबाद में हनुमान मंदिर में पवित्र स्नान और दर्शन।

क्षेत्रीय प्रबंधक माधव साहा ने बताया कि न्यू कूचबिहार से न्यू कूचबिहार तक की पूरी यात्रा 8 रात 9 दिन में कवर की जाएगी। यात्रियों को पूरी यात्रा के दौरान गर्मजोशी से आतिथ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी ।जिसमें स्लीपर क्लास में आने-जाने की सभी पुष्टि, सभी भोजन (शाकाहारी), गंतव्यों पर बसों के माध्यम से भूमि परिवहन और ठहरने के स्थानों पर आवास की सुविधा शामिल होगी। गाइड और एस्कॉर्ट्स, जहाज पर सुरक्षा व्यवस्था, यात्रा बीमा, जहाज पर हाउसकीपिंग सेवाओं आदि जैसी संबद्ध सेवाओं का भी आईआरसीटीसी द्वारा ध्यान रखा जाएगा।

क्षेत्रीय प्रबंधक माधव साहा ने बताया कि यात्रियों द्वारा उपरोक्त सेवाओं का लाभ बहुत ही मामूली लागत पर प्राप्त किया जा सकता है। स्लीपर क्लास के लिए 8505 और रु.14, 175/- में (3एसी) विशेष पर्यटक ट्रेन का संबंधित स्टेशनों से यात्रियों के बोर्डिंग और डी-बोर्डिंग के लिए न्यू कूचबिहार - मयनागुरी रोड - जलपाईगुड़ी रोड - न्यू जलपाईगुड़ी और कटिहार में ठहराव भी होगा ।इस विशेष पर्यटक ट्रेन के टिकट की बुकिंग www.irctctourism.com पर ऑनलाइन मोड के माध्यम से उपलब्ध है।

एसपी ने की गोरखधाम पहुंच पूजा-अर्चना सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा दे गए कई निर्देश

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। महाशिवरात्रि के मौके पर गोरखधाम मंदिर पहुंचे आरक्षी अधीक्षक कटिहार जितेंद्र कुमार ने मंदिर गर्भगृह में प्रवेश कर पूजा अर्चना किया ।पूजा अर्चना करने के पश्चात जिले में अमन-चैन बरकरार रहे भाईचारा बनी रहे को लेकर मन्नतें मांगी साथ ही पूजन उत्सव समाप्ति के बाद मंदिर न्यास कमिटी सदस्यों संग एसपी कटिहार जितेंद्र कुमार ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए कई आवश्यक निर्देश मौके पर मौजूद बारसोई डीएसपी प्रेमनाथ राम,पुलिस निरीक्षक अरुण कुमार सिंह, सलमारी ओपी अध्यक्ष विजय कुमार को कई आवश्यक निर्देश दे गए ।इस दौरान आरक्षी अधीक्षक कटिहार के साथ पूजन उत्सव के दौरान मंदिर न्यास समिति सदस्य मौजूद रहे ।इस दौरान अधिकारियों की नियुक्ति और पुलिस जवानों की प्रतिनियुक्ति की अद्यतन जानकारी ली और एसपी कटिहार ने जाते-जाते सभी पदाधिकारियों को हिदायत दे गए कि कर्तव्य में किसी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी ।कर्तव्य के प्रति लापरवाह जो भी पदाधिकारी पाए जाएंगे उनके विरुद्ध विधि सम्मत कार्रवाई की जाएगी ।त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराना प्रशासन के साथ-साथ सदस्यों की भी जवाबदेही है ।शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न कराने को लेकर कटिहार प्रशासन से लेकर बारसोई अनुमंडल प्रशासन कटिबद्ध है ।किसी तरह की कोई बात हो तो कमिटी सीधे मुझसे बात कर सकते हैं ।ऐसा एसपी कटिहार जितेंद्र कुमार कह गए हैं।

शाहनगर गांव में आग लगने से एक घर व उसमें रखे सारा सामान जलकर हुआ राख

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। प्राणपुर प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत गौरीपुर पंचायत के शाहनगर गांव के वार्ड संख्या तीन निवासी मीना खातुन पति शेख मजीद के घर में सोमवार की मध्य रात्रि अचानक आग लग जाने से एक घर व उसमें रखा सारा सामान व दो बकरी जलकर राख हो गया ।स्थानीय ग्रामीणों के सहयोग से आग पर काबू पाया गया तथा अन्य घरों को जलने से बचाया गया। आग बुझाने के पूर्व घर व सारा सामान जलकर राख हो चुका था ।स्थानीय मुखिया प्रमोद कुमार सिंह वार्ड सदस्य नाजनी खातुन समाज सेवी शेख बबलू सहित कई अन्य ग्रामीणों ने बताया कि अगलगी से पीड़ित परिवार अत्यंत गरीब व भूमिहीन है ।किसी तरह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का भरण पोषण करता था ।मुखिया सिंह ने आग लगी से पीड़ित परिवार से रूबरू होते हुए सरकारी सहायता दिलाने का आश्वासन दिया है ।उक्त घटना से पीड़ित परिवार का रो-रो कर बुरा हाल हैं।

स्वतंत्रता सेना के पुत्र सुमन्त कुमार सिंह को किया सम्मानित

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बिहार पुलिस सप्ताह दिवस के अवसर पर कदवा थाना अध्यक्ष रंजय कुमार सिंह के द्वारा कुम्हडी मैदान में वॉलीबॉल टूनामेंट एवं लड़कियों का कबड्डी खेल का आयोजन किया गया। जिसमें ग्रामीण बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कदवा प्रखंड के स्वतंत्रता सेनानी स्वर्गीय विष्णु प्रसाद सिंह के पुत्र सुमन्त कुमार सिंह को थाने परिसर में बुलाकर सभी को शाल देकर सम्मानितकिया। जो आज तक किसी पदाधिकारी इस तरह का पब्लिक के बीच में आयोजन नहीं किया गया था ।कदवा के थानाध्यक्ष जो आजादी के कितने वर्ष बीत जाने के बाद आज इस तरह का आयोजन किया गया। और पब्लिक के बीच में वृक्षारोपण जल जीवन हरियाली शराब बंदी को लेकर विशेष रूप से चर्चा किया गया। नशा मुक्त बिहार को करने का संकल्प लिया। इसके लिए सभी सभी स्वतंत्रता सेनानी के पुत्र सुमन्त कुमार सिंह ने थाना प्रभारी को धन्यवाद ज्ञापन दिया और कदवा के तमाम जनप्रतिनिधि एवं आम पब्लिक इस कार्यक्रम से बहुत प्रसन्न है। और उत्साहित है। कल का पुलिस और आज का पुलिस में बहुत अंतर है। इसी तरह का और पुलिस के बीच में सामंजस्य स्थापित बना रहे।

महा शिवरात्रि के मौके पर निकाली गई भव्य शोभा यात्रा

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। हसनगंज प्रखंड स्थित श्री श्री 108 शिव मंदिर कमेटी के द्वारा शिवरात्रि के अवसर पर ऋषि मुनि शिव मंदिर वघुआकोल बबेया से मंगलवार को भव्य शोभा कलश यात्रा निकाली गई। जिसका विधिवत फीता काटकर जिला परिषद शाहिद अख्तर, समाजसेवी दिलीप झा, मेला अध्यक्ष वासुदेव उरांव, महेश दास, प्रदीप दास, मो अशफाक, संजय झा, ज्योतिष कांत कुँवर आदि ने शुभारंभ किया। इस दौरान क्षेत्र के तमाम श्रद्धालु इस कलश यात्रा में शामिल हुए। कलश यात्रा में करीब 1001 कन्याओं ने भाग लिया। इसकी जानकारी मेला कमेटी के सदस्यों ने दिया है। कलश यात्रा निकलने से पूर्व वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की गई। जिसके बाद शिव मंदिर परिसर से कन्याओं ने कलश में जल भरने के लिए पहुंचे और कलश में शुद्ध जल भर कर क्षेत्र का भ्रमण किया। पुनः कलश लेकर ऋषि मुनि शिव मंदिर पहुंचे। भोलेनाथ के शिवलिंग पर जलाभिषेक किया गया। बताया जा रहा है कि महा शिवरात्रि को लेकर भव्य मेला का आयोजन किया जा रहा है।

भारीडीह ऐतिहासिक मेले का शुभारंभ फीता काटकर सांसद किया

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। हसनगंज प्रखंड के बलुआ पंचायत स्थित ऐतिहासिक व प्राचीन शिव मंदिर भरीडीह भव्य मेला का शुभारंभ मंगलवार को महाशिवरात्रि पर लगने वाले मेले का उद्घाटन सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी, विधान पार्षद अशोक अग्रवाल, वर्तमान प्रमुख नीलू देवी, जिला परिषद सदस्य शाहिद अख्तर, पूर्व जिला पार्षद कुमार कुलजीत उर्फ पिंटू सिंह, समिती प्रतिनिधि सदानन्द तिर्की, मेला अध्यक्ष बबलू मुर्मू, सचिव ओमप्रकाश निर्झर, अवधेश कुमार, उमाकांत, मिथिलेश, जिला महामंत्री प्रशांत झा, अनिल और एनडीए परिवार के कार्यकर्ता के अलावा मेला कमिटी के सदस्य आदि ने सयुक्त रूप से फीता काटकर किया। इस दौरान सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी ने भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की। और मौके पर सांसद दुलाल चंद्र गोस्वामी और विधान परिषद अशोक अग्रवाल ने कहा कि मेलों में क्षेत्र की संस्कृति के दर्शन होते हैं। इसके माध्यम से लोगों को एक-दूसरे से मेल-मुलाकात करने का मौका स्वरूप मिलता है। आज की व्यस्तता भरी जिंदगी में ये मेले सुकून भी देता हैं। उन्होंने कहा कि शिव मंदिर भरीडीह में सालों से महाशिवरात्रि की मेला का आयोजन होता आ रहा है। मौके पर कहा गया कि भारीडीह मंदिर को पर्यटक स्थल के रूप में बनाया जाएगा। मेला सचिव ओमप्रकाश निर्झर और समाजसेवी अमित कुमार ने कहा कि भारतीय संस्कृति की धरोहर है आपस मे भाई चारा बढ़ता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन संस्कृति को बचाने में मेलों की भूमिका महत्वपूर्ण है। भरीडीह मेला प्रखंड में ही नही पूरे जिला में एक खास पहचान रखता है। कर्यक्रम का संचालन पंचायत समिति प्रतिनिधि सदानन्द तिर्की ने किया। इस मौके पर विकास झा, अभय महतो, विपिन महतो, परमानंद महतो, पप्पू मंडल, गौतम कुमार समेत क्षेत्र के अन्य लोग मौजूद रहे। बता दें कि सर्वाधिक भीड़ शिव मंदिर भारीडीह में पहुंचती है। जिसके मद्देनजर पुलिस प्रशासन की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद है।

अस्पताल की ममता दीदी का मानदेय भुगतान नही करने से आक्रोश में बैठी धरना पर

» मदरलैण्ड संवाददाता

कटिहार। बरारी प्रखंड के दर्जन भर ममता को सता रहा स्वास्थ्य विभाग ,रेफरल अस्पताल में कार्यरत ममता को एक वर्षों से मानदेय का भुगतान नही किये जाने से आक्रोशित सीएचसी बरारी में धरना पर बैठी, ममता में कार्यरत उषा देवी,प्रेमलता देवी,सुनीता देवी,रविना देवी,रीना देवी,जानकी देवी,सुनीता देवी,तारा देवी ने प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक पर मनमाना रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए बताया कि एक तो मनमाने ढंग से रेफरल अस्पताल में काम काज बंद कर कब सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बरारी में स्वास्थ्य सेवा चालू किया गया गोपनीय ढंग से,हम सभी ममता का मानदेय मार्च 2ड21 से बकाया है,जल्दी भगतान नहीं किया गया तो आन्दोलन उग्र होगा ।

बथनाहा:आस्था और उल्लास के साथ मनाई गई महाशिवरात्रि

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

बथनाहा। मदिरों में घंटों के बजने और 'हर हर महादेव' तथा 'बम बम भोले' के जयकारों के बीच मंगलवार 1 मार्च को महाशिवरात्रि पर्व पूरे देश में पूरी श्रद्धा के साथ मनाया गया. इस दौरान मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखी गई. विभिन्न शहरों में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही.पौराणिक मान्यताओं के अनुसार आज के दिन भगवान शिव और देवी पार्वती का विवाह हुआ था. जिसे हर साल शिवरात्रि के रूप में मनाया जाता है और हिंदू धर्म में इसे विशेष मान्यता प्राप्त है. जिसमें बड़ी संख्या में शिवभक्त उपवास भी रखते हैं।शिवभक्तों ने विधि विधान से भगवान शिव का जलाभिषेक किया। साथ ही शिव मंदिर पर लगे मेले में जमकर खरीदारी की। मीरगंज व बथनाहा कोशी शिविर के शिव मंदिर के प्रांगण में इस वर्ष मेला का आयोजन किया गया हैं। समाजसेवी सह पूजा कमिटी के कार्यकर्ता अजय सहनी ने बताया कि शिव मंदिर का इतिहास लगभग सौ वर्ष पुराणा हैं। इस वर्ष मेले का आयोजन किया गया है मेले में फारबिसगंज अनुमंडल क्षेत्र एवं नेपाल से भी शिवभक्त जलाभिषेक करने बड़ी संख्या में आते है।

महाशिवरात्रि का धार्मिक महत्व

पंचांग के अनुसार चंद्रमास का का चौदहवां दिन शिवरात्रि के नाम से जाना जाता है और यह शिवरात्रि जब फाल्गुन मास के कृष्णपक्ष की चतुर्दशी को पड़ती है तो वह महाशिवरात्रि कहलाती है। महाशिवरात्रि को भगवान शिव की पूजा के लिए सबसे पुण्यदायी और फलदायी माना गया है. मान्यता है कि भगवान शिव ने महाशिवरात्रि के दिन ही अपने भक्तों को शिवलिंग के रूप में दर्शन दिए थे। यही कारण है कि यह महापर्व पूरे भारतवर्ष में पूरी श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाता है. महाशिवरात्रि के महापर्व को कोई महादेव के के विवाह के उत्सव के रूप में तो कोई भगवान शिव द्वारा अपने शत्रुओं पर विजय पाने के दिवस के रूप में भी मनाते हैं।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों में भक्तों ने किया जलाभिषेक व दूधाभिषेक..

हर वर्ष की भांति इस साल भी देवकांत तिवारी व डॉ धीरज सौरव ने किया दूधाभिषेक

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

बेतिया। ठकराहा महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव की पूजा का विशेष महत्व है। इससे विशेष महत्व तब हो जाता है। जब महाशिवारात्रि का दिन सोमवार होता है। इस बाबत गाव के विभिन्न शिवालयों में सुबह सात बजे से ही भक्तों का आना-जाना लगा रहा। पंडित दिवाकर मिश्रा ने बताया कि इस बार मंगलबार के दिन महाशिवरात्रि आया है। इस दिन शिवच्लग पर जलाभिषेक व दूधाभिषेक करने वाले भक्तों पर भगवान शिव की असीम कृपा होती है। भक्तों ने बेल पत्र, पुष्प, जल, अगरबत्ती, धतुरा के पुष्प और दूध से शिवच्लग की विधि-विधान पूर्वक पूजा अर्चना की। संध्या बेला मंदिरों में भगवान शिव की श्रृंगार पूजा की गई। जिसमें हजारों की संख्या भक्त जन पहुंचे। शिवालयों में संध्या चार बजे तक जलाभिषेक होता रहा। शिवच्लग पर जलाभिषेक करने के उपरांत भक्तों ने मंदिर परिसर के तीन चक्कर लगा कर ओम नमः शिवाय का जाप किया। ऐसी ही माहौल गाव के विभिन्न शिवालयों में लगा रहा। इनमें मुख्य रूप से सुप्रसिद्ध रामजनकी शिव मंदिर, प्रखंड कार्यालय स्थित शिव मंदिर, देवी मंदिर, काली माता मंदिर, सोना माई मंदिर, दुर्गा मत मंदिर और भिन्न देव स्थानों सहित कई अन्य शिवालय शामिल थे। पंडित मिश्रा ने बताया कि महाशिवरात्रि के दिन भक्तजन उपवास रखकर जलाभिषेक करते हैं। संध्या बेला श्रृंगार पूजा के उपरांत अपना व्रत खोलते हैं। साथ ही अपने आस-पड़ोस के लोगों के बीच प्रसाद का वितरण करने का भी विधान है। सुप्रसिद्ध राम जानकी के शिवमंदिर पर डॉ धीरज सौरव, देवकांत तिवारी, विकास तिवारी, सुजीत तिवारी, झुनू पांडे सहित कई गणमान्य ने जलाभिषेक किया।

संक्षिप्त समाचार

सहायक शिक्षिका का लगातार अनुपस्थित रहने का मामला तूल पकड़ा

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा प्रखंड स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय बडहरवा में सहायक शिक्षिका रूही नाज की अनुपस्थिति का मामला तूल पकड़ता जा रहा है ।जिला शिक्षा पदाधिकारी ने पत्र जारी करके गौनाहा बीईओ अरविंद भारती व बीआरपी विनय मिश्र से वित्तीय अनियमितता को लेकर स्पष्टीकरण की मांग किया है ।विदित हो कि प्रधान शिक्षक अजय यादव ने डीपीओ स्थापना को पत्र देकर बतलाया है कि शिक्षिका रूही नाज वर्ष 2021 के अगस्त महीने से विद्यालय में अनुपस्थित है। इस मामले में विद्यालय के प्रधान शिक्षक अजय प्रसाद यादव प्रखंड शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला अधिकारी को पत्र लिखकर उचित कार्रवाई की मांग की है। दिए गए पत्र में यह बताया गया है की बार-बार शिक्षिका को फोन करके विद्यालय में उपस्थित होने के लिए बोला गया लेकिन शिक्षिका के द्वारा कोई ठोस जवाब नहीं मिला। शिक्षिका की विद्यालय से अगस्त 2021 से दिसंबर 2021तक का प्रतिमाह का अनुपस्थितिविवरणी शून्य करके बीआरसी को दिया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि शिक्षिका का विद्यालय के प्रति कोई लगाव नहीं दिख रहा है। इस मामले में उचित कार्रवाई की मांग की गई है। इधर बीईओ भारती ने बताया कि शिक्षिका का 6 महीना पहले एक्सीडेंट में पैर टूट गया था। जिसका ऑपरेशन करवाई थी। उसके बाद बीआरसी कार्यालय में उसका योगदान करा लिया गया है।

शिवरात्रि के दिन शिवालयों में उमड़ी श्रद्धालुओ की भीड़

मदरलैण्ड संवाददाता, बेतिया। गौनाहा महाशिवरात्रि को लेकर प्रखंड स्थित सभी शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी है। सुबह-सुबह श्रद्धालु शिव मंदिरो में पूजा-अर्चना कर भक्ति भाव से श्रद्धा सुमन अर्पित किया। प्रखंड के मठ मंझरिया स्थित शिव मंदिर में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ देखने को मिली। मठ मंझरिया शिव मंदिर के पुजारी विजय गिरी ने बताया कि इस शिवालय की एक मान्यता है कि यहां श्रद्धालु त्रिवेणी व अन्य जगहों से जल भरकर लाते है और महाशिवरात्रि के दिन इस मंदिर में जलाभिषेक करते है। यहां पर विभिन्न प्रकार की पूजा की जाती है। बहुत श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूर्ण होने इस मंदिर में चढ़ावा चढ़ाते है। मंझरिया शिवालय के कार्यकताओं में हरेंद्र गिरी, रामायण साह, सत्यनारायण चौधरी, महेंद्र पासवान, उमा चौधरी,बुधु यादव, किश्मत, गणेश गिरी, गीटा पासवान आदि शामिल थे।ऐसे ही कोहरगड्डी, सोफा मंदिर आदि जगहों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गयी। गौनाहा व सहोदरा थाना अपने दल-बल के साथ उक्त क्षेत्रो में गश्ती करते देखे गए ताकि कोई अप्रिय घटना न हो पाए।

सांसद कार्यालय में मनाई गई मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जन्मदिन

मदरलैण्ड संवाददाता, कटिहार। मिरचाईबाड़ी स्थित सांसद कार्यालय में बिहार मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 71 वाँ जनन्दिन हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया ,इस मौके पर कटिहार के सांसद दुलाल चंद गोश्वामी सहित जेडीयू जिला अध्यक्ष शमीम इकबाल ,प्रदेश महासचिव शिव प्रकाश गारोडिया ,जदयू जिला उपाध्यक्ष उमाकांत आनंद सहित जेडीयू के कई नेता और कार्यकर्ता इस मौके पर मौजूद रहे , पर सांसद ने सभी जेडीयू नेताओं को केक खिलाकर और बधाई दी , इस मौके पर मौजूद जद यू कार्यकर्ताओ ने इस दिन को विकास दिवस के रूप में मनाते हुए कटिहार सांसद दुलाल चंद गोस्वामी कहा की मुख्यमंत्री जो विकास पुरुष है और देश राजनीति में एक ऐसी शक्शियत है जो अपनी ईमानदारी से पुरे देश में जाने जाते है उन्होंने कहा की कटिहार जिला जनतादल यूनाइटेड की तरफ से लोग माननीय मुख्यमंत्री को बधाई दे रहे हैं ,उन्होंने कहा की मुख्यमंत्री काम पर विश्वास रखते हैं और इस अवसर पर हमलोगो ने ईश्वर प्रार्थना किया की मुख्यमंत्री को भगवान इतनी ताकत दे की बिहार का विकास और तेजी से हो। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अमित साह ,मोजीबुर रहमान , संजीव श्रीवास्तव, आशीष बलिदानी, हीरा लाल रही ,आदि जदयू और बीजेपी के लोग शामिल थे

ठकराहा का लाल लगातार कर रहा है कमाल

सैकड़ों की संख्या में लोगों ने दी बधाई

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

बेतिया। बगहा पुलिस जिला निवासी मलिक सिंह का पुत्र अंकित सिंह का हाल ही में सबइंस्पेक्टर के पद पर चयन हुआ है।चयन के बाद से ही अंकित सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहते हैं।अपने उम्र के नवयुवकों के लिए अनुकरणीय है हमेशा अपनी सोशल मीडिया पर किए गए पोस्ट से नवयुवकों में जोश भरते हैं। छपरा को बिहार पुलिस सप्ताह के मध्य नजर छपरा जिला पदाधिकारी डॉ नीलेश व पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार ने सोमवार को छपरा कलेक्ट्रेट सभागार में सब इंस्पेक्टर अंकित कुमार सिंह को प्रशस्ति पत्र देकर उज्जवल भविष्य की कामना की हैं। ज्ञात हो कि यह प्रशस्ति पत्र अच्छी पुलिसिंग और विधि व्यवस्था में अग्रणी योगदान के लिये मिला है। इसको लेकर बगहा पुलिस जिले के ठकरहां थाना निवासी अंकित सिंह के प्रशस्ति पत्र मिलने पर ठकराहा सहित धनहा, बगहा गंडक पार के प्रखंडों में खुशी का माहौल व्याप्त है। ठकराहां के समाजसेवी कृष्ण मुरारी तिवारी, वीरेंद्र तिवारी, राहुल तिवारी , पुष्पेंद्र तिवारी, चंद्र प्रकाश तिवारी, अभिषेक तिवारी, अविनाश तिवारी,मिथिलेश गुप्ता डॉ. ज्ञानेश्वर गुंजन, हैदर अली अरुण कुशवाहा, सुग्रीव शर्मा आदि गणमान्य लोगों ने अपने लाल के कमाल पर बधाई दी है।

एएनएम की सेवानिवृत्ति पर विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मनसाही के एएनएम माधुरी कुमारी के सेवानिवृत्ति पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी कृष्ण देव पंडित ने एएनएम के कार्यकाल की सराहना की एवं कहां की सेवानिवृत्ति के बाद जब भी मन हो अस्पताल अवश्य रूप से आवे। वहीं अस्पताल के स्वास्थ्य कर्मी के द्वारा एएनएम माधुरी कुमारी को माला पहनाकर बुके देकर एवं संपूर्ण वस्त्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर एएनएम माधुरी कुमारी ने बताया कि मेरा पहला योगदान कदवा प्रखंड के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कदवा में 5 मई 1985 में हुआ था। पुनः 2014 में 1 वर्ष के लिए डिप्टेशन सदर अस्पताल कटिहार हुआ ,फिर 1 अगस्त 2015 को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र मनसाही में योगदान किए और आज 28 फरवरी 2022 को सेवानिवृत्त हो गए। इस अवसर पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी केडी पंडित, पूर्व प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ एम. के. चौधरी, बीसीएम कल्पना, बीएमसी मधु कुमारी,क्लर्क पुष्कर राज, रविशंकर कुमार ,रवि पंडित, राजीव रमण,राजीव कुमार, मो. सहाबुद्दीन,पिकेश कुमार, कमल किशोर झा, मीना कुमारी, मनोरमा देवी, सेजल जैयसवाल, तनुजा कुमारी, शबाना कुमारी, ओम प्रकाश ,रहमत आदि मौजूद थे।

फलका में पंचायत समिति की बैठक संपन्न

आंगनबाड़ी में अनियमितता का मुद्दा मामला छाया रहा

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

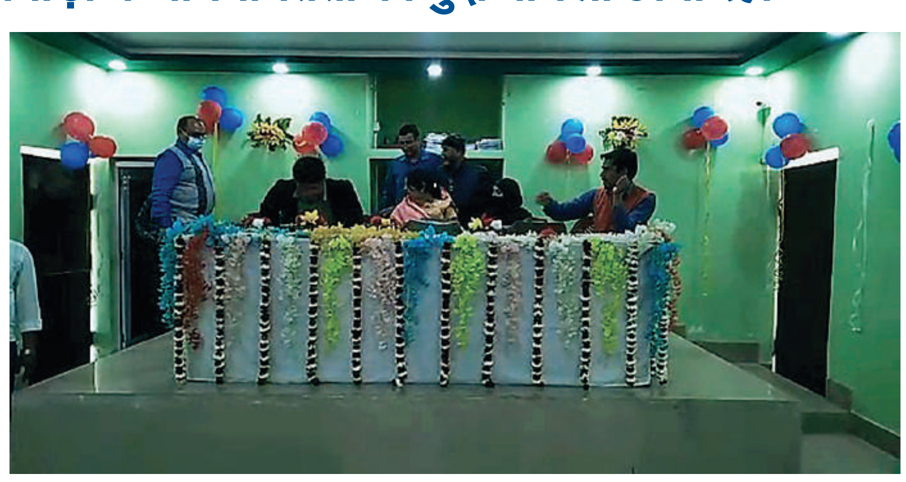

कटिहार। फलका प्रखंड स्थित सभागार में पंचायत समिति बैठक काफी गहमा गहमी के साथ संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख दीपशिखा सिंह ने की।

बैठक में प्रमुख श्रीमती सिंह ने कहा कि प्रखंड और अंचल कार्यालय में कुछ कर्मियों द्वारा जनता का आर्थिक दोहन करने की शिकायत मिल रही है। उन्होंने कहा कि किसी भी कार्य को लेकर प्रखंड मुख्यालय आये आमजन को परेशान करने वाले कर्मी संभल और सुधर जाएँ।

बैठक में सर्वप्रथम पंचायत समिति की स्थायी समितियों का गठन किया गया।ग्राम सभा में लिए मनरेगा पूरक योजना का उनमोदन किया गया। जनप्रतिनिधियों ने आंगनबाड़ी में टीएचआर वितरण में अनियमितता एवं वितरण के समय जनप्रतिनिधियों को सूचना नहीं देने का मामला छाया रहा। बैठक में स्वास्थ्य,जलापूर्ति, बिजली, शिक्षा, मनरेगा, कन्या विवाह योजना पर भी गहन विचार विमर्श हुआ। बैठक में बीडीओ मधु कुमारी,प्रभारी पंचायती राज पदाधिकारी विजय कुमार, सीओ दिवाकर कुमार,थानाध्यक्ष उमेश पासवान, चिकित्सा प्रभारी पीके सिंह,पीओ अनवर कलीम,उप प्रमुख नेहा प्रवीण,मुखिया चंदना झा,अनिता गुप्ता,प्रीति पटेल,निभा देवी,राजू नायक,हृदय नारायण यादव,बिनोद मिर्धा ,राजेश कुमार रंजन,समिति सदस्य मनोज मंडल,पूनम देवी,सतीश मंडल,हिटलर यादव,शिला देवी,उपेंद्र महतो,नजीर,शंकर मोहाली आदि ने भाग लिया।

सेवानिवृत सब इन्स्पेक्टर को दिया विदाई

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

कटिहार। फलका थाना के सब इंस्पेक्टर मुबारक अली 28 फरवरी को सेवानिवृत हो गए। थाना परिसर में विदाई समारोह आयोजित किया गया। समारोह की अध्यक्षता कर रहे थानाध्यक्ष उमेश पासवान ने कहा की मुबारक अली का जितना भी तारीफ किया जाए वह कम है। सेवानिवृत दरोगा श्री अली ने कहा कि जिस तरह मैं यहां का कार्य सफलता पूर्वक किया और यहां के आम लोगों का मुझे जो सहयोग प्यार मिला। राजनीति से जुड़ा हुआ हो या जनप्रतिनिधि या समाजसेवी हो या यहां के पत्रकार बंधु हो सबों का अपेक्षा से बहुत ज्यादा सहयोग हमेशा मिला।जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता हूँ। इस मौके पर प्रशिक्षु दरोगा अनिल कुमार दास,राजवीर साहू,शिवप्रसन्न सिंह,अरुण कुमार सिंह, रोहित पासवान,अजीत राय,राकेश यादव,चंदन चौधरी, आदि ने भी सेवानिवृत दरोगा मोबारक अली के कार्यों की सराहना और ईश्वर से स्वास्थ्य रहने की कामना की। कार्यक्रम के बाद सेवानिवृत दरोगा मोबारक अली को थानाध्यक्ष उमेश पासवान ने शॉल फूल के बुके आदि उपहार भेंट किया।

इस अवसर पर चौकीदार मिथिलेश कुमार,चंदन कुमार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष,साजिद आलम आदि ने भाग लिया।

पटना को रिंग रोड और नये पुलों की सौगात, 10 हजार करोड़ से मिलेगी विकास को रफ्तार

» **मदरलैण्ड संवाददाता**

पटना। राज्य सरकार के बजट 2022-23 से राजधानी के विकास की रफ्तार तेज होगी है. बजट में शहर के लगभग 20 बड़े प्रोजेक्टों की राशि को स्वीकृत या विस्तारित किया गया है. आगामी वित्तीय वर्ष में पैसे की उपलब्धता के कारण ये प्रोजेक्ट आसानी से पूरे होंगे.

लोगों को अधिक सुविधाएं उपलब्ध हो पायेंगी

इन प्रोजेक्ट से पटना में सड़क, अस्पताल, स्मार्ट सिटी, मेट्रो, शिक्षा के बड़े भवन आदि क्षेत्र में लोगों को और अधिक सुविधाएं उपलब्ध हो पायेंगी. रिंग रोड, नये पुल के निर्माण से लेकर शहर के बड़े अस्पतालों में सुविधा बढ़ेंगी. अगले वित्तीय वर्ष में इन प्रोजेक्टों पर करीब 10 हजार करोड़ की राशि वाले प्रोजेक्ट पर काम होने हैं.

सुविधा: स्मार्ट सिटी और मेट्रो

पटना स्मार्ट सिटी मिशन के तहत कुल नौ योजनाओं में कुल 317.07 करोड़ की लागत से कायारंभ हो चुका है. पटना मेट्रो रेल परियोजना के तहत दो कॉरिडोर का चयन किया गया है. अब तक इस योजना को पूरा करने के लिए केंद्र सरकार की ओर से 213 करोड़ और राज्य सरकार की ओर से 262.50 करोड़ उपलब्ध कराया गया है. इसके लिए दिल्ली मेट्रो रेल को 482.87 करोड़ का कार्य आवंटन किया गया है. पटना के शहरी क्षेत्र के परिवेशीय वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए पटना नगर निगम के द्वारा परिवहन विभाग को डीजल चालित व्यावसायिक बसों में नये सीएनजी इंधन चालित बस में बदलने के लिए 3.75 करोड़ की स्वीकृति दी गयी है

शिक्षा: पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग के लिए नया भवन

पटना के बिहटा में सेंट्रल इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (सीमेट) चेन्नई के द्वारा 10 एकड़ भूमि में बीटेक, एमटेक कोर्स शुरू करने के लिए इंस्टिट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स टेक्नोलॉजी (आइपीटी) की स्थापना की जायेगी. वहीं, 248.57 करोड़ की लागत से बिहटा में विकास प्रबंधन संस्थान का निर्माण कार्य किया जा रहा है. 889.26 करोड़ की लागत से बिहार पशु विज्ञान विवि का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया है.

चिकित्सा : पीएमसीएच और आइजीआइएमएस अस्पताल में बढ़ेंगी सुविधाएं

पटना चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल यानी पीएमसीएच के पुनर्विकास योजना के लिए 5540.07 करोड़ के लागत से 5462 बेड का विश्व का दूसरा सबसे बड़ा अस्पताल निर्माण किया जा रहा है. पटना के इंदिरा गांधी आयुर्विज्ञान संस्थान मे 100 बेड के स्टेट कैंसर इंस्टिट्यूट की स्थापना की गयी है. इसके अलावा 1200 अतिरिक्त बेड अस्पताल भवन का निर्माण कराया जा रहा है.

सड़क: रिंग रोड और महात्मा गांधी सेतु के समानांतर पुल

वित्तीय वर्ष 2021-22 में पटना-गया-डोभी के 127 किमी कार्य का निर्माण किया जा रहा है.पटना रिंग रोड के तहत कंहौली से रामनगर छह लेन का कार्य किया जा रहा है. महात्मा गांधी सेतु के पूर्व लेन का काम किया जा रहा है. इसे इस वर्ष मई तक पूरा कर लिया जायेगा. महात्मा गांधी सेतु के समानांतर चार नये पुल का निर्माण किया जा रहा है. कच्ची दरगाह से बिदुपुर गंगा नदी में छह लेन पुल का निर्माण किया जा रहा है. शहर को जाम से मुक्ति दिलाने के लिए कारगिल चौक से पटना साइंस कॉलेज तक डबल डेकर फ्लाइओवर के निर्माण की स्वीकृति दी गयर है और कार्य प्रारंभ कर दिया गया है.

इंफ्रास्ट्रक्चर: साइंस सिटी और तारामंडल की सुविधा

158 करोड़ की लागत से पटना संग्रहाल का उन्नयन कार्य किया जा रहा है. बिहार म्यूजियम से अंडरग्राउंड रास्ते का निर्माण किया जाना है. 640.51 करोड़ की लागत से पटना में अब्दुल कलाम साइंस सिटी का निर्माण किया जा रहा है. तारामंडल में प्रोजेक्शन सिस्टम में आधुनिक करने के लिए 36 करोड़ 13 करोड़ की लागत से का काम किया जा रहा है.

अन्य सुविधाएं : परिवहन भवन और प्रकाशपुंज संग्रहालय

161.30 करोड़ की लागत से पटना के फुलवारी शरीफ में परिवहन विभाग का भवन और वर्कशॉप का निर्माण कार्य किया जा रहा है. 169.50 करोड़ की लागत से पटना हाईकोर्ट का विस्तारीकरण कार्य पूरा किया गया है. पटना साहिब में प्रकाशपुंज को विश्वस्तरीस संग्रहालय के लिए रूप में विकसित करने के लिए 13 करोड़ 65 लाख 66 हजार की स्वीकृति दी गयी है. पटना में प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक)की स्थापना के लिए 65.55 करोड़ की स्वीकृति दी गयी है.

क्विज कांटेस्ट के लिए ऑनलाइन पंजीकरण शुरू

शिमला, 1 मार्च 2022 : भारतीय कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र ने 7वें कोरिया-इंडिया फ्रेंडशिप क्विज कांटेस्ट के लिए पंजीकरण शुरू किया है। इस कांटेस्ट में पूरे भारत से छात्र भाग ले सकते है। इस क्विज कांटेस्ट के आयोजन का उद्देश्य स्कूली छात्रों के बीच कोरिया और इसके विविध पहलुओं के बारे में जागरूकता फैलाना है, जिससे देश, उसके लोगों और वर्षों से भारत के साथ उनकी बातचीत को बेहतर ढंग से समझा जा सके। 7वें कोरिया-इंडिया फ्रेंडशिप क्विज कांटेस्ट में भाग लेने के लिए छात्रों को सबसे पहले www.koreaindiaquiz2022.com पर ऑनलाइन पंजीकरण करना होगा।

यह प्रतियोगिता कोरिया के समाज और संस्कृति, परंपराओं, इतिहास, कला, वास्तुकला, प्रकृति, वन्य जीवन, भूगोल, पर्यटन और यात्रा स्थलों, व्यंजनों, विरासत, भाषा, खेल, विज्ञान तकनीकी नवाचारों, कूटनीति से संबंधित सभी प्रकार के ज्ञान पर केंद्रित होगी।

इस कांटेस्ट को तीन भागों में बांटा गया है। पहला ऑनलाइन राउंड वेब लिंक के माध्यम से पंजीकरण करने के बाद 15 अप्रैल तक होगा, इसमें छात्र अपने सुविधाजनक समय के अनुसार प्रश्नोत्तरी ले सकते हैं, अंत में छात्र को एक इलेक्ट्रॉनिक भागीदारी प्रमाण पत्र प्राप्त होगा। दूसरा दौर 5 क्षेत्रों में विभाजित किया जाएगा- उत्तर, दक्षिण, पश्चिम, पूर्व और मध्य भारत। यह प्रतियोगिता 27 अप्रैल से 29 अप्रैल तक प्रत्येक क्षेत्र के लिए अलग-अलग निर्धारित तिथियों पर आयोजित की जाएगी। दूसरे दौर से चुने गए प्रत्येक क्षेत्र के विजेताओं की फेश टू फेश प्रतियोगिता 12 मई (गुरुवार) को दिल्ली में होने वाले ग्रैंड फिनाले वाले स्थान में होगी।

अंतिम प्रतियोगिता में कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र ने के-पॉप और ताइक्वांडो प्रदर्शन, कोरियाई भोजन और हनबोक (कोरियाई पारंपरिक पोशाक) जैसे विभिन्न कार्यक्रम का भी आयोजन होगा।

कोरियन कल्चरल सेंटर इंडिया के निदेशक ह्वांग इल-योंग ने कहा, ह्लमहामारी की कठिन स्थिति के बावजूद, कोरियाई सांस्कृतिक केंद्र भारत ने लगातार विभिन्न रूपों में भारतीय छात्रों के लिए युवा सांस्कृतिक आदान-प्रदान परियोजनाओं और कार्यक्रमों को बनाए रखा है और आगे भी ऐसा करना जारी रखेंगें। हमें उम्मीद है कि भारतीय छात्र वास्तविक अनुभव और ज्ञान के माध्यम से कोरिया और कोरियाई संस्कृति के बारे में अधिक जानने में सक्षम होंगे। प्रथम विजेता को 2,00,000 रुपये, उपविजेता को 1,50,000 रुपये, द्वितीय उपविजेता (तीसरी रैंक) को 1,00,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इसके अलावा सभी 10 जोनल चैंपियन को 2 साल के लिए केसीसीआई सदस्यता, सम्मान प्रमाण पत्र और 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।'

नेशनल प्रोटीन डे पर ब्रिटानिया अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन लेने का कर रहा आग्रह

चंडीगढ़ : नेशनल प्रोटीन डे, 27 फरवरी, 2022 को भारत की सबसे बड़ी फूड्स एवं डेयरी कंपनियों में से एक, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड अपने हैशटैग स्टार्टप्रोटीनस्ट्रांग कैम्पेन के लॉन्च के माध्यम से अपने प्रोटीन रिच चीज द्वारा ग्राहकों के लिए नया प्रस्ताव लेकर आया है। भारत के प्रोटीन पैराडॉक्स के अनुसार भारत के घरों में प्रोटीन के कम उपभोग के अनेक कारण हैं, जिनमें से सबसे मुख्य कारण है प्रोटीन के सही स्रोत की पहचान न कर पाना। प्रोटीन एक महत्वपूर्ण मैक्रोन्यूट्रिएंट है और यह किसी भी आहार का मुख्य तत्व होना चाहिए। श्री अभिषेक सिन्हा, चीफ बिजनेस ऑफिसर, डेयरी बिजनेस, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने कहा, हालांकि, सन 2020 में आईसीएमआर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत के गांवों में केवल 5प्रतिशत लोग और शहरों में केवल 18 प्रतिशत लोग ही अपेक्षित मात्रा में अच्छा प्रोटीन लेते हैं। नेशनल प्रोटीन डे के अवसर पर ब्रिटानिया अपने नए कैम्पेन, हैशटैग स्टार्टप्रोटीनस्ट्रांग के माध्यम से उपभोक्ताओं को अच्छी क्वालिटी के प्रोटीन के स्रोत के रूप में ब्रिटानिया चीज की भूमिका के बारे में शिक्षित कर रहा है। गाय के दूध से बने ब्रिटानिया चीज के दो स्लाईस एक ग्लास दूध या 35 ग्राम पनीर के बराबर प्रोटीन देते हैं। शाकाहारी स्रोतों में गाय के दूध से सबसे अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। इस ब्रांड का उद्देश्य भारत के अभिभावकों को अपने बच्चों के आहार में अच्छी क्वालिटी के प्रोटीन के एक अच्छे व स्वादिष्ट स्रोत के रूप में ब्रिटानिया चीज को शामिल करने के लिए प्रोत्साहित करना है। भारत की लगभग 35 प्रतिशत माताएं जानती हैं कि प्रोटीन एक मैक्रोन्यूट्रिएंट है, लेकिन यह केवल 3 प्रतिशत माताएं ही जानती हैं कि प्रोटीन महत्वपूर्ण क्यों है और हमें यह क्यों खाना चाहिए। इस नई श्रृंखला का लॉन्च प्रदर्शित करता है कि ब्रिटानिया चीज भारतीयों को अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलने में होने वाली इस कमी को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

संक्षिप्त समाचार

गोवर्धन दूध ने भी बढ़ाए दाम, मदर डेयरी ने भी कीमत बढ़ाने के दिए संकेत

नई दिल्ली, एजेंसी। यूक्रेन-रूस की जंग से वैश्विक बाजार के प्रभावित होने के साथ ही देशी बाजार भी अछूता नहीं रहा अब अमूल के बाद गोवर्धन का दूध भी महंगा हो गया है। देश की प्रमुख एफएमसीजी डेयरी कंपनी पराग मिल्क फूड्स लिमिटेड ने गोवर्धन ब्रांड के गाय के दूध की कीमत में दो रुपये प्रति लीटर बढ़ोतरी की घोषणा की है। यह बढ़ोतरी आज से लागू हो गई है। इस बढ़ोतरी के बाद गोवर्धन गोल्ड मिल्क गोल्ड की कीमत 48 रुपये से बढ़कर 50 रुपये हो गई है। इसी तरह गोवर्धन फ्रेश की कीमत 46 रुपये से 48 रुपये पहुंच गई है। कंपनी के चेयरमैन देवेंद्र शाह ने कहा कि करीब तीन साल के बाद कीमतों में बढ़ोतरी की गई है। उन्होंने कहा कि एनर्जी, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक्स और पशु चारे की कीमतों में भारी बढ़ोतरी से कंपनी के पास दूध की कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं था। उन्होंने कहा कि दूध की कीमतें दो रुपये प्रति लीटर बढ़ाई गई हैं। साथ ही ट्रेड डिस्काउंट और दूसरी लागत में भी कटौती की गई है। इससे पहले अमूल दूध की कीमत भी आज से महंगी हो गई है। अमूल ब्रांड का संचालन करने वाली सहकारी कंपनी गुजरात सहकारी दुग्ध विपणन महासंघ (जीसीएमएमएफ) ने सोमवार को एक बयान में इसकी घोषणा की। कंपनी ने कहा कि बिजली, पैकेजिंग, लॉजिस्टिक और पशु-चारे की लागत बढ़ने से उसके लिए कीमत बढ़ाने के अलावा कोई चारा नहीं था। कंपनी ने कीमतों में दो रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। दूध की बढ़ी हुई कीमतें आज यानी एक मार्च से लागू हो गई हैं। अमूल ने सभी मिल्क उत्पादों अमूल गोल्ड, अमूल शक्ति और अमूल ताजा की कीमतों में प्रति लीटर दो रुपये की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली-एनसीआर में अब एक लीटर अमूल गोल्ड की कीमत 59 रुपये और अमूल ताजा की कीमत 49 रुपये प्रति लीटर हो गई है। इस बीच मदर डेयरी ने भी दूध की कीमत बढ़ाने का संकेत दिया है। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि हम स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं क्योंकि इनपुट कॉस्ट में भारी बढ़ोतरी हुई है। उदाहरण के लिए लिए जुलाई 2021 से फार्म प्राइजेज में 8 से 9 फीसदी बढ़ोतरी हुई है। हम स्थिति को देखते हुए इस बारे में फैसला करेंगे।

फरवरी में 14 फीसदी घटी हुंदै मोटर इंडिया की कुल बिक्री

नयी दिल्ली, एजेंसी। हुंदै मोटर इंडिया ने मंगलवार को कहा कि फरवरी में उसकी कुल बिक्री सालाना आधार पर 14 प्रतिशत घटकर 53,159 इकाई रह गई। हुंदै मोटर इंडिया ने एक बयान में कहा कि कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 61,800 इकाइयां बेची थीं। समीक्षाधीन माह में घरेलू बिक्री सालाना आधार पर 14.6 प्रतिशत घटकर 44,050 इकाई रह गई। टोयोटा किर्लोस्कर की थोक बिक्री फरवरी में 38 प्रतिशत घटकर 8,745 इकाई रह गई। कंपनी ने फरवरी 2021 में घरेलू बाजार में डीलरों को 14,075 इकाइयां भेजी थीं। निसान इंडिया की कुल थोक बिक्री फरवरी में 57 प्रतिशत बढ़कर 6,662 इकाई हो गई। कंपनी ने पिछले माह घरेलू बाजार में 2,456 इकाइयों की बिक्री की और 4,206 इकाइयों का निर्यात किया। ऑटो विनिमार्ता ने पिछले साल इसी माह में 4,244 इकाइयों की थोक बिक्री की थी। स्कोडा ऑटो ने बताया कि फरवरी में उसकी बिक्री में पांच गुना से अधिक की वृद्धि हुई और यह 4,503 इकाई रही। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 853 इकाइयां बेची थीं। स्कोडा ऑटो इंडिया ने एक बयान में कहा कि फरवरी 2022 की बिक्री में मुख्य रूप से कुशाक एसयूवी का योगदान था। एमजी मोटर इंडिया ने कहा कि उसकी खुदरा बिक्री सालाना आधार पर पांच प्रतिशत बढ़कर फरवरी 2022 में 4,528 इकाई हो गई, जो फरवरी 2021 में 4,329 इकाई थी।

जीएसटी कलेक्शन ने फिर बनाया सरकार को मालामाल, फरवरी में 133026 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की मोदी सरकार के लिए लगातार बढ़ रही महंगाई के बीच राहत की खबर है। फरवरी 2022 में जीएसटी कलेक्शन बढ़कर 133026 करोड़ रुपये पहुंच गया है। जीएसटी वसूली का आंकड़ा फरवरी 2021 के मुकाबले 18 फीसदी ज्यादा है। वहीं,फरवरी 2020 के मुकाबले 26 फीसदी कलेक्शन बढ़ा है ।यह लगातार पांचवां महीना है, जब जीएसटी कलेक्शन 1.30 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है। फरवरी में सीजीएसटी कलेक्शन 24435 करोड़ रुपये, एसजीएसटी 30779 करोड़ , आईजीएसटी 67471 करोड़ रुपये और सेस 10340 करोड़ रुपये रहा है। केंद्र सरकार का रेवेन्यू फरवरी महीने में रेग्युलर सेटलमेंट के बाद 50782 करोड़ रुपये रहा है। इस दौरान राज्यों का टोटल रेवेन्यू 52688 करोड़ रुपये रहा है। वित्त मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, जीएसटी के इतिहास का यह तीसरा सबसे ज्यादा कलेक्शन है। इसके पहले जनवरी 2022 में सरकार को जीएसटी से 140986 करोड़ रुपये की कमाई हुई थी, जो अब तक की सबसे ज्यादा वसूली है। इससे पहले अप्रैल, 2021 में जीएसटी कलेक्शन 139708 करोड़ रुपये रहा था, जो दूसरी सबसे बड़ी वसूली है। इसके बाद फरवरी 2022 में मोदी सरकार को तीसरी बार सबसे ज्यादा 133026 करोड़ रुपये की कमाई हुई है।

शिव नादर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में 2022-23 के सत्र के लिए प्रवेश शुरू

चंडीगढ़, 1 मार्च, 2022: भारत में सबसे नए इंस्टीट्यूट ऑफ एमिनेंस शिव नादर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में शैक्षणिक सत्र 2022-23 के लिए प्रवेश शुरू हो गए हैं। यह यूनिवर्सिटी अपने चार स्कूल्स एवं एकेडमी ऑफ कंटीन्यूईंग एजुकेशन में अपने सभी कार्यक्रमों के लिए आवेदन आमंत्रित कर रही है, जहां इंजीनियरिंग, नैचुरल साईंसेज, मैनेजमेंट-एंट्रप्रेन्योरशिप एवं ह्यूमनिटीज और सोशल साईंसेज में अंडरग्रेजुएट रिसर्च कार्यक्रम कराए जाते हैं। अगले शैक्षणिक वर्ष में यह यूनिवर्सिटी एक नए यूनिफाईड बैचलर इन टेक्नॉलॉजी कार्यक्रम के साथ बीएससी (रिसर्च) कैमिस्ट्री डिग्री में तीन नए स्पेशलाईजेशन शुरू कर रही है।

कर्नल गोपाल करुणाकरन, एग्जिक्यूटिव डायरेक्टर, शिव नादर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर ने कहा, ह्यह्यशिव नादर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर में हमारा उद्देश्य हर उम्र के लर्नर्स की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा कर 21वीं सदी के करियर द्वारा लोगों को सशक्त बनाना है। इसके लिए हमारे विद्यार्थियों को शोध सुविधाएं प्रदान करना, विभिन्न कोर्स में मजबूत संसाधन, व्यक्तिगत एवं कल्याणकारी सहायता, शैक्षणिक मार्गदर्शन और हमारे एवं उनके साथ की संपूर्ण अवधि में एक सामुदायिक भावना प्रदान करना आवश्यक है।'

शिव नादर यूनिवर्सिटी, दिल्ली-एनसीआर के डायरेक्टर ऑफ एडमिशंस एवं आउटरीच, अनिल कुमार नायर ने कहा, ह्यह्यशिव नादर यूनिवर्सिटी ने अभिनवता और उद्यमशीलता की भावना को सदैव प्रोत्साहित किया है। अगले शैक्षणिक वर्ष में हम विदेशों में अनेक पार्टनर यूनिवर्सिटीज के साथ सहयोग कर अपने विद्यार्थियों को विस्तृत अवसर प्रदान करेंगे। हमारे विद्यार्थियों को शोध पर केंद्रित और सहयोगात्मक वातावरण में विश्वस्तरीय शिक्षा मिलती है और वो फॉर्च्यून 500 कंपनियों के साथ काम कर चुके हैं।'

कंटीन्यूएशन टूवर्ड्स #कीपगर्ल्सइनस्कूल, व्हिस्पर- ने अपनी नवीनतम अभियान फिल्म लॉन्च की और 'द मिसिंग चैप्टर' का उल्लेख किया

हिसार: 1 मार्च 2022: भारत के अग्रणी महिला देखभाल ब्रांड व्हिस्परइ ने अपने #कीपगर्ल्सइनस्कूल आंदोलन के हिस्से के रूप में 'द मिसिंग चैप्टर' नामक अपनी नई फिल्म लॉन्च की। अपने प्रमुख कार्यक्रम #कीपगर्ल्सइनस्कूल के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता को संबोधित करने के उद्देश्य से, व्हिस्परइ द्वारा अभियान फिल्म मुख्य रूप से यह स्पष्ट करने के लिए डिजाइन की गई है कि कैसे एक लड़की की अवधि की शिक्षा की कमी उसके लापता स्कूल के दिनों में योगदान करती है, एक स्थिति जो भारतीय में अवधि शिक्षा की स्पष्ट अनुपस्थिति से बढ़ जाती है। पाठ्यपुस्तकें। इस अभियान के बारे में बात करते हुए अखिल मेश्राम, सीनियर डायरेक्टर, कैटेगरी लीडर, व्हिस्परइ, भारतीय उपमहाद्वीप, प्रॉक्टर एंड गैंबल ने कहा, 'व्हिस्परइ में, हम पिछले 25 वर्षों से मासिक धर्म स्वच्छता प्रबंधन और पीरियड एजुकेशन के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। . दो साल पहले शुरू किए गए 'कीप गर्ल्स इन स्कूल' (केजीआईएस) आंदोलन ने इस प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाया है कि कैसे युवा लड़कियों और उनके परिवारों को पीरियड्स को वर्जित के रूप में देखने की जरूरत नहीं है। इस साल, केजीआईएस 3.0 को बढ़ाकर, हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि देश में सभी किशोरियों में से 100% को मासिक धर्म स्वच्छता के बारे में शिक्षित किया जाए ताकि कोई भी लड़की अपनी अवधि के कारण स्कूल छोड़ने के लिए मजबूर न हो। ऑल-गर्ल्स स्कूल में सेट की गई अभियान फिल्म में युवा लड़कियों को लाल कागज की एक रहस्यमयी पर्ची से गुजरते हुए दिखाया गया है, जो किसी तरह से उनकी जिज्ञासा को शांत करती प्रतीत होती है।

प्रकटीकरण ढांचा एक सकारात्मक कदम इससे कंपनियों की पारदर्शिता बढ़ेगी : एचसीएल फाउंडेशन

नई दिल्ली, एजेंसी। पारदर्शिता को लेकर शुरू से आग्रही रही एचसीएल फाउंडेशन की निदेशक निधि पुंढीर ने कहा है कि कंपनियों द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) खर्च के लिए सरकार द्वारा अधिसूचित विस्तृत प्रकटीकरण ढांचा एक सकारात्मक कदम है, क्योंकि इससे पारदर्शिता बढ़ेगी। पुंढीर ने कहा कि हालांकि सरकार ने इस साल इसके प्रारूप को अधिसूचित किया है, लेकिन एचसीएल टेक्नोलॉजीज की सीएसआर शाखा- एचसीएल फाउंडेशन 2015-16 से ही अपने सीएसआर खर्च के विवरण का खुलासा कर रही है। उन्होंने कहा, ह्ययह एक बहुत अच्छी बात है। यह एक बहुत ही सकारात्मक कदम है ह्लएचसीएल फाउंडेशन ने सीएसआर कानून को अपनाया है। पुंढीर ने कहा कि सीएसआर गतिविधियों के संचालन के लिए 10 नियमों के साथ एक नई सीएसआर नीति भी लागू की गई है।

सरकार द्वारा अधिसूचित कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व (सीएसआर) खर्च के लिए नए खुलासा या प्रकटीकरण ढांचे से विश्लेषणात्मक कार्यों में मदद मिलेगी और खर्च के संबंध में अधिक पारदर्शिता आएगी। लाभप्रद कंपनियों के लिए सीएसआर व्यवस्था अप्रैल, 2014 में लागू हुई थी और 30 सितंबर, 2021 तक उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष के दौरान इन कार्यों के लिए 8,828.11 करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके हैं। इस महीने की शुरूआत में कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय ने फॉर्म सीएसआर-2 (कॉरपोरेट सामाजिक दायित्व पर रिपोर्ट) को अधिसूचित किया। इस फॉर्म का मकसद सीएसआर खर्च के बारे में बारीक विवरण हासिल करना है, जो विश्लेषणात्मक उद्देश्यों के लिए जरूरी है। इससे हितधारकों को यह जानने में भी मदद मिलेगी कि कंपनियां अपने सीएसआर दायित्वों के साथ क्या कर रही हैं। नई खुलासा आवश्यकताओं का उद्देश्य कंपनियों की गतिविधियों में अधिक पारदर्शिता लाना है।

एम्स ने कराया अध्ययन: पैकेज्ड फूड पर 'चेतावनी देने वाले लेबल्स' बने लोगों की पसंद

चंडीगढ़ : देश में पैकेज्ड फूड की खपत अभूतपूर्व स्तरों तक जा पहुंची है और ऐसे में भारत फ्रंट पैक लेबालिंग (एफओपीएल) को लागू करने पर जोर दे रहा है। भारत सरकार के सर्वोच्च चिकित्सा संस्थान, एम्स ने एक अनूठी पहल करते हुए, एक अध्ययन कराया ताकि यह पता लगाया जा सके कि भारतीयों के मामले में कौन सा लेबलिंग सिस्टम सबसे ज्यादा स्वीकार्य है। इस अध्ययन के नतीजों को सर्वोच्च चिकित्सा विशेषज्ञों के मौजूदगी में जारी किया गया। अध्ययन के तहत, प्रतिभागियों से एफओपीएल के विभिन्न डिजाइनों के बारे में राय मांगी गई थी जिनमें मल्टीकलर्ड ट्रैफिक लाइट सिस्टम या स्टार रेटिंग सिस्टम, और ह्यहाइ-इन-स्टाइलह्लचेतावनी लेबलों को सबसे ज्यादा पसंद किया गया। देश में सर्वोच्च फूड रैग्युलेटर, एफएसएसएआई ने भी लेबलिंग सिस्टम पर विस्तार से विचार-विमर्श किया, और देश के सर्वोच्च चिकित्सा विशेषज्ञों द्वारा कराए गए इस अध्ययन के नतीजे जल्द ही नीति-निर्धारण की प्रक्रिया में सहायक होंगे। एम्स दिल्ली, ऋषिकेश, जोधपुर, गोरखपुर, भटिंडा, बीबीनगर, असम और श्रीनगर के डॉक्टरों के अलावा इंडियन पब्लिक हैल्थ एसोसिएशन (आईपीएचए), इंडियन एसोसिएशन ऑफ प्रीवेंटिव एंड सोशल मेडिसिन (आईएपीएसएम), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ बिलियेरी साइंसेज (आईबीएलएसद्ब समेत ने नेशनल एकेडमी ऑफ मेडिकल साइंस में एकजुट होकर इस अध्ययन को जारी किया। एफओपीएल को सर्वाधिक प्रभावी नीतिगत समाधान समझा जाता है जो ग्राहकों को शूगर, सोडियम और सैचुरेटेड फैट जैसे तत्वों की अधिक मात्रा के मौजूद होने के बारे में आसानी से समझ में आने वाले तरीके से बताता है और इस तरह सेहत के लिहाज से अनुपयुक्त पैकेज्ड फूड की खरीदारी से हतोत्साहित करते हैं। ह्यभारत में एफओपीएल पर कैप अध्ययनह्लसे पता चला है कि लोग सेहतमंद फूड विकल्पों को अपनाने के लिए तैयार हैं और उन्हें आसानी से समझ में आने वाले, पढ़ने में आसान ह्यवार्निंग लेबल्सह्लपसंद हैं। सही ढंग से और वैज्ञानिक तरीके से चेतावनी देने वाले लेबल्स के बारे में डॉ उमेश कपिल, प्रेसीडेंट, एपिडिमियोलॉजिकल फाउंडेशन ऑफ इंडिया ने बताया, ह्यह्लशोध से यह पता चला है कि जो लेबल्स केवल चिंतनीय न्यूट्रिएंट्स के बारे में बताते हैं, जैसे कि चेतावनी लेबल्स, वे सार्वजनिक स्वास्थ्य को सुरक्षित रखते हैं। यह देखना वाकई सुखद है कि भारतीयों ने एकमत से ह्यसॉल्ट, शूगर, फैट्सह्लकी चेतावनी देने वाले लेबल्स को चुना है। फ्रंट ऑफ पैक वार्निंग लेबल्स (एफओपीडब्ल्यूएल) से आम जनता को तत्काल स्वास्थ्य संबंधी लाभ पहुंचता है ह्ल यही कारण है कि भारत में, जहां दुनियाभर में 25% हृदय रोगों का बोझ है, इस दिशा में शुरूआत से ही सही नीति अमल में लाने को उत्सुक है।'

डबल बैटरी ऑप्शन के साथ लांच सिंपल वन, सिंगल चार्ज पर चलेगा 300 किलोमीटर

मुंबई, एजेंसी। भारत में सबसे ज्यादा बैटरी रेंज के दावे के साथ सिंपल एनर्जी ने अपने दमदार स्कूटर सिंपल वन को डबल बैटरी ऑप्शन के साथ लांच किया है, जिसमें ज्यादा बड़ी बैटरी लगी हुई है, इसकी रेंज 300 किलोमीटर प्रति चार्ज है। ईवी स्टार्टअप सिंपल एनर्जी ने पिछले साल अगस्त में अपना पहला इलेक्ट्रिक स्कूटर सिंपल वन लांच किया था, जो कि प्रीमियम सेगमेंट का इलेक्ट्रिक स्कूटर है, इसका मुकाबला ओला एस1 सीरीज ई-स्कूटर के साथ ही बजाज चेतक इलेक्ट्रिक, टीवीएस आईक्यूब और ऐथर 450एक्स जैसे इलेक्ट्रिक स्कूटर से है।

बता दें कि अब तक सिंपल वन को 3.2 किलोवॉट के सिंगल और रिमूवेबल बैटरी के साथ पेश किया गया था, जिसकी कीमत 1,09,000 रुपये (एक्स शोरूम) है। इसकी बैटरी रेंज के बारे में कंपनी का दावा है कि इस सिंगल चार्ज में 236 किलोमीटर तक चला सकते हैं। अब इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को नए ऑप्शन के साथ पेश किया गया है, जिसमें फिक्स सिंगल बैटरी और रिमूवेबल डबल बैटरी ऑप्शन हैं। इन बैटरी की क्षमता 6.4 किलोवॉट की है। कंपनी का दावा है कि इस एक बार फुल चार्ज करने पर 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय कर सकते हैं। कंपनी ने सिंपल वन इलेक्ट्रिक के नए वेरिएंट को 1,44,999 रुपये में लांच किया है।

सिंपल एनर्जी के फाउंडर और सीईओ सुहास राजकुमार का कहना है कि लोगों को बैटरी रेंज से जुड़ीं किसी तरह की समस्याएं न हों, इसके लिए सिंपल वन का ज्यादा रेंज वाला वेरिएंट पेश किया गया है।

बता दें कि सिंपल वन की डिलीवरी इस साल जून में शुरू होगी। दरअसल, इस इलेक्ट्रिक स्कूटर को लांच हुए 8 महीने हो गए हैं और अब तक यह लोगों के हाथ नहीं आई है। अब तक 30 हजार लोगों ने सिंपल वन को बुक करा लिया है। सिंपल वन शानदार लुक और लेटेस्ट फीचर्स के साथ ही अच्छी बैटरी रेंज वाला इलेक्ट्रिक स्कूटर है, जिसकी तरफ लोगों का ध्यान जा रहा है।सिंपल एनर्जी भारत में इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन के विस्तार में भी लगी हुई है।

गिरावट के बाद तेजी से संभली क्रिप्टोकरेंसी, सभी बड़े कॉइन 10 फीसदी से ज्यादा उछले

नई दिल्ली, एजेंसी। रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद आभासी मुद्रा यानि क्रिप्टोकरेंसी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई थी, लेकिन लगता है जैसे अब उसका असर समाप्त हो गया है। मंगलवार को सुबह 9:55 बजे ग्लोबल क्रिप्टोकरेंसी मार्केट कैप में 10.72 फीसदी का जबरदस्त उछाल आया है और इसी के साथ कल 1.71 ट्रिलियन डॉलर के मुकाबले आज यह 1.90 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया है।

मार्केट कैप के हिसाब से सभी बड़ी करेंसीज में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है। बिटकॉइन, इथेरियम से लेकर शिबा इनु तक सभी कॉइन्स में 10 प्रतिशत के आसपास की बढ़त देखने को मिली है। आंकड़ों के हिसाब से मंगलवार को बिटकॉइन 14.07 प्रतिशत उछलकर 43,201.25 पर ट्रेड कर रहा था, जबकि इथेरियम का प्राइस पिछले 24 घंटों में 11.23 फीसदी चढ़कर 2,914.96 पर पहुंच गया। बिटकॉइन का बाजार प्रभुत्व काफी बढ़ा है। कल यह 41.9 फीसदी था, जबकि आज 43 फीसदी हो गया है। इथेरियम का बाजार प्रभुत्व 18.3 फीसदी ही है।

ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए पीएनबी ने बदले चेक क्लीयरिंग के नियम

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंक ग्राहकों के साथ अक्सर धोखाधड़ी की खबर सामने आती रहती है। चेक के फर्जीवाड़े से भी अक्सर ठगी होती है। ठगों के निशाने पर बड़े मूल्य वाले चेक काटने वाले ग्राहक भी रहते हैं। ऐसे ग्राहकों को धोखाधड़ी से बचाने के लिए, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) पॉजिटिव पे सिस्टम (पीपीएस) को अनिवार्य करने का फैसला किया है।

यह फैसला आगामी चार अप्रैल से लागू किया जाएगा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार, पीएनबी ने सीटीएस क्लीयरिंगमें प्रस्तुत किए जाने वाले 50 हजार और उससे अधिक रुपये के चेक के लिए 1 जनवरी, 2021 से पीपीएस लागू किया था। अब अगले महीने से 10 लाख रुपये और उससे अधिक के चेक के लिए अनिवार्य हो जाएगा।

नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) द्वारा विकसित पॉजिटिव पे सिस्टम (पीपीएस) के अनुसार, उच्च मूल्य का चेक जारी करने वाले ग्राहक को कुछ आवश्यक विवरणों की पुनः पुष्टि करनी होती है। इन्हें पेमेंट से पहले क्लियरिंग में चेक प्रस्तुत करते समय क्रॉस-चेक किया जाता है। अब पीएनबी के ग्राहकों को खाता संख्या, चेक नंबर, चेक अल्फा कोड, जारी करने की तारीख, राशि, लाभार्थी का नाम जैसे विवरण साझा करने होंगे।

पीएनबी से मिली जानकारी के अनुसार चेक को क्लीयरिंग के लिए प्रस्तुत करने से कम से कम 24 घंटों के पहले इन विवरणों को बैंक के साथ साझा करना होगा। ग्राहक अपने इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग, एसएमएस बैंकिंग या अपनी गृह शाखा के माध्यम से निर्धारित प्रारूप में विवरण साझा कर सकते हैं। आरबीआई ने उच्च मूल्य के चेक के धोखाधड़ी संग्रह से ग्राहकों की सुरक्षा के लिए पिछले साल पीपीएस प्रणाली को लागू करने के लिए बैंकों को दिशानिर्देश जारी किए थे।

आरबीआई ने बैंकों को निर्देश दिया था कि वे 50,000 रुपए और उससे अधिक की राशि के चेक जारी करने वाले सभी खाताधारकों के लिए इस सुविधा को सक्षम करें। आरबीआई ने यह भी कहा था कि सुविधा का लाभ उठाना खाताधारक के विवेक पर है, बैंक 5 लाख रुपये और उससे अधिक के चेक मूल्यों के लिए इसे अनिवार्य बनाने पर विचार कर सकते हैं।

श्रीलंका के खिलाफ मध्यक्रम में शुभमन गिल, हनुमा बिहारी को उतारेगी भारतीय टीम

मुम्बई, एजेंसी। भारतीय टीम मोहली में चार मार्च से श्रीलंका के खिलाफ पहला टेस्ट मैच खेलने के लिए उतरेगी। रोहित शर्मा की कप्तानी में उतर रही भारतीय टीम इस मैच में बल्लेबाज शुभमन गिल को तीसरे जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को पांचवें और हनुमा बिहारी को छठे नंबर पर उतार सकती है। इस मैच में मध्यक्रम में शुभमन को इसलिए उतारा जा रहा है ताकि शुभमन और हनुमा को अनुभवी बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे की जगह खेलने के लिए तैयार किया जाये। रहाणे और पुजारा को खराब फार्म के कारण टीम से बाहर कर दिया गया है। ऐसे में आने वाले समय में हनुमा और शुभमन इन दोनों का विकल्प होंगे जबकि श्रेयस अय्यर को ह्यबैकअपह्ल के रूप में रखा गया है।

भारतीय क्रिकेटर देवांग गांधी ने कहा, ह्यमेरा मानना है कि नंबर तीन के लिए शुभमन सबसे अच्छा विकल्प है। वह पारी की शुरूआत कर सकता है पर रोहित के साथ पारी शुरू करने के लिए मयंक है और ऐसे में शुभमन के लिए तीसरा नंबर सही रहेगा ह्ल गांधी ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में सलामी बल्लेबाज के रूप में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने से पहले शुभमन को शुरू में मध्यक्रम की भूमिका के लिए तैयार किया जा रहा था। उसने मध्यक्रम में बल्लेबाजी करते हुए ही वेस्टइंडीज ए के खिलाफ मध्यक्रम में खेलते हुए दोहरा शतक लगाया था।

वहीं रहाणे मुख्य रूप से नंबर पांच पर बल्लेबाजी करते थे पर पूरी संभावना है कि द्रविड़ और रोहित इस नंबर पर ऋषभ को उतार सकते हैं जबकि विहारी छठे नंबर पर उतरेंगे। गांधी ने कहा, ह्ययदि आप हमारे शीर्ष क्रम को देखो तो मयंक, रोहित, शुभमन और विराट सभी दाएं हाथ के बल्लेबाज हैं। ऐसे में यह बेहतर होगा कि पांचवें नंबर का बल्लेबाज वामहस्त हो जिससे दाएं और बायें हाथ के बल्लेबाजों का संयोजन बन जाए।

श्रीलंका के खिलाफ पहले टेस्ट मैच के लिए संभावित भारतीय टीम : रोहित शर्मा (कप्तान), मयंक अग्रवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), हनुमा विहारी, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन (फिटनेस पर निर्भर)/जयंत यादव, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज।

पाकिस्तान दौरे पर गये ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की पत्नी को मिली धमकी

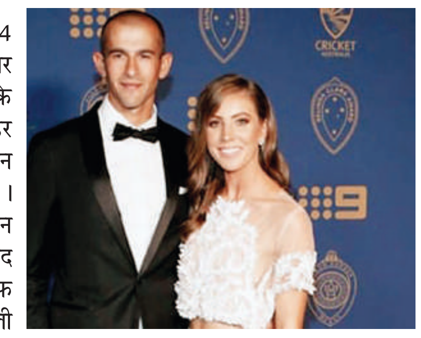

सिडनी, एजेंसी। 24 साल बाद पाकिस्तान दौरे पर पहुंची ऑस्ट्रेलियाई टीम के एक खिलाड़ी ऑलराउंडर एश्टन एगर की पत्नी मेडेलीन को धमकी मिली है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के कप्तान ने जहां पाक पहुंचने के बाद सुरक्षा इंतजामों की तारीफ की थी। वहीं एश्टन को मिली धमकी के बाद एक बार फिर टीम की सुरक्षा पर सवाल उठने लगे हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम को यहां टेस्ट और एकदिवसीय सीरीज के बाद ही एक टी20 मैच भी खेलना है। एक रिपोर्ट के अनुसार एश्टन की पत्नी मेडेलीन को चेतावनी दी गई है कि इस क्रिकेटर को पाकिस्तान की यात्रा नहीं करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलियाई टीम साल 1998 के बाद पहली बार पाकिस्तान दौरे पर पहुंची है। ऐसे में पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) चाहता है कि सभी मैच ठीक से आयोजित किए जाएं। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर की पत्नी को सोशल मीडिया पर धमकी दी गई है। इस मामले की सूचना पीसीबी और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) को दे दी गई है और इस मामले की जांच की जा रही है।

इस रिपोर्ट के अनुसार एगर को जान से मारने की धमकी दी गई थी हालांकि टीम सुरक्षा के अनुसार यह खतरा विश्वसनीय नहीं है और इसे एक नकली इंस्टाग्राम अकाउंट से भेजा गया है। न्यूजीलैंड और इंग्लैंड ने भी पिछले साल पाकिस्तान का दौरा करने की योजना बनाई थी पर दोनों देशों के क्रिकेट बोर्ड ने अलग-अलग कारणों से इस दौरे को रद्द कर दिया था। टीम न्यूजीलैंड ने अपने फैसले के पीछे सुरक्षा चिंताओं का हवाला दिया और इस मामले ने एक विवाद को हवा दे दी। अब जब ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी पाक पहुंच गये हैं , वे सुरक्षा कारक के बारे में ज्यादा चिंतित नहीं हैं। वहीं ऑस्ट्रेलिया के अंतरिम मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा है कि सीए (क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया) द्वारा सीधे तौर पर सुरक्षा के बारे में बात करने और कोविड महामारी के बारे में बात करने की प्रक्रिया से बहुत सारे संदेह दूर हो गए थे। सभी खिलाड़ियों को पहले ही कहा गया था कि वे इस दौरे से बाहर भी हो सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

इन्दौर जिला ओपन टेबल टेनिस स्पर्धा 7 मार्च से -

इन्दौर, एजेंसी। इन्दौर जिला टेबल टेनिस संगठन के तत्वावधान में सत्र की द्वितीय जिला ओपन टेबल टेनिस स्पर्धा 7 मार्च से आयोजित की जायेगी। स्पर्धा के मुकाबले अभय प्रशाल में खेले जायेंगे। इन्दौर जिला टेबल टेनिस संगठन के सचिव नीलेश वेद ने बताया कि स्पर्धा में पुरुष तथा महिला एकल मुकाबलों के साथ ही यूथ, जूनियर सबजूनियर, कैडेट तथा होप्स बालक एवं बालिकाओं के मुकाबले खेले जायेंगे। स्पर्धा के मुख्य निर्णायक गगन चंद्रावत होंगे। नीलेश परदेसी तथा प्रशांत व्यास उपमुख्य निर्णायक रहेंगे। स्पर्धा में भाग लेने के इच्छुक खिलाड़ी अपनी ऑनलाईन प्रविष्टियां बेसिक्स स्पोर्टस एप्प पर 5 मार्च सायं 6 बजे तक प्रस्तुत कर सकते हैं।

आईसीसी महिला एकदिवसीय रैंकिंग में मिताली और मंधाना शीर्ष दस में बरकरार , हरमनप्रीत 20 वें स्थान पर पहुंची

दुबई, एजेंसी। भारत की महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज और बल्लेबाज स्मृति मंधाना आईसीसी महिला एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष दस खिलाड़ियों में बनी हुई हैं। मिताली दूसरे जबकि मंधाना आठवें स्थान पर हैं। वहीं हरमनप्रीत कौर ताजा रैंकिंग में एक पायदान ऊपर आकर 20वें स्थान पर पहुंच गयी है। हरमनप्रीत ने न्यूजीलैंड के खिलाफ अंतिम एकदिवसीय में शानदार बल्लेबाजी की थी। गेंदबाजी की बात करें तो हरफनमौला दीप्ति शर्मा गेंदबाजों की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर आकर 12वें स्थान पर है। वह हरफनमौलाओं की रैंकिंग में एक स्थान नीचे पांचवें स्थान पर आ गई है। गेंदबाजों की रैंकिंग में झूलन गोस्वामी शीर्ष 10 में अकेली भारतीय हैं जो चौथे स्थान पर है। न्यूजीलैंड की अमेलिया केर ने भारत के खिलाफ आखिरी दो एकदिवसीय में शानदार प्रदर्शन किया। इससे वह बल्लेबाजी रैंकिंग में पांच स्थान उछलकर 17वें स्थान पर हैं। गेंदबाजों की रैंकिंग में वह चार पायदान उछलकर 17वें स्थान पर पहुंच गई हैं।

डिवाइन की आक्रामक बल्लेबाजी से न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया

वेलिंगटन, एजेंसी। महिला विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट के ठीक पहले न्यूजीलैंड की कप्तान सोफी डिवाइन ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए अभ्यास मैच में अपनी टीम को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बड़ी जीत दिलाई है। इस अभ्यास मैच में न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हरा दिया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 321 रन बनाये पर डिवाइन के नाबाद शतक की सहायता से कीवी टीम ने इस लक्ष्य को 43.1 ओवर में ही एक विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया।

322 रन के बड़े लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने अच्छी शुरूआत की। डिवाइन और सूजी बेट्स ने पहले विकेट के लिए 20.2 ओवर में ही तेजी से 119 रन बना दिये। इसके बाद डिवाइन और अमेलिया केर ने नाबाद 206 रन की साझेदारी बनाकर टीम की जीत दिलाई। डिवाइन ने 117 गेंदों का सामना करते हुए 161 रन बनाये। इसमें 23 चौके और 4 छक्के थे। अमेलिया 75 गेंद पर 92 रन बनाकर नाबाद रहीं। डिवाइन ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला किया।ऑस्ट्रेलिया की टीम 49.3 ओवर में 321 रन बनाकर आउट हो गई। कप्तान मेग लेनिंग ने सबसे अधिक 87 रन बनाए। उन्होंने 86 गेंद का सामना किया। 9 चौके और 2 छक्के लगाए। इसके अलावा बेथ मूनी ने 55 और एश्ले गार्डनर ने 60 रन की पारी खेली। हाना रोव ने सबसे अधिक 4 विकेट लिए। तेज गेंदबाज डिवाइन को भी 2 विकेट मिले।

ब्रिटेन में शीतकालीन पेरालंपिक खेल समारोह के लिए मशाल थामे हुए एलीन नेल्सन व एगी मैलोन।

भारतीय महिला टीम का विश्वकप कार्यक्रम , सात टीमों के खिलाफ खेलेगी सात मैच

मुम्बई, एजेंसी। आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्वकप यहां न्यूजीलैंड में चार मार्च से शुरू हो रहा है। आईसीसी के इस टूनार्मेंट का पहला मुकाबला मेजबान न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच होगा। वहीं इस विश्व कप में भारतीय टीम अपने अभियान की शुरूआत 6 मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबले से करेगी। भारतीय टीम पिछले विश्व कप की उपविजेता रही थी और इस बार उसका लक्ष्य खिताब जीतना रहेगा।

कप्तान मिताली राज की भारतीय टीम को 21 दिनों में 7 टीमों के खिलाफ 7 मैच खेलने हैं। भारतीय इंडिया ने इस बार मेजबान देश न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की एकदिवसीय सीरीज खेली थी। ऐसे में उसका अच्छा अभ्यास हो गया है।

भारतीय टीम का विश्व कप कार्यक्रम

विश्व कप के लिए भारतीय टीमः मिताली राज (कप्तान), हरमनप्रीत कौर (उपकप्तान), स्मृति मांधना, शेफाली वर्मा, यास्तिका भाटिया, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), झूलन गोस्वामी, मेघा सिंह, स्नेह राणा, रेणुका सिंह ठाकुर, पूजा वस्त्रकार, तानिया भाटिया (विकेटकीपर), राजेश्वरी गायकवाड़, पूनम यादव।

तारीख	मुकाबला	जगह
6 मार्च	भारत बनाम पाकिस्तान	माउंट मांगानुई
10 मार्च	भारत बनाम न्यूजीलैंड	हैमिल्टन
12 मार्च	भारत बनाम वेस्टइंडीज	हैमिल्टन
16 मार्च	भारत बनाम इंग्लैंड	माउंट मांगानुई
19 मार्च	भारत बनाम ऑस्ट्रेलिया	ऑकलैंड
22 मार्च	भारत बनाम बांग्लादेश	हैमिल्टन
27 मार्च	भारत बनाम साउथ अफ्रीका	क्राइस्टचर्च।

हमारे समय में खिलाड़ियों का मीडिया से बेहतर तालमेल था : शास्त्री

मुंबई, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि उनकी पीढ़ी का मीडिया से बेहतर तालमेल था। शास्त्री के अनुसार जिस प्रकार आज के दौर में खिलाड़ियों और मीडिया में जैसा संबंध है वैसा पहले नहीं था। शास्त्री ने यह बात टीम इंडिया के विकेटकीपर बल्लेबाज खिलाड़ी ऋद्धिमान साहा के मामले को लेकर कही है। साहा ने आरोप लगाया था कि एक पत्रकार ने साक्षात्कार के लिए उनपर दबाव डाला था। शास्त्री ने कहा कि मीडिया हर युग और समय से जुड़ रहा है। इसमें काफी विकास हुआ है। मीडिया हाउस, इलेक्ट्रॉनिक और अब डिजिटल मीडिया के आने के बाद खिलाड़ियों के लिए दोस्त बने रहना बहुत कठिन हो गया है।

शास्त्री ने कहा, ह्यमुझे लगता है कि इसमें काफी बदलाव हुआ है। जब हम खेल रहे थे तब से काफी बदलाव हुआ है। पत्रकारों के साथ हमारे जो समीकरण थे, वह आज के खिलाड़ियों के मुकाबले काफी बेहतर थे। मैं पिछले सात सालों से ड्रेसिंग रूम का हिस्सा हूं ह्ल शास्त्री उन प्रमुख पूर्व खिलाड़ियों में से एक थे, जिन्होंने साहा से पत्रकार का सार्वजनिक रूप से नाम लेने और उन्हें शर्मसार करने का आग्रह किया था। इस पूर्व खिलाड़ी ने कहा कि वह इन चीजों के लिए हालांकि पत्रकारों और खिलाडियों को दोषी नहीं मानते है। उन्होंने कहा, ह्यहालांकि मैं पत्रकारों और खिलाड़ियों को दोष नहीं देना चाहता हूं, क्योंकि आज के खिलाड़ियों पर जो सुर्खियां मिलती है, वैसा हमारे समय में नहीं था।

विश्व कप में भारत-पाक महिला टीम के बीच होगा मुकाबला

तौरंगा, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम 6 मार्च को यहां मेजबान टीम पाकिस्तान से एकदिवसीय महिला विश्वकप मुकाबले में खेलेगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत के लिए पूरी ताकत लगा देंगी। भारतीय टीम की कप्तान मिताली राज और पाकिस्तान टीम की कप्तान बिसमाह मारूफ के लिए यह मैच बेहद अहम है। मिताली विश्व कप के बाद खेल को अलविदा कह देंगी। ऐसे में वह यह मैच किसी भी हालत में जीतना चाहेगी। हाल में भारतीय टीम का जिस प्रकार का प्रदर्शन रहा है उसे जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। वहीं दूसरी ओर इस मैच से वापसी कर रहीं पाक कप्तान बिसमाह मारुफ को उम्मीद है कि उनकी टीम इस मैच से जीत दर्ज करेगी। बिसमाह के अनुसार इस मैच से दोनो ही देशों में महिला क्रिकेट को बढ़ावा मिलेगा। भारतीय टीम आईसीसी एक दिवसीय विश्व कप के पहले मैच में छह मार्च को न्यूजीलैंड के तौरंगा में पाकिस्तान से खेलेगी।यह टूनार्मेंट चार मार्च से तीन अप्रैल तक न्यूजीलैंड के छह शहरों आकलैंड, क्राइस्टचर्च, डुनेडिन, हैमिल्टन, तौरंगा और वेलिंगटन में खेला जायेगा। पाक कप्तान ने कहा कि यह मैच भारत और पाकिस्तान की लड़कियों को क्रिकेट में पदार्पण के लिये प्रेरित करेगा। यह क्रिकेट की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता है और दर्शकों की नजरें इस मैच पर लगी होंगी। इससे दोनो ही देशों की लड़कियां खेल की ओर प्रेरित होंगी।

रूस में नहीं खेला जाएगा कोई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूनार्मेंट : फीफा

ज्यूरिख (स्विट्जरलैंड)।विश्व फुटबॉल की शीर्ष संस्था (फीफा) ने कहा है कि यूक्रेन पर किये गये हमले को देखते हुए अब रूस में कोई अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल टूनार्मेंट नहीं खेला जाएगा। फीफा ने हालांकि कहा कि रूस को फीफा विश्व कप 2022 के क्वालीफायर से नहीं हटाया जाएगा। फीफा परिषद ब्यूरो ने अपने एक बयान में कहा, ह्यरूस के क्षेत्र में कोई भी अंतरराष्ट्रीय टूनार्मेंट नहीं खेला जाएगा। रूस के घरेलू मैच तटस्थ क्षेत्र पर और दर्शकों के बिना खेले जाएंगे। रूस का प्रतिनिधित्व करने वाला सदस्य संघ किसी भी प्रतियोगिता में रूसी फुटबॉल संघ (आरएफयू) के नाम से भाग लेगा। उन मैचों में रूस के राष्ट्रध्वज या राष्ट्रगान का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा, जहां रूसी फुटबॉल संघ की टीमें भाग लेंगी ह्ल

इसके साथ ही फीफा परिषद ब्यूरो ने कहा, ह्यआगामी फीफा विश्व कप 2022 क्वालीफायर को लेकर पोलिश फुटबॉल एसोसिएशन, चेक गणराज्य फुटबॉल एसोसिएशन और स्वीडिश फुटबॉल एसोसिएशन द्वारा सोशल मीडिया के माध्यम से रुसी हमले को लेकर व्यक्त की गई गंभीर स्थिति पर विचार किया गया। साथ ही कहा कि फीफा इस समस्या का मिल कर एक सही और स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए सभी के साथ निकट संपर्क में बना रहेगा ह्ल वहीं पोलैंड की फुटबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष सेजरी कुलेजा ने हालांकि कहा कि रूस को फीफा विश्व कप 2022 के क्वालीफायर से न हटाने का फैसला अपमानजनक है। उन्होंने कहा, ह्यफीफा के इस अपमानजनक फैसले के कारण पोलिश फुटबॉल एसोसिएशन ने आज यूरोप के सभी संघों को एक पत्र भेजा, जिसमें हमने अपनी स्थिति बताई और उन्हें अपने पक्ष में खड़े होने के लिए प्रोत्साहित किया, क्योंकि एकजुट होकर ही हम मजबूत होंगे। साथ ही कहा कि यूक्रेन के खिलाफ रूसी आक्रमण को स्वीकार नहीं किया जा सकता है ह्ल वहीं यूक्रेन पर रुसी आक्रमण के बीच ही पोलैंड (पीजेडपीएन), स्वीडन (एसवीएफएफ) और चेक गणराज्य (एफएसीआर) के फुटबॉल संघों ने कहा है कि कतर में 2022 फीफा विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने के लिए प्लेऑफ मैच रूसी संघ के क्षेत्र में नहीं खेले जाने चाहिए।

सोबर्स का एक रिकार्ड नहीं तोड़ पाया कोई क्रिकेटर

जमैका, एजेंसी। विस्टइंडीज के महाना क्रिकेटर गैरी सोबर्स का एक रिकार्ड आज तक कोई खिलाड़ी नहीं तोड़ पाया है। सोबर्स ने 21 साल की उम्र में 365 रनों की नाबाद पारी खेली थी। इस प्रकार वह सबसे कम उम्र में तिहरा शतक जड़ने वाले खिलाड़ी बने थे। इस दौरान वह 614 मिनट तक क्रीज पर थे। यह मुकाबला 26 फरवरी 1958 को शुरू हुआ। तब टेस्ट मैच 6 दिन के होते थे और 1 रेस्ट डे भी रहता था। तब विरोधी टीम पाकिस्तान की पहली पारी 328 रन पर सिमटी जिसके लिए ओपनर इम्तियाज अहमद ने 122 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से जब सोबर्स बल्लेबाजी के लिए उतरे तो गेंदबाज गेंद फेंकते रहे सोबर्स ने दूसरे बल्लेबाज कोनराड के साथ दूसरे विकेट के लिए 446 रन की साझेदारी की। कोनराड 260 रन बनाकर रन आउट हुए पर सोबर्स बल्लेबाजी करते रहे।

सोबर्स ने सबसे कम उम्र में तिहरे शतक का जो रिकार्ड बनाया उसे आज तक कोई नहीं तोड़ पाया। तबउनकी उम्र 21 साल और 213 दिन थी। वहीं महान बल्लेबाज डॉन ब्रैडमैन ने 1930 में 21 साल और 318 दिन की उम्र में तिहरा शतक लगाया था जबकि इंग्लैंड के दिग्गज लेन हटन ने 22 साल 58 दिन की उम्र में तिहरा शतक मारा था। सोबर्स और क्लाइव वॉलकट ने चौथे विकेट के लिए 188 रन की अविजित साझेदारी की। सोबर्स 365 रन बनाकर नाबाद लौटे जबकि वॉलकट 88 रन बनाकर नाबाद रहे।

मंधाना की शानदार बल्लेबाजी से भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को हराया

रेंगियोरा, एजेंसी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने एकदिवसीय विश्व कप के अंतिम अभ्यास मैच में वेस्टइंडीज को 81 रन से हरा दिया। इस मैच में मंधाना ने 67 गेंदों में 66 रन बनाये। मंधाना को पिछले अभ्यास मैच में एक गेंद सिर में लग गयी थी जिससे अब वह उबर गयी हैं। इस मैच में मंधाना के अर्धशतक से भारत ने 50 ओवर में कुल 258 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज टीम 9 विकेट पर 177 रन ही बना पायी। भारतीय टीम ने पहले अभ्यास मैच में भी दक्षिण अफ्रीका को 2 रन से हराया था। पहले बल्लेबाजी करते भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही ओर शेफाली वर्मा को चिनेले हेनरी ने खाता खोले बिना ही पेवेलियन भेज दिया। इसके बाद ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और स्मृति मंधाना ने दूसरे विकेट के लिए 117 रन बनाये। मंधाना ने 67 गेंद में 7 चौकों की सहायता से 66 रनों की पारी खेली।

वहीं दीप्ति ने 64 गेंद में 51 रन बनाए जिसमें एक ही चौका शामिल था जबकि कप्तान मिताली राज ने 42 गेंद में 30 रन बनाये। इसके अलावा यस्तिका भाटिया ने 53 गेंद में 42 रन बनाए। वहीं जीत के लिए मिले 259 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज की शुरूआत अच्छी नहीं रही और उसने अपने शुरूआती 4 विकेट 100 रनें के अंदर ही खो दिये। विकेटकीपर शेमेइन कैंपबेल ने 63 और हेली मैथ्यूज ने 44 रन बनाये। इन दोनों के अलावा कोई भी अन्य बल्लेबाज नहीं खेल पाया। भारत की ओर से गेंदबाज पूजा वस्त्रकार ने 21 रन देकर 3 विकेट लिए जबकि मेघना सिंह और दीप्ति को 2-2 विकेट मिले।

उम्र के अनुसार खाने में शामिल करें पनीर

पनीर कैल्शियम और प्रोटीन से भरपूर है. यह बच्चे से लेकर बुजुर्गों तक सबके लिए बहुत फायदेमंद है. इसलिए हर व्यक्ति को अपनी उम्र के अनुसार पनीर को अपने आहार में शामिल जरूर करना चाहिए. पनीर और इससे बने सभी व्यंजन लोगों को पसंद होते हैं. यह न केवल प्रोटीन और कैल्शियम बल्कि शरीर में विटामिन -डी की कमी को भी पूरा करता है. यह शरीर में हीमोग्लोबिन के उत्पादन को उत्तेजित करने में मदद करता है और शरीर में बेहतर इम्यून सिस्टम को बढ़ावा देता है. पनीर में मौजूद विटामिन बी न केवल बढ़ते बच्चों के विकास में मददगार है, बल्कि एकाग्रता और यादाश्त में सुधार करके मास्तिष्क के स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है. वहीं पनीर महिलाओं में ऑस्टियोपोरिसिस को रोकने में मददगार है.

6 महीने से अधिक उम्र के बच्चों के लिए

पनीर एक पौष्टिक शिशु आहार है. आप बेबी फूड जैसे गाजर की प्यूरी, सेब की प्यूरी आदि में थोड़ा सा पनीर का पेस्ट मिलाकर बच्चे को दे सकते हैं. ध्यान रखें बच्चे को इसे बहुत कम मात्रा में दिया जाना चाहिए.

बढ़ते बच्चों के लिए

बढ़ते हुए बच्चों को अपने दैनिक आहार में कार्बोहाइड्रेट के साथ पोषक तत्वों से भरपूर आहार की जरूरत होती है. ऐसे में अपने बढ़ते बच्चों के लिए पनीर के भरवां पराठे बना सकते हैं. बच्चों के लिए दिन की शुरूआत करने का यह एक हाई कार्ब नाश्ता है. आप चाहें, तो तले हुए पनीर के टुकड़ों और सब्जियों के साथ गेहूं की ब्रेड की सैंडविच बनाकर उन्हें खिला सकते हैं. पनीर टिक्का और पनीर रोल जैसे स्टार्टर्स भी बच्चों को पौष्टिक भोजन देने का एक बेहतरीन विकल्प है.

वयस्कों के लिए

दिल की बीमारियों को दूर करने के साथ ब्लड प्रेशर कम करने और हड्डियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के बाद यह स्पष्ट हो जाता है कि पनीर हर वयस्क के आहार का हिस्सा होना चाहिए. विशेषज्ञ कहते हैं कि वयस्क को अपने भोजन के विकल्प चुनते समय पनीर के साथ बहुत सारी सब्जियां शामिल करनी चाहिए. ऐसा इसलिए, क्योंकि वयस्कों में चयापचय दर बच्चों की तुलना में बहुत कम होती है. ऐसे में पनीर के साथ सब्जियों को शामिल करने से भोजन को पचाना बेहद आसान हो जाता है. आप सब्जी, पुलाव, हरे पत्तेदार सलाद में पनीर का इस्तेमाल कर सकते हैं.

बुजुर्गों के लिए

पनीर को पचाना बेहद आसान होता है. चूंकि बेहतर पाचन के लिए मैग्नीशियम और फास्फोरस दोनों की जरूरत होती है, इसलिए पनीर बुजुर्गों के लिए सबसे अच्छा पौष्टिक भोजन है. हालांकि, इस बात का ध्यान रखा जाना चाहिए कि इस उम्र में आंत के स्वास्थ्य से समझौता करने के कारण इसका कैसे और कितना सेवन करना है. विशेषज्ञों की सलाह है कि बुजुर्ग लोगों के लिए पनीर को बहुत कम तेल और मसालों के साथ हल्के तरीके से पकाना चाहिए. हो सके, तो पनीर के साथ दही न दें. ध्यान रखें बुजुर्गों को ज्यादा से ज्यादा घर का बना पनीर देना फायदेमंद साबित होता है. पनीर हर आयु वर्ग के लिए बहुत फायदेमंद है. हर किसी को नियमित रूप से इसे अपने आहार में शामिल करना चाहिए.

घर बनाएं खुला-खुला

साजसज्जा के ये ट्रिक्स अपना कर तो देखें, छोटा घर भी बड़ा दिखेगा. खूबसूरत और बड़े घर की चाह हर किसी को होती है. मगर महानगरों में ऐसे घरों की चाह पूरी होना आसान नहीं. छोटे घरों में रहने को मजबूर होना पड़ता है. मगर थोड़ी सी सूझबूझ व साजसजावट के तरीकों पर ध्यान दे कर छोटे घर में रह कर भी बड़े और हवादार घर में रहने का एहसास ले सकती हैं.

रखें घर को व्यवस्थित

आप अपने घर को जितना अधिक व्यवस्थित व साफसुथरा रखेंगी, कमरों में उतनी ही ज्यादा जगह दिखेगी. सामान करीने से रख कर और फालतू सामान को हटा कर काफी जगह खाली कर सकती हैं. सफेद व हलके रंगों का प्रयोग करें: गहरे रंग बड़ी जगह के प्रभाव को कम कर देते हैं. इसलिए घर की दीवारों पर सफेद रंग करवाएं. फर्नीचर भी हलके रंग का खरीदें. अगर दीवारों पर सफेद रंग पसंद नहीं आता हो तो हलका हरा, गुलाबी, आसमानी, पीला आदि रंगों का चुनाव करें. पेंट एक ही रंग का करवाएं, फिर देखें कैसे कमरा बड़ा नजर आता है.

रोशनी का चुनाव

घर में भरपूर रोशनी आने दें, क्योंकि घर में पर्याप्त रोशनी उसे उज्ज्वल और बड़ा दिखाने में मदद करती है. अपने घर में रंगों का प्रभाव दिखाने के लिए लैंप्स भी लगाएं. इस से घर आकर्षक भी दिखेगा.

मल्टीपर्पज फर्नीचर का इस्तेमाल

ऐसे फर्नीचर में निवेश करें जो बहुद्देशीय हो. इस तरह का फर्नीचर आप के कमरे को व्यवस्थित दिखाता है और जगह भी ज्यादा नजर आती है. उदाहरण के लिए किचन में ऐसी बहुद्देशीय मेज का प्रयोग किया जा सकता है, जिस में बहुत से रैक हों.

घर में मिरर का प्रयोग

मिरर के प्रयोग से आप अपने कमरे को बड़ा होने का आभास दे सकती हैं. फोकल पौइंट का प्रयोग करें और अपने मिरर को ऐसे केंद्रित करें कि घर में गहराई का भ्रम पैदा हो. घर की खिड़की के सामने वाली दीवार पर दर्पण लगाएं. रोशनी के प्रतिबिंब के कारण आप के कमरे का क्षेत्र बड़ा दिखेगा.

स्ट्राइप्स का प्रयोग

घर के डैकोर में हलका सा फेरबदल ला कर भी घर का रूप बदल सकती हैं. उदाहरण के लिए धारीदार कारपेट्स कमरे को लंबा होने का आभास दे सकता है. इसी तरह घर के परदे आदि में स्ट्राइप्स वाली डिजाइनें घर को बड़ा दिखाती हैं.

कमर दर्द से हैं परेशान, तो...

हाल ही में लॉकडाउन खुलने के बावजूद लोगों को ऑफिस का काम घर से करना पड़ रहा है। घर से काम करने में शरीर को बहुत परेशानी हो रही है और तो और लोगों की कमर अकड़ जा रही है। ऐसे में आज हम आपको बताने जा रहे हैं बढ़ती कमर दर्द की परेशानी को आप कैसे दूर भगा सकते हैं।

अपनाएं यह घरेलू उपाय:

अगर आप आप वर्क फ्रॉम होम कर रहे है तो कमर दर्द की समस्या से बचने के लिए अपने शरीर को बीच-बीच में आराम अवश्य दें और ध्यान रहे कि प्रतिदिन सुबह एक्सरसाइज व योगासन का अभ्यास अवश्य करें।

आप चाहे तो कमर दर्द की समस्या को दूर करने के लिए अदरक को गर्म पानी में भिगोकर रखें फिर इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

कमर के दर्द को दूर करने के लिए अदरक के तेल से कमर की मालिश करें। इसी के साथ चाहे तो तुलसी के पत्ते को गर्म पानी में भिगोकर रखे फिर इसमें शहद मिलाकर इसका सेवन करें।

हर दिन तुलसी के पत्तो का सेवन करने से कमर का दर्द दूर होता है और लाभ मिलता है। इससे आप कमर दर्द से राहत पा सकते है।

रेशम के धागों से बुनी हुई यह सुंदर साड़ी महाराष्ट्रियन शादी का एक एहम हिसा है. दुल्हन के लिए खास लाल और हरे रंग की पैठनी साड़ी का चुनाव किया जाता है. साड़ी में हर नारी के आभा ऐसी खिलती जैसे किसी कुम्भार ने मिट्टी में आभा उकेरी साड़ी किसी भी औरत या लड़की की किसी भी तरह के त्योहार या किसी फंगस में पहनने जाने वाली पहली पसंद होती है वैसे तो हर औरत के वॉडरोब में सिल्क, बनारसी, बांधनी, चंदेरी, कॉटन के साड़ियों का संग्रह मिल जाता है. पर कुछ और भी पारम्परिक और डिजाइन की साड़ी महिलाओं की पसंद बन सकती है.

पैठनी साड़ी से महाराष्ट्रियन लुक में लगाएं चार चांद

ऐसे में औरंगाबाद के पैठन से हाथ कारीगरों के द्वारा बुनी हुई साड़ी को पैठानी साड़ी का नाम दिया जाता है, ऐसा माना जाता है कि सबसे पहले पैठनी साड़ी बुनने की शुरुआत पैठन से ही हुई थी, लेकिन मौजूदा समय मे महाराष्ट्र के नाशिक शहर के येवला में सबसे ज्यादा पैठनी साड़ियों को बनाया जाता है. रेशम के धागों से बुनी हुई यह सुंदर साड़ी महाराष्ट्रियन शादी का एक एहम हिसा है. दुल्हन के लिए खास लाल और हरे रंग की पैठनी साड़ी का चुनाव किया जाता है. सिर्फ शादी ही नहीं बल्कि किसी भी शुभ अवसर के लिए महाराष्ट्र में पैठनी साड़ी का चलन सबसे अधिक है. लेकिन अब ये सिर्फ महाराष्ट्र नहीं बल्कि पूरे हिंदुस्तान में इस रेशमी साड़ी को पहना जाता है. वजह है इसकी सुंदरता और रंगों का चुनाव.

काली पैठनी साड़ी

पैठनी साड़ीयो के इस सुंदर संग्रह की शुरुआत हम सबसे पहले काले रंग की पैठनी के साथ करते है, इस पैठनी साड़ी पर आपको एक बेहतरीन डिज़ाइनर ब्लाउज़ भी मिलेगा. काले रंग में सुनहरे और लाल रंग की जाने वाली कारीगरी साड़ी को खूबसूरत बनाती है.

लकड़ी के बने ये उपहार आप के अजीजों के घर की शोभा में तो चार चांद लगाएंगे ही आप भी हमेशा उन की स्मृतियों में बनी रहेंगी. अवंतिका की समझ में नहीं आ रहा था कि इस बार फैस्टिव सीजन में फ्रैंड्स के बीच आइकोनिक होस्टर कैसे बने? इस के लिए उसे अनूठे उपहार भी चुनने थे ताकि फ्रैंड्स सर्कल में उस का इंप्रैशन बना रहे. उस ने कई सारे गिफ्ट कौर्नर्स, इंपोरियम, आर्ट ऐंड क्राफ्ट सैंटर्स के चक्कर काटे पर कुछ ढंग का नहीं सूझा.

फैस्टिवल के रंग वुडन क्राफ्ट के संग

एक दिन इस संबंध में बात करने पर अवंतिका की फ्रैंड आयशा ने सुझाया, ''इस बार वुडन आइटम्स ट्राई क्यों नहीं करती? लुक में भी मस्त और ट्रैंड में भी फर्स्ट और फिर देने वाले पर इंप्रैशन बने वह अलग से.''

अवंतिका को आयशा का यह आइडिया एकदम परफैक्ट लगा. अतः उस ने फटाफट पास के ही वुडन क्राफ्ट इंपोरियम में जा कर फैस्टिव सीजन के लिए खूब सारी खरीदारी की. अब वह संतुष्ट भी थी और खुश भी.

इस बार आप भी पीछे न रहें. वुडन आर्ट ऐंड क्राफ्ट शोपीस का चलन आजकल तेजी से बढ़ रहा है. ये न केवल लुक में यूनीक हैं, बल्कि बजट में भी आसानी से आ जाते हैं. हर बार वही कांच, क्रिस्टल या मैटल के उपहार देने के बजाय इस बार कुछ डिफरैंट ट्राई करें. यकीनन आप के दोस्तों को आप का यह गिफ्ट हैंपर भाएगा. बाजार में वुडन क्राफ्ट की ढेरों वैराइटी मौजूद है, जिस में आप को अपनी चौइश का बहुत कुछ मिल जाएगा. महंगे व उबाऊ गिफ्ट्स को आज वुडन क्राफ्ट बखूबी रिप्लेस कर रहा है.

क्या चुनें?

वुडन आर्ट शोपीसों की एक वाइड रेंज बाजार में मौजद है, लेकिन कहीं से भी न खरीदें. किसी विश्वसनीय इंपोरियम से ही खरीदें. गूगल पर सर्च कर ऐसे किसी इंपोरियम या आर्ट गैलरी का पता कर सकती हैं.

हार्ट पेशंट के लिए हानिकारक हो सकती हैं सर्दियां

अगर आप हृदय रोग से पीडित हैं, तो ठंड के मौसम में स्वस्थ रहना आपके लिए बड़ी चुनौती है. ऐसे में योग और ध्यान जैसी तकनीकों का उपयोग करें. यह आपके तनाव को दूर करने के साथ दिमाग को भी शांत करेगा. सर्दियों का मौसम बड़ा ही सुहावना होता है. लेकिन दिल के मरीजों के लिए काफी चैलेंजिंग है. सर्दी वह समय है जब दिल से जुड़ी समस्या वाले लोगों को दिल का दौरा पड़ सकता है. दरअसल, तापमान में अचानक गिरावट के कारण पेराफेरल वेसेल्स सिकुड़ जाती हैं इस प्रकार हृदय पर अधिक दबाव पड़ता है. जिसके कारण हृदय में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम हो जाती है. नतीजतन आपके दिल को ऑक्सीजन और ब्लड पंप करने के लिए ज्यादा प्रयास करने होते हैं.

ब्लड प्रेशर की निगरानी करें-

यदि आप उन लोगों में से हैं, जिन्हें ब्लड प्रेशर की समस्या है, तो आपके लिए नंबरों पर नजर रखना बेहद जरूरी है. ऐसा करने से कार्डियक अटैक की संभावना काफी कम हो सकती है. इसलिए आपको डॉक्टर द्वारा बताई गई दवाओं को समय पर लेना चाहिए.

शराब के सेवन से बचें-

शराब त्वचा में ब्लड वेसेल्स का विस्तार कर सकती है. यह आपके शरीर के जरूरी अंगों से गर्मी निकालकर आपको गर्म महसूस करा सकती है. इसी तरह धूम्रपान से एथेरोस्कलेरोसिस होता है. इतना ही नहीं धूम्रपान करने वालों को भी दिल का दौरा पड़ सकता है. धूम्रपान न केवल हृदय की तरफ ऑक्सीजन के प्रवाह को कम करता है बल्कि आपकी हार्ट रेट और ब्लड प्रेशर को भी बढ़ाने के लिए जिम्मेदार है.

स्वस्थ आहार लें-

ताजे, फल और सब्जियां , बीज, मेवा, फलियां और दालों का सेवन ज्यादा से ज्यादा करें. दिल के रोगियों को ठंड के दिनों में गर्म सूप या गर्म भोजन का सेवन ही करना चाहिए. विशेषज्ञ मानते हैं कि नमक या चीनी से भरपूर भोजन खाने से बचना दिल को स्वस्थ रखने का बेहतर तरीका है. डॉक्टर भी दिल के रोगी को प्रोसेस्ड, जंक और ऑयली फूड्स से बचने की सलाह देते हैं.

किचन गार्डन में हर्ब पौधें जरूर लगाएं

आज हम आपको कुछ हर्बल पौधों के बारे में बताएंगे जिन्हें लगाकर आप अपने खाने के स्वाद तो बढ़ाएगें ही साथ ही आप स्वस्थ भी रहेंगे. हरियाली किसे नही अच्छा लगता और बागवानी का शौक लगभग हर किसी को होता है, शहरों में रहने वाले लोग अपने घरों में अच्छी बागवानी करना चाहते हैं. लेकिन उनके पास जगह की समस्या होती है. बहुत से लोगों के घर में इतनी जगह नहीं होती है कि वे पेड़-पौधे लगा सकें. सबसे ज्यादा समस्या शहरों में रहने वाले लोगों का होता है, क्योंकि उनका जीवन 2 बीएचके और 3 बीएचके फ्लैट में ही गुजर रहा है. ऐसे में ज्यादातर लोग अपने बालकनी या छतों पर ऐसे पौधे लगाना पसंद करते हैं जो किचन गार्डन की सुंदरता बढ़ाने के साथ ही उनके किचन में भी काम आए. आज हम आपको कुछ हर्बल पौधों के बारे में बताएंगे जिन्हें लगाकर आप अपने खाने के स्वाद तो बढ़ाएगें ही साथ ही आप स्वस्थ भी रहेंगे.

रोजमेरी

रोजमेरी के पौधे में आयरन, कैलशियम और विटामिन बी6 की भरपूर मात्रा होती है. रोजमेरी के पौधे में ऐसे तत्व होते हैं जिससे आपकी एकाग्रता भी बढ़ती है. इसे आप गमले में लगाएं साथ ही यह भी सुनिश्चित करें कि पौधे पर डायरेक्ट सूरज की रोशनी ना पड़े.

पार्सले

पार्सले के पौधों में विटामिन सी और विटामिन के भरपूर मात्रा में मिलते हैं. जो किडनी स्टोन्स, कब्ज, मधुमेह के रोगियों के लिए बहुत फायदेमंद होते है, पार्सले के बीजों को गिली मिट्टी में 7-10 इंच की दूरी ही लगाएं. पार्सले के इस्तेमाल से आपके खाने का स्वाद और रंग दोनों बढ़ जाता है.

थाइम

थाइम कैंसर जैसी कई अन्य बीमारियों से आपको स्वस्थ रखने की क्षमता रखता है. कई तरह के बैक्टीरियल इनफेक्शन और स्कीन की परेशानी से भी थाइम छुटकारा दिलाता है. गले की खराश से लेकर आर्थराइटस में भी थाइम काफी फायदेमंद है.थाइम को घर पर आसानी से उगाया जा सकता है.

चिकन पॉक्स के दाग मिटाने के लिए करें उपाय

शरीर पर चिकन पॉक्स होने पर छोटे-छोटे दाने हो जाते हैं। इसमें बहुत तेज खुजली होती है और बुखार भी आ जाता है। इसके लिए हम कुछ घरेलु इलाज करते हैं जिससे ये ठीक हो जाये। लेकिन इसके दाग रह जाते हैं जो अक्सर दिखने में अजीब लगते हैं।

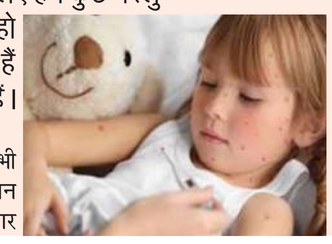

अपनाएं ये घरेलू टिप्स:

शहद में भरपूर मात्रा में ब्लीचिंग के गुण भी मौजूद होते हैं जो त्वचा से किसी भी निशान को हल्का करने का काम करते हैं। अगर आप रोजाना अपने दागो पर शहद लगाते हैं तो इससे आपके धीरे-धीरे कम होने लगेंगे।

निंबू में भरपूर मात्रा में सिट्रिक एसिड और विटामिन सी मौजूद होता है। इसमें दाग मिटाने के गुण मौजूद होते हैं। अगर आप चिकन पॉक्स के दागों को हटाना चाहते हैं, तो रोजाना अपने शरीर पर नींबू का रस लगाएं।

नारियल का तेल हर घर में मौजूद होता है। यह स्किन के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसे शरीर पर लगाने से चिकन पॉक्स के दाग धीरे-धीरे कम हो जाते हैं।

आज की रेसिपी

मलीदा

सामग्री :

- 150 gms रवा
- 120 ग्राम गुड़
- 75 ग्राम घी
- 30 ग्राम किशमिश
- 20 ग्राम बादाम
- 20 ग्राम पिस्ता
- 100 ml (मिली.) दूध
- 10 ग्राम खाद्य गोंद

विधि :

- एक बाउल में रवा लें, इसमें 50 एमएल गर्म पानी डालकर केनेड बना लें. इससे एक उंगली के जितनी लंगी मुठिया बना लें और इसे घी या तेल में गोल्डन ब्राउन होने तक फ्राई कर लें.
- इसे ठंडा होने दें और हाथों से दरदरा क्रम्बल कर लें.
- एक पैन में घी, गुड़ डालें और गुड़ को पिघलने दें. इसमें दरदरा रवा मिक्चर, दूध डालें और इसे धीरे धीरे गाढ़ा होने दें.
- आंच को बंद कर दें, इस पर नट्स और फ्राई गोंद डालकर सर्व करें.

घर की सीढ़ियों का भी रखें ख्याल

अगर आप भी अपना घर बनवाने जा रहे हैं तो उसमें सीढ़ियों का विशेष ध्यान रखें. जमीन खरीदकर मनमाफिक आशियाना बनवाने की चाह रखने वालों की कमी आज भी कुछ कम नहीं. क्या आपकी भी कुछ ऐसी ही ख्वाहिश है? अगर जवाब हां में है तो घर का कंस्ट्रक्शन कराते समय कुछ चीजों का खास ध्यान रखना जरूरी है. कंस्ट्रक्शन से पहले जाहिर है सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आप सॉयल टेस्टिंग तो कराएंगे ही साथ ही घर को भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदा से सुरक्षित रखने के लिए भूकंप-रोधी संरचना तैयार कराने पर भी विचार करेंगे. इन सब के साथ यह जरूर ध्यान रखें कि जब आप घर का नक्शा या फिर डिजाइन किसी आर्किटेक्ट से डिजाइन कराएं तो उसे सीढ़ियों की ऊंचाई और चौड़ाई पर विशेष ध्यान देने को कहें.

- सीढ़ियों बनाते समय हेड रूम का ध्यान रखना जरूरी है, जिससे कि लंबे व्यक्तियों का सिर छत से न टकराए. अक्सर ऐसा होता है कि जल्दीबाजी में सीढ़ियों से उतरते हुए सिर अथवा माथा छत या छज्जे से टकरा जाता है और चोट लग जाती है.
- सीढ़ियों को कम से कम 840 एमएम और ज्यादा से ज्यादा एक मीटर तक अपनी जरूरत के अनुसार रखना चाहिए.
- अच्छी सीढ़ी वही है जिसमें चढ़ते और उतरते वक्त आपको बहुत ज्यादा मेहनत न करनी पड़े. आम तौर पर किसी भी वयस्क का एक पग यानी स्टेप 600 एमएम यानी 2 फुट का होता है. इसको ध्यान में रखते हुए ही सीढ़ियों का निर्माण कराएं.
- यह ध्यान रखें कि सीढ़ियों पर ऊपर चढ़ते हुए दुगनी ऊर्जा लगानी पड़ती है, ऐसे में अगर सीढ़ियों ऊंची-नीची होंगी, उनमें सामंजस्य नहीं होगा तो दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी.
- घर में इस्तेमाल की जाने वाली सीढ़ियों में 250 एमएम का ट्रेड और 165 एमएम से 175 एमएम तक का राइजर इस्तेमाल किया जा सकता है. आप इसे ज्यादा से ज्यादा 220 एमएम तक का रख सकते हैं. अगर राइजर ज्यादा ऊंचा होगा तो पैर भी ज्यादा ऊंचाई तक उठाने होंगे, जिससे चंद सीढ़ियों चढ़ने के बाद ही थकान महसूस होने लगेगी.
- सीढ़ियां इस तरह डिजाइन कराई जानी चाहिए कि उस तक आसानी से पहुंचा जा सके.
- अगर कमरों के दरवाजे सीढ़ियों के साथ खुल रहे हों तो ऐसे में कम से कम 310 मिलीमीटर तक की न्यूनतम दूरी जरूर बनाकर रखनी चाहिए. इसका फायदा यह होगा कि कमरे से सीढ़ियों तक आसानी से स्टेप-अप किया जा सकेगा.
- सीढ़ियों को कभी बहुत तंग नहीं रखना चाहिए. ऐसा होने से खासकर ऊपरी मंजिलों पर फर्नीचर चढ़ाने और उतारने में परेशानी का सामना करना पड़ता है.
- सीढ़ियों की डेकोरेशन के लिए तमाम तरह के विकल्प मौजूद हैं. इन्हें सजाने में सबसे ज्यादा भूमिका रेलिंग की होती है. रेलिंग के लिहाज से आयरन या फिर स्टील फिनिश वाली रेलिंग का इस्तेमाल भी किया जा सकता है.